दैनिक जागरण

व्यक्ति की प्रकृति पर संगति का गहरा प्रभाव होता है

## वायु प्रदूषण की चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीवाली पर ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दे दी। उसने अपने फैसले के पक्ष में कहा कि हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, ताकि उद्योग और पर्यावरण, दोनों के हितों की रक्षा हो सके। ऐसे किसी फैसले की अपेक्षा इसलिए थी, क्योंकि कुछ समय पहले उसने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बनाने की अनुमति दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहने वाले उत्साहित होंगे, लेकिन पर्यावरण प्रेमी चिंतित होंगे। उनकी चिंता समझी जा सकती है, क्योंकि एक तो इसकी आशंका है कि सुप्रीम कोर्ट ने जिन शर्तों के साथ ग्रीन पटाखों की अनुमति दी, उनका सही तरह पालन हो सकेगा और दूसरे, ग्रीन पटाखों की आड़ में परंपरागत पटाखों की भी बिक्री हो सकती है। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसकी पड़ताल करने को कहा है कि ग्रीन पटाखों की ही बिक्री हो, लेकिन इसमें संदेह है कि यह काम सही तरह हो सकेगा। ग्रीन पटाखों की अनुमति इस कारण दी गई कि वे पर्यावरण को कहीं कम प्रदूषित करते हैं, लेकिन यह कहना कठिन है कि जिस गुणवत्ता के ग्रीन पटाखे बनते और बिकते हैं, वे वास्तव में पर्यावरण हितैषी होते हैं? यह सही है कि वायु प्रदूषण का कारण केवल पटाखे ही नहीं, लेकिन पर्यावरण प्रेमियों के साथ पूरे समाज को इस बारे में विचार करना होगा कि पटाखों का सीमित और संयमित उपयोग कैसे किया जाए।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय इसे भी इंगित कर रहा है कि उसे केवल इस क्षेत्र के ही वायु प्रदूषण की चिंता नहीं करनी चाहिए। दिल्ली अथवा उसके आसपास का क्षेत्र ही देश नहीं है। यह किसी से छिपा नहीं कि देश के अन्य हिस्सों और विशेष रूप से उत्तर भारत के कई इलाकों में वायु प्रदूषण ने सिर उठाना शुरू कर दिया है। वायु प्रदूषण की चिंता केवल सर्दियों के समय ही नहीं की जानी चाहिए। देश के एक बड़े हिस्से में वायु प्रदूषण की समस्या को देखते हुए यह अनिवार्य है कि उसकी चिंता पूरे वर्ष की जाए। इसके साथ ही वायु प्रदूषण के सभी कारणों के निवारण पर जोर दिया जाए। अभी ऐसा नहीं हो पा रहा है। वायु प्रदूषण के लिए कभी पराली को जिम्मेदार समझ लिया जाता है तो कभी पटाखों को। वायु प्रदूषण के अन्य कारणों में वाहनों का उत्सर्जन, सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और कल-कारखानों का उत्सर्जन भी है। सर्दियों में कूड़ा-करकट के साथ पत्तियों को जलाने का सिलसिला भी कायम हो जाता है। अच्छा यह होगा कि प्रदूषण के सभी कारणों के निवारण के लिए सतत प्रयत्नशील रहा जाए और इसमें समाज की भी भागीदारी हो।

## समाधान देगी यह पहल

वाहन पार्किंग की समस्या अब किसी राज्य तक सीमित नहीं रही। यह समस्या समूचे देश में बढ़ती जा रही है। उत्तर प्रदेश में कोर्ट परिसर के बाहर अव्यवस्थित खड़े वाहनों से आम आदमी को बहुत परेशानी होती है। यह केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट की समस्या नहीं है। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, आगरा आदि कई अन्य शहरों में भी न्यायालयों के बाहर इस प्रकार वाहन खड़े होते हैं कि वहां से किसी का गुजरना कठिन हो जाता है। यदि इलाहाबाद हाई कोर्ट के संदर्भ में ही बात की जाए तो दोनों ओर आधी सड़क वकील और मुवक्किल के वाहनों से भर जाती है। जहां कचहरी के पास वाहन पार्किंग बनाई गई हैं, वहां इनका उपयोग बहुत कम होता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जहां कोर्ट के बाहर से बाइक चोरी होने पर चिंता जताते हुए प्रयागराज पुलिस से जवाब मांगा है, वहीं इस पर चिंता भी जताई है कि कोर्ट आने वाले वकील भी पार्किंग में वाहन नहीं रखते। यह वाजिब प्रसंग है। वैसे तो इस मामले में अभी बार एसोसिएशन को अपना पक्ष रखना है, लेकिन हाई कोर्ट की यह पहल स्वागत योग्य है। वकीलों को स्वयं आगे बढ़कर व्यवस्था में सहयोग करना चाहिए। जिस कोर्ट से बार-बार सुगम यातायात के लिए पुलिस-प्रशासन को निर्देश जारी होते हैं, वहां ही इस प्रकार की अव्यवस्था नहीं पसरनी चाहिए। सरकार को भी कोर्ट के पास पार्किंग की पर्याप्त सुविधा की चिंता होनी चाहिए। उम्मीद की जा सकती है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की पहल के बाद बार एसोसिएशन इस दिशा में कुछ ठोस पहल के लिए आगे आएगा। देश की अन्य संबंधित संस्थाओं को भी इससे सबक लेना चाहिए।

जिस कोर्ट से बार-बार सुगम यातायात के लिए निर्देश जारी होते हैं, वहां ही आसपास वाहन बेतरतीब खड़े होते हैं। यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है

# पाकिस्तान से उभर रहा बड़ा खतरा

दिव्य कुमार सोती

**पाकिस्तान सोच रहा है कि अपने यहां अमेरिका और चीन का निवेश बढ़ाने से उसे भविष्य में भारत की किसी आक्रामक कार्रवाई से बचने में मदद मिल सकेगी**

अवधेश राजपूत

बीते दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान सर क्रीक क्षेत्र में निरंतरअपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है और उसके किसी भी दुस्साहस का उत्तर ऐसे दिया जाएगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे। इसके कुछ ही दिनों के अंतराल पर सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि अगर पाकिस्तान ने आतंकवाद का समर्थन करना नहीं छोड़ा तो भारत अगली बार वैसा संयम नहीं दिखाएगा, जैसा उसने आपरेशन सिंदूर के समय दिखलाया था और पाकिस्तान को विश्व मानचित्र से मिटना भी पड़ सकता है। उन्होंने सैनिकों से अगले संघर्ष के लिए तैयार रहने को भी कहा। भारत की ओर से आम तौर पर ऐसे बयान कम ही आते हैं। इसका अर्थ है कि सरकार के पास पाकिस्तान द्वारा रची जा रही आतंकवादी साजिश की बड़ी सूचना है, जिसके चलते रक्षा मंत्री और सेनाध्यक्ष ने एक के बाद एक बयान जारी कर पाकिस्तान को चेताया है। इससे पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर अमेरिका के दो बार दौरे कर चुके हैं और दोनों बार उन्हें राष्ट्रपति ट्रंप की विशेष आवभगत और समय मिला है।

मुनीर ने अमेरिकी धरती से भारत को धमकाने का अप्रत्याशित काम भी किया। मुनीर के दौरे के कुछ दिन बाद ही पाकिस्तानी फौज के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने भारत को धमकाते हुए कहा था कि इस बार किसी सैन्य टकराव की स्थिति में पाकिस्तान भारत के पूर्वी भाग को निशाना बनाने से शुरुआत करेगा। सवाल उठता है कि जब आपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान की मिसाइलें सिरसा और हिसार तक नहीं पार कर पाई थीं, तब वे भला पूर्वी भारत तक कैसे पहुंच सकेंगी? इसका जवाब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख और अमेरिकी डीप स्टेट की कठपुतली माने जाने वाले मोहम्मद यूनुस की व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ मुलाकात में मिला। पाकिस्तान की तरह एक समय यूनुस को लेकर कुपित रहने वाले ट्रंप का रवैया उनके प्रति भी एकाएक बदला दिखाया था। यूनुस ने अमेरिका में अपने भारत विरोधी तेवर ही दिखाए। इससे सहज ही समझा जा सकता है कि पाकिस्तान किसके कंधे पर बंदूक रखकर पूर्वोत्तर भारत को निशाना बनाने की मंशा रखता है। इस बीच कुछ सवाल भी उठते हैं कि क्या अमेरिका इसकी गुंजाइश देगा कि बांग्लादेश में अपनी कठपुतली सरकार का फायदा पाकिस्तान उठाए? क्या पाकिस्तान ने भारत की पूर्वी सीमाओं के पास कोई ड्रोन बेस या आतंकी अड्डा तैयार किया है, जिसके बल पर वह बार-बार भारत के पूर्वी भाग को निशाना बनाने की धमकी दे रहा है?

संभव है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अमेरिका भारत के खिलाफ कोई खिचड़ी पका रहे हों। याद रहे कि जब आपरेशन सिंदूर शुरू हुआ तो अमेरिका को लगा था कि बालाकोट की तरह ही भारत की कार्रवाई सीमित रहेगी और कुछ घंटों में ही सब सामान्य हो जाएगा, परंतु जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की तो भारत ने अमेरिका द्वारा उपयोग किए जा रहे पाकिस्तानी एयरबेसों को भी नहीं छोड़ा। अमेरिका अब इस अपमान का बदला लेना चाहता है। इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप का यह बयान अनायास नहीं है कि अमेरिकी सेनाओं को अफगानिस्तान का बगराम एयरबेस फिर से वापस चाहिए। ट्रंप ने अफगानिस्तान को यह धमकी भी दी कि अगर वह ऐसा नहीं करता है तो उसके साथ बुरी घटनाएं घट सकती हैं। चीन की गतिविधियों पर तो अमेरिका पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस से भी नजर रख सकता है, परंतु अब उसे अफगानिस्तान में एयरबेस इसलिए चाहिए ताकि भारत द्वारा पाकिस्तानी एयरबेसों पर हमले की स्थिति में पाकिस्तान की सहायता जारी रख सके। अपने सैन्य साजोसामान को पाकिस्तानी बेसों से हटाकर बगराम ले जा सके और सबसे महत्वपूर्ण यह कि चीन के साथ-साथ भारतीय सैन्य गतिविधियों पर भी नजर रख सके और जरूरत पड़ने पर ईरान पर हमले के लिए भी उसका उपयोग कर सके। पाकिस्तान ने भी इन अमेरिकी आवश्यकताओं की पूर्ति का तरीका खोज लिया है। मुनीर ने ट्रंप को पाकिस्तान के पासनी बंदरगाह को विकसित करने का न्योता दिया है। पासनी चीन द्वारा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के अंतर्गत अरबों डालर खर्च कर विकसित किए गए बलूचिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से मात्र सौ किलोमीटर दूर है और वर्ष 2011 से रेत भरने की समस्या से ग्रस्त है।

पाकिस्तान को लगता है कि चीन को रोकने के लिए सीआइए कहीं न कहीं बलूच विद्रोहियों का साथ दे रही है। ऐसे में पासनी के जरिये खुशामद से खुश अमेरिका शायद बलूच विद्रोहियों से समर्थन पीछे खींच ले और पासनी में बैठकर भारत और चीन दोनों पर नजर रख सके। मुनीर को लगता है कि इस कवायद से चीन और अमेरिका के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में संतुलन बनाया जा सकता है। अमेरिका और चीन दोनों का पाकिस्तान में निवेश बढ़ने से भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध अधिक आक्रामक कार्रवाई से भी रोका जा सकता है। इस रणनीति से उत्पन्न अतिआत्मविश्वास से मुनीर अब सर क्रीक के पास सैन्य जमावड़ा बढ़ा रहे हैं और जामनगर स्थित विश्व की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर हमले की धमकी दे रहे हैं। इस धमकी में आवाज केवल मुनीर की है, पर उसकी पटकथा उन अमेरिकियों की लिखी हुई है जो चाहते हैं कि रिलायंस जैसी भारतीय कंपनियां रूस से तेल खरीदना बंद कर अमेरिका से आयात बढ़ाएं।

इस सबके बीच में यह देखना होगा कि पाकिस्तान को अमेरिका के पाले में जाते देख चीन का उसके प्रति क्या रवैया रहेगा। चीन भारत को बड़ी शक्ति मानकर साथ-साथ चलना चाहेगा या अमेरिका के साथ जी-2 अवधारणा, जिसके अंतर्गत अमेरिका और चीन द्वारा वैश्विक शक्ति को आपस में बांटने का सोच है, पर आगे बढ़ेगा। अगर जी-2 की अवधारणा आगे बढ़ती है तो भारत के लिए आने वाला समय कठिन होगा। किसी भी सूरत में पाकिस्तान से भविष्य का युद्ध और अधिक बड़ा एवं व्यापक होने वाला है।

(लेखक काउंसिल आफ स्ट्रैटेजिक अफेयर्स से संबद्ध सामरिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

# मानहानि कानून का दुरुपयोग रुके

सीबीपी श्रीवास्तव

**आपराधिक मानहानि कानून का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है और यह कदाचित धन उगाही का एक साधन बन गया है**

समय के साथ कानून की समीक्षा आवश्यक। प्रतीकात्मक

उच्चतम न्यायालय द्वारा मानहानि के अपराधीकरण के विषय पर की गई टिप्पणी ने इस मुद्दे को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। हाल में कई अवसरों पर इससे संबंधित कानून के दुरुपयोग को देखते हुए यह विषय और भी गंभीर हो गया है। विधि के शासन के अंतर्गत कानून की यथोचित प्रक्रिया के विस्तार के साथ न्यायालय द्वारा नए अधिकारों की पहचान कर उनके लिए दावा करने की पद्धति बताई जाती है, लेकिन यह देखना भी आवश्यक होता है कि किन्हीं दो अधिकारों के बीच कोई टकराव न हो। ऐसी ही एक स्थिति अभी चर्चा का विषय है कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और अनुच्छेद 21 के दायरे में मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठा के अधिकार के बीच किस प्रकार संतुलन बनाया जाए। ऐसे संतुलन के लिए ही मानहानि का प्रविधान संविधान और कानून में किया गया है। अनुच्छेद 19(2) में मूल अधिकारों पर निर्बंधन लगाने के एक आधार के रूप में मानहानि उल्लिखित है। इसी प्रकार अपकृत्य विधि के तहत सिविल मानहानि और भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत आपराधिक मानहानि का उल्लेख है। इसके अनुसार उन व्यक्तियों को दंडित किया जाएगा, जो किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की मंशा से या यह जानते हुए कि इससे हानि होगी, कोई झूठा बयान देते या प्रकाशित करते हैं। ऐसे प्रविधान का उद्देश्य सामाजिक हितों का संरक्षण करना और किसी व्यक्ति या संस्था की प्रतिष्ठा पर होने वाले हमलों को रोकना है। विदित है कि किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला लिखित, मुद्रित या स्थायी रूप से व्यक्त कोई भी बयान आपराधिक मानहानि के दायरे में आ सकता है।

2016 में उच्चतम न्यायालय ने सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत संघ मामले में आपराधिक मानहानि के कानूनी उपबंधों को संवैधानिक रूप से वैध कहा था, लेकिन एक दशक के भीतर ही न्यायालय द्वारा इसके विअपराधीकरण के लिए टिप्पणी करना इस तथ्य का द्योतक है कि ऐसे कानून का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है और यह कदाचित धन उगाही का एक साधन बन गया है। 2016 में न्यायालय ने उस तर्क को खारिज कर दिया था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 356) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से असंगत है। न्यायालय ने इस आधार पर आपराधिक मानहानि को संवैधानिक रूप से वैध कहा कि अनुच्छेद 19(1)(ए) में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हालांकि एक बुनियादी प्राकृतिक अधिकार होने के साथ-साथ मौलिक स्वतंत्रता भी है, किंतु यह निरपेक्ष नहीं है। इस पर मानहानि के आधार पर विवेकपूर्ण निर्बंधन संभव है। इस संबंध में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानहानि के बीच आनुपातिक संबंध होना चाहिए। यानी सद्भावनापूर्वक निष्पक्ष टिप्पणी, लोक सेवकों की सकारात्मक आलोचना, लोक नीतियों या न्यायिक कार्यवाहियों पर निष्पक्ष राय रखना कहीं से भी मानहानि का आधार नहीं होना चाहिए, क्योंकि ऐसा कोई भी निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों से असंगत होगा। इसके विपरीत प्रतिष्ठा के अधिकार की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जो जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है। इस कारण दोनों अधिकारों के बीच संतुलन अनिवार्य है। 22वें विधि आयोग ने भी 2024 में अपनी रिपोर्ट में कहा कि हालांकि अभिव्यक्ति और प्रतिष्ठा के अधिकारों के बीच संतुलन होना चाहिए, लेकिन निश्चित रूप से प्रतिष्ठा की रक्षा अधिक महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि यह जीवन के अधिकार का अनिवार्य घटक है। विधि आयोग का यह विचार इस आधार पर उचित प्रतीत होता है कि जीवन को अर्थपूर्ण बनाने के लिए गरिमा की रक्षा उसकी अनिवार्य शर्त है, लेकिन जहां प्रतिष्ठा का अधिकार एक व्यक्तिगत अधिकार है, वहीं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सामान्यीकृत अधिकार।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक स्वतंत्रता भी है और यही सभी स्वतंत्रताओं की जननी भी है। ऐसी स्थिति में प्रतिष्ठा के अधिकार को अभिव्यक्ति पर वरीयता देने से व्यक्तिगत स्तर पर प्रतिष्ठा की रक्षा तो अवश्य होगी, लेकिन सामान्यीकृत अधिकार का संरक्षण नहीं हो पाएगा। इस कारण संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण के लिए दोनों का संतुलन अनिवार्य है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनुच्छेद 19(2) के तहत युक्तियुक्त निर्बंधन लगाने के आधार उल्लिखित हैं, लेकिन आपराधिक मानहानि के कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इस आलोक में यदि उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी उचित है कि मानहानि का विअपराधीकरण होना चाहिए। अगर हम इस विषय को संविधान के स्वर्णिम त्रिभुज के संदर्भ में देखें तो और स्पष्ट होगा। न्यायालय ने मेनका गांधी बनाम भारत संघ 1978 मामले में स्वर्णिम त्रिभुज का उल्लेख किया था, जिसके अनुसार इस त्रिभुज का निर्माण अनुच्छेद 21, 19 और 14 से हुआ है। इसलिए इन तीनों ही उपबंधों को संतुलित किया जाना चाहिए। किसी एक को दूसरे पर वरीयता देना आनुपातिकता के सिद्धांत से भी असंगत होगा और यह संवैधानिक नैतिकता के विरुद्ध भी होगा। अतः इस दृष्टिकोण से भी आपराधिक मानहानि के कानून को देखा जाना चाहिए और उसके दुरुपयोग को रोकने का प्रविधान किया जाना चाहिए।

(लेखक सेंटर फार अप्लायड रिसर्च इन गवर्नेंस, दिल्ली के अध्यक्ष हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

## प्रकृति से शिक्षा

किसी पेड़-पौधे का बीज यदि जेब में लेकर रख दिया जाए तो वह कुछ दिनों बाद सड़ने लगेगा। जबकि उसी बीज को मिट्टी के नीचे दबा दिया जाए और उसे पानी से पोषित किया जाए तो विशाल वृक्ष बनकर खड़ा हो जाता है। फलदार वृक्ष है तो फल भी देने लगता है। कुछ इसी तरह मनुष्य की भी स्थिति है। नैतिक और सदाचार की बातें पढ़कर उसे अमल में न लाना बीज को जेब में रखने के समान ही कहा जाएगा। जबकि नैतिक और सदाचार की बातें मन में समाहित हो जाएं और उसी के अनुरूप जीवन जिया जाए तो जीवन पेड़-पौधों की तरह खुशबू बिखेरने लग जाएगा।

मनुष्य के पास एक मन है। मन यदि सकारात्मक दिशा में जा रहा है तो समझिए उसके परिणाम अनुकूल होंगे, जबकि नकारात्मक दिशा की ओर जाने पर जितनी बुराइयां हैं, सब व्यक्तित्व में शामिल हो जाती हैं। फिर झूठ-फरेब, छल-छद्म आदि अवगुण मन में आना स्वाभाविक हैं। इसका नतीजा अंततः बुरा ही होता है। नजर चुराकर लोगों से बात करनी पड़ती है। हमेशा भय बना रहता है कि उसकी खामियां लोग जब जान जाएंगे तो वास्तविकता प्रकट हो जाएगी। ऐसी स्थिति में प्रकृति से शिक्षा लेने की जरूरत है कि कैसे बीजरोपण तथा सिंचन कार्य से बीज चहक उठा और आक्सीजन, छाया, खाद्य-पदार्थ तक देने लगता है, जबकि मनुष्य मन के विपरीत चलकर कष्ट पाता है।

याद रखना चाहिए कि यदि जीवन में कष्ट है तो वह स्वअर्जित कष्ट ही है। किसी दूसरे व्यक्ति में सामर्थ्य नहीं कि वह हमें कष्ट दे सके। दूसरा यदि कष्ट दे रहा है तो इसका अर्थ कि हमने कुछ नकारात्मक कार्य किया, जिसके बदले में वह या तो ऐसा कर रहा या हमें अपमानित कर रहा है। ऐसी स्थिति में दूसरों को दोष देने के बजाय खुद का मूल्यांकन करें। निष्पक्षता के साथ किया गया अपना मूल्यांकन कभी गलत राह नहीं दिखाएगा।

सलिल पाण्डेय

# समुद्र की सतह पर तेल की सफाई

ऋतुपर्ण दवे

**समुद्र में होने वाले तेल के रिसाव के दुष्प्रभावों को दूर करने में मिल सकती है सफलता**

समुद्र में तेल रिसाव एक सामान्य घटना है। यह रिसाव अन्वेषण, उत्पादन या परिवहन के दौरान होता है और समुद्र के पानी एवं सतह पर फैल जाता है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर बहुत भारी तेल की परतें बनती हैं जो नष्ट नहीं होती हैं। यह लंबे समय तक प्रकाश को भी रोकती है जिससे समुद्री पौधे, सूर्य की रोशनी न पाकर मर जाते हैं। समुद्री जीव, जंतु और आसपास मंडराने वाले पक्षियों की भी जान पर खतरा बनता है। इससे मत्स्य पालन, जलकृषि, पर्यटन और तटीय उद्योग बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

भारतीय शोधकर्ताओं ने इसका उपाय खोजा है। यह पर्यावरण अनुकूल होने के साथ ही सस्ता, सुलभ और लाभप्रद भी है। समुद्र में फैलते तेल और नदियों में बहाए जा रहे जहरीले हाइड्रोकार्बन को जीवाणुओं की मदद से नष्ट करने में मिली सफलता विशेषकर रासायनिक प्रदूषणों को कम खर्च में रोक पाना एक बड़ी उपलब्धि है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एनआइटी) राउरकेला के युवा विज्ञानियों और शोधार्थियों ने इस दिशा में दो प्रकार की सफलताएं हासिल की हैं। बीते वर्ष उन्होंने विशेष सुपरहाइड्रोफोबिक स्पंज बनाया जो पानी को पीछे हटाकर अपनी ओर खींचकर अलग कर लेता है और वजन से सौ गुना तक तेल एवं कार्बनिक साल्वैंट्स सोख लेता है। इसकी प्रभावशीलता का लंबे समय तक बने रहना बड़ी विशेषता है।

यह फेनेंथ्रीन नाम के पालीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन यानी पीएएच को विघटित करने में सक्षम है। पीएएच, औद्योगिक रासायनिक अपशिष्टों और तेल रिसाव से जुड़े बेहद विषैले यौगिक यानी फेनेंथ्रीन तेल, कोयला एवं औद्योगिक कचरे में पाए जाने वाले रसायनों के वो जिद्दी यौगिक समूह हैं जो जल्द नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पानी-मिट्टी को प्रदूषित करते रहते हैं। शोधकर्ताओं ने ऐसी बायोफिल्म विकसित की है जो नदियों व समुद्रों में फैले तेल रिसाव और रसायनों से होने वाले प्रदूषण को काफी तेजी से एवं सस्ते में नियंत्रित कर सकती है।

यह प्रदूषण से निपटने हेतु रासायनिक आक्सीकरण विधियों की तुलना में सस्ती है। इसे तटीय क्षेत्रों, औद्योगिक अपशिष्ट नालों और समुद्री दुर्घटनाओं की स्थिति में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। पोषक तत्वों से भरपूर माध्यमों लूरिया बर्टानी शोरबा से विकसित बायोफिल्म, पीएएच के संपर्क में आते ही बैक्टीरिया (स्यूडोमोनास, बैसिलस) सक्रिय हो जाते हैं जो जहरीले प्रदूषक को ऊर्जा और पोषण के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने मेटाबालिज्म की जैव-रासायनिक क्रियाओं के जरिये पांच दिनों के भीतर 95 प्रतिशत तक फेनेंथ्रीन को तोड़कर हानि रहित गैस, पानी और जैविक अवशेष में बदल देते हैं। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही यह दुनिया के बाजार में आए और पेट्रोकेमिकल उद्योग के अलावा जलशोधन संयंत्र एवं अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र हेतु भी समाधानकारक विकल्प बने।

**(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)**

### राजनीति के प्रति बढ़ती अरुचि

'विचारधारा से हीन होती राजनीति' शीर्षक से प्रकाशित राजीव सचान का दृष्टिकोण उचित है कि नेताओं का चुनाव के मौके पर दल बदलने का खेल मौकापरस्ती है। इसका प्रभाव यह पड़ रहा है कि आम लोगों में राजनीति के प्रति अरुचि पैदा हो रही है। पुराने कार्यकर्ता निराश होकर निष्क्रिय हो जाते हैं या फिर वे भी दूसरे दलों के दरवाजे खटखटाने लगते हैं। दरअसल चुनाव का अवसर राज्य या देश के भविष्य को तय करता है। ऐसे में, मतदाताओं की जिज्ञासा इतनी भर नहीं होती है कि उनका प्रत्याशी कौन होगा, अपितु यह भी होती है कि प्रत्याशी कैसा होगा? इसके जरिये वे भविष्य के शासन की रूपरेखा का अंदाजा लगाते हैं। आखिर प्रत्याशियों के चयन के मापदंड से सरकार का आकार-प्रकार और उसकी दृष्टि तय करते हैं। दुखद है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा में किसी को इस दिशा में सोचने का समय नहीं है। वोट समीकरण के जुगाड़ में राजनीतिक दल नौकरशाहों, कलाकार, अभिनेता, अभिनेत्री को मौका देने से नहीं चूकते हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है, मगर ऐसे लोगों को आनन-फानन में प्रत्याशी बना देना कहां तक उचित है? मतदाता ही ऐसे प्रत्याशियों को नकार कर पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व को स्पष्ट संदेश दे सकता है। टिकट वितरण में जैसी खींचतान देखने को मिल रही है, उससे लगता है कि राजनीति विचारधारा से हीन होती जा रही है। मानो निष्ठा का कोई मूल्य-महत्व ही नहीं रह गया है। ऐसी राजनीति कब तक चलेगी? यह आम जन में अरुचि बढ़ाकर उन्हें राजनीति के प्रति उदासीन ही करेगी।

mananmk8155@gmail.com

## मेलबाक्स

### काले धन की जड़ें

देश में काले धन की जड़ें गहरी और जटिल हैं। राजनीति, नौकरशाही और बड़े व्यापारी, इन तीनों के रिश्तों या फिर कहें कि गठजोड़ ने इस व्यवस्था को वर्षों से पनपने दिया है। कानूनों में कमजोरी, जटिल कर प्रणाली और नकदी पर निर्भरता ने इसे और बढ़ावा दिया है। परंतु यदि सरकार सच्चे मन से काला धन बाहर लाना चाहे तो कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम तेजी से परिणाम दे सकते हैं। सबसे पहले कराधान को सरल और न्यायपूर्ण बनाना होगा। इसके लिए 12 लाख रुपये तक आय कर में छूट और जीएसटी दरों में कमी से कुछ हद तक तो काले धन पर अंकुश निश्चित रूप से लगेगा ही। अब जरूरत इस बात की भी है कि सरकार स्वयं काले धन की घोषणा योजना को चलाए, ताकि यह धन वैध रूप से अर्थव्यवस्था में आए। डिजिटलीकरण और कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा दे, संपत्ति और जमीन के रजिस्ट्रेशन में पारदर्शिता, बेनामी संपत्ति पर कड़ी कार्रवाई और स्वचालित सूचना-विनिमय से काले स्रोतों का पता चल सकता है।

सुरेश गोयल धूप वाला, हिसार, हरियाणा

### अफगानिस्तान में महिलाओं पर पाबंदियां

बुधवार को प्रकाशित संध्या जैन के लेख 'अफगान महिलाओं की अनदेखी' से मैं सहमत हूं, क्योंकि अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति आज इंसानियत के जख्म को फिर से ताजा कर देती है। जिस समाज में कभी बेटियां शिक्षा और स्वतंत्रता का सपना देखती थीं, वहां अब तालिबानी ताले लगे हैं। स्कूल, कालेज, नौकरी इन सब पर प्रतिबंध है। अफगानिस्तान में महिलाएं अब अपने ही देश में कैद हैं। दुनिया के तमाम मंचों पर महिला सशक्तीकरण की बातें होती हैं, मगर अफगानिस्तान की बेटियां उस सशक्तीकरण की परिभाषा से बहुत दूर हैं। दुनिया का विवेक भी मौन है। यह केवल किसी एक देश का संकट नहीं है, बल्कि पूरी मानवता की असंवेदनशीलता का आईना है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों से लेकर शक्तिशाली देशों तक, सबने समय-समय पर चिंता जताई, लेकिन ठोस कदम बहुत कम उठे। सहानुभूति अब शब्दों में सीमित रह गई है। ऐसे में आवश्यकता है कार्रवाई किए जाने की, न कि केवल बयानबाजी की। भारत को आगे आकर यह दिखाना होगा कि नारी सम्मान केवल अपने देश की नहीं, बल्कि विश्व की साझा जिम्मेदारी है। क्योंकि जब आधी आबादी की आजादी छीन ली जाती है, तो पूरी मानवता शर्मसार होती है।

आयुष्मान पाण्डेय, लखनऊ विश्वविद्यालय

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
********

**0.64** प्रतिशत के आसपास होता है भारत में अनुसंधान और विकास पर खर्च, देश की कुल जीडीपी की तुलना में, लेकिन यह खर्च कुछ अन्य विकासशील और विकसित देशों की तुलना में बहुत कम है।

राहुल लाल
आर्थिक मामलों के जानकार

अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

# नवाचार से प्रेरित आर्थिक विकास

**इस वर्ष अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार स्पष्ट करता है कि तकनीकी नवाचार, सामाजिक-सांस्कृतिक समर्थन और संस्थागत सुधारों का समन्वय ही अर्थव्यवस्था के सतत विकास और समृद्धि का मूल आधार है। आर्थिक विकास में नवाचार की भूमिका सभी देशों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। विकासशील देशों के लिए यह विकास में छलांग लगाने का अवसर प्रदान करता है। समय आ गया है कि भारत को अब अपने अनुसंधान और विकास पर खर्च बढ़ाना चाहिए**

प्रतीकात्मक

आर्थिक विकास मानव जीवन की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। यह राष्ट्रों की समृद्धि और लोगों की बेहतर जीवनशैली का द्योतक होता है। पिछले दो सौ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिले हैं। इसका प्रमुख कारण तकनीकी नवाचार और वैज्ञानिक प्रगति रही है। अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार 2025 जोएल मोकिर, फिलिप अगियन और पीटर हाविट को उनकी नवाचार-प्रेरित आर्थिक विकास पर की गई शोध के लिए दिया जाएगा। उनके कार्य ने यह स्पष्ट किया है कि कैसे तकनीकी बदलाव और नए आविष्कार आर्थिक विकास को गति प्रदान करते हैं और साथ ही पुराने आर्थिक ढांचों को प्रतिस्थापित करते हैं। जोएल मोकिर को पुरस्कार का आधा हिस्सा मिलेगा, जिन्होंने सतत विकास के लिए तकनीकी प्रगति की आवश्यकताओं पर गहराई से शोध किया, जबकि शेष आधा हिस्सा फिलिप अगियन और पीटर हाविट के बीच बंटेगा, जिन्होंने ''रचनात्मक विनाश'' के सिद्धांत के माध्यम से बताया कि नवाचार किस प्रकार पुराने उत्पादों एवं विधियों को प्रतिस्थापित कर आर्थिकी को आगे बढ़ाता है।

**आर्थिक विकास और नवाचार** : यह बात बेहद महत्वपूर्ण है कि आर्थिक विकास मानव इतिहास का एक नया और असाधारण अध्याय है। इतिहास में अधिकांश समय आर्थिक स्थिरता या मंदी रही है, जहां संसाधन सीमित और उत्पादन केवल जीवन निर्वाह तक सीमित था। औद्योगिक क्रांति के बाद तकनीकी प्रगति ने परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया। जोएल मोकिर ने ऐतिहासिक साक्ष्यों के माध्यम से समझाया कि औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोप में विकास नवाचार के कारण ही संभव हुआ। जोएल मोकिर के शोध के अनुसार, सतत विकास के लिए ''स्व-परिपोषित'' नवाचार चक्र आवश्यक है, जिसमें ज्ञान और तकनीकी प्रगति परस्पर पोषण करते हैं।

**नवाचार के लिए आवश्यक शर्तें** : जोएल मोकिर एक आर्थिक इतिहासकार और प्रोफेसर हैं। उन्होंने यह दर्शाया है कि सतत विकास के लिए तकनीकी ज्ञान की ''प्रस्तावनात्मक समझ'' का होना जरूरी है। यह ज्ञान, तकनीक और नवाचार के लिए आधार तैयार करता है। मोकिर के शोध के अनुसार केवल आविष्कार या नवीन तकनीकें ही तेज आर्थिक विकास का आधार नहीं हैं, बल्कि इसके लिए समाज का वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञान की संस्कृति का विकास भी अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि तकनीकी प्रगति तब ही सतत और स्वचालित होती है, जब समाज में यह न केवल ज्ञात हो कि कोई उपकरण या तकनीक कैसे काम करती है, बल्कि यह भी समझा जाता हो कि वह क्यों काम करती है, अर्थात उसका वैज्ञानिक आधार क्या है?

आर्थिक विकास के लिए एक ऐसा समाज आवश्यक है, जो प्रयोग, ज्ञान इत्यादि के आदान-प्रदान, वैज्ञानिक सोच और नए विचारों को खुले मन से स्वीकार करने को प्रोत्साहित करे। औद्योगिक क्रांति के दौरान यूरोपीय समाज ने इस वैज्ञानिक और बौद्धिक खुलापन को दर्शाया, जिससे नवाचारों की एक संस्कृति विकसित हुई, जो निरंतर तकनीकी उन्नति और आर्थिक समृद्धि का स्रोत बनी।

**रचनात्मक विनाश का सिद्धांत** : फिलिप अगियन और पीटर हाविट ने आर्थिक विकास की प्रक्रिया को ''रचनात्मक विनाश'' (क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन) के माध्यम से समझाया। इसका अर्थ है कि जब कोई नई तकनीक या उत्पाद बाजार में आता है, तब वह पुराने उत्पादों और प्रौद्योगिकी को प्रतिस्थापित कर देता है। ''रचनात्मक विनाश'' एक ऐसा सिद्धांत है, जिसे अर्थशास्त्री शुंपीटर ने 20वीं सदी के आरंभ में प्रस्तुत किया था। फिलिप अगियन और पीटर हाविट ने 1992 में ''रचनात्मक विनाश'' की प्रक्रिया को एक गणितीय माडल के माध्यम से आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया। उनका शोध इस बात को समझाता है कि कैसे नवाचार और तकनीकी प्रगति बाजारों में पुराने उत्पाद और कंपनियों को हटाकर आर्थिक विकास की निरंतरता बनाए रखते हैं। हालांकि, इससे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष और अस्थिरता भी हो सकती है, जब पुरानी तकनीक और व्यवसाय प्रतिस्थापित की जाती है।

मोबाइल फोन के आगमन ने पुराने टेलीफोन उद्योग को लगभग समाप्त कर दिया। नए फोन के तकनीकी नवाचारों ने दुनियाभर में उद्यम, सूचना और संचार क्रांति को गति दी। अमेरिका में 20वीं सदी के औद्योगिक विकास में कई कंपनियां प्रतिस्पर्धा में नई तकनीकों को विकसित करके बाजार में प्रतिस्पर्धा करती रहीं, जिससे उत्पादन क्षमता और रोजगार में वृद्धि हुई, लेकिन पुरानी तकनीक आधारित कंपनियां समाप्त हो गईं।

**सामाजिक-आर्थिक प्रभाव** : नवाचार के कारण मशीनरी और प्रौद्योगिकी में सुधार से उत्पादन बढ़ा, वस्तुओं की कीमतों में कमी आई और गुणवत्ता में सुधार हुआ। इससे जीवन स्तर उन्नत हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, परिवहन आदि क्षेत्रों में भारी बदलाव हुआ। पिछले दो शताब्दियों में वैश्विक गरीबी दर लगभग 80 प्रतिशत से घटकर आज 10 प्रतिशत से भी कम हो गई। औद्योगिक क्रांति के बाद से जीवन प्रत्याशा वैश्विक स्तर पर लगभग दोगुनी हो गई। हालांकि, इस माडल में चुनौतियां भी हैं, जैसे असमानता, पुराने उद्योगों का पतन और उन श्रमिकों का विस्थापन जो पुराने उद्योगों से जुड़े थे। इसलिए सरकारों और समाज के लिए आवश्यक है कि वे सामाजिक सुरक्षा के उपाय अपनाएं और नवाचार को प्रोत्साहित करें, ताकि विकास के लाभ को व्यापक बनाया जा सके।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था निरंतर परिवर्तन और तकनीकी उन्नति के दौर से गुजर रही है। डिजिटल क्रांति, आटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हरित ऊर्जा जैसे नवाचार विश्व अर्थव्यवस्था के स्वरूप को बदल रहे हैं। ऐसे समय में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेताओं का शोध बेहद प्रासंगिक है, क्योंकि यह न केवल अतीत की आर्थिक प्रगति को समझाता है, बल्कि भविष्य के विकास के मार्गनिर्देशन के लिए भी आधार प्रस्तुत करता है। उनके कार्य नीति निर्माताओं के नवाचार को बढ़ावा देने, सामाजिक सुरक्षा के प्रभावी उपाय अपनाने और आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए बेहतर रणनीतियां बनाने में सहायता करते हैं। यह पुरस्कार साबित करता है कि सतत आर्थिक विकास के लिए नवाचार और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रबंधन की समझ आवश्यक है।

इन शोधों से नीति निर्धारकों को दिशा मिलती है कि कैसे नवाचार को आर्थिक नीतियों में केंद्रीय स्थान दिया जाना चाहिए, जिससे वैश्विक स्तर पर स्थिर और समावेशी विकास संभव हो सके। आधुनिक विश्व में, जहां तकनीकी परिवर्तन, आजीविका, उद्योग और सामाजिक व्यवस्था को गहराई से प्रभावित कर रहा है, इन सिद्धांतों का अनुसरण करके नीति निर्माण करना आवश्यक है। वहीं, भारत के लिए अब अनुसंधान और विकास खर्च को जीडीपी के दो प्रतिशत तक पहुंचाना अनिवार्य हो गया है। इससे न केवल आर्थिक वृद्धि होगी, बल्कि सामाजिक स्थिरता और समावेशी प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

## अनुसंधान और विकास पर बढ़ाना होगा खर्च

नवाचार प्रेरित आर्थिक विकास और रचनात्मक विनाश के शोध का प्रभाव भारत और अन्य विकासशील देशों पर भी स्पष्ट रूप से दिखता है। भारत जैसे विकासशील देश अपनी आर्थिक विकास रणनीतियों में नवाचार और तकनीकी प्रगति को अपना रहे हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक प्रणाली में उनकी भागीदारी बढ़ रही है। विकासशील देशों के लिए ये शोध यह समझने में मददगार हैं कि कैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कारक और निरंतर नवाचार आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक हैं। भारत ''विकास सहयोग'' के माध्यम से बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में अन्य विकासशील देशों की सहायता भी कर रहा है, जिससे स्थायी विकास को प्रोत्साहन मिलता है। भारत के वैश्विक व्यापार और तकनीकी सहयोग ने देश को बौद्धिक नवाचार नेटवर्क से जोड़ दिया है। जी-20, ब्रिक्स और अन्य मंचों पर भारत अपनी नवाचार नीति प्रस्तुत कर रहा है, जिससे अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ रहा है। भारत की नीतियां केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समावेशन, वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास पर भी केंद्रित हैं। डिजिटल भुगतान और वित्तीय तकनीक ने कम आमदनी वाले वर्गों को आर्थिक प्रगति में शामिल किया है, जिससे समग्र विकास का माडल अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ बन रहा है।

भारत की जीडीपी में अनुसंधान और विकास पर खर्च 0.64 प्रतिशत है। भारत ने अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) खर्च में हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर वृद्धि की है, लेकिन यह खर्च अन्य विकासशील और विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। भारत के आर एंड डी खर्च का अधिकांश हिस्सा सरकारी क्षेत्र से आता है, निजी क्षेत्र का योगदान काफी कम है। सरकार ने बजट 2025-26 में मिशन मोड के तहत निजी क्षेत्र के लिए 20 हजार करोड़ रुपये का आर एंड डी कोष भी शुरू किया है, जिसका उद्देश्य निजीकृत नवाचार और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचार और बौद्धिक संपदा के वैश्विक सूचकांक में प्रगति कर रहा है, जैसे कि 2024 में भारत नवाचार सूचकांक में 39वें स्थान और बौद्धिक संपदा फाइलिंग में छठे स्थान पर रहा। लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जैसे-ब्रेन ड्रेन, कमजोर उद्योग-अकादमिक सहयोग और अत्याधुनिक अवसंरचना की कमी। भारत को अपनी जीडीपी का कम से कम दो प्रतिशत खर्च अनुसंधान और विकास पर करना चाहिए, जो आर्थिक विकास, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिहाज से आवश्यक है। इसके लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना जरूरी है। (राहुल लाल)

खरी-खरी

### तटस्थ भाव

पूरन सरमा

पानी-पानी तो उसे होना ही था, जब वह रिश्वत खा गया और मेरा काम नहीं करा पाया। मैं उसे रिश्वत नहीं देना चाहता था, लेकिन उसने मुझे मजबूर कर दिया, इसलिए देना पड़ा। वह ढीठ था, चिकने घड़े की तरह उस पर पानी नहीं ठहरता था। मुझसे बोला, 'घबराओ मत, तुम्हारा कार्य अवश्य करा दूंगा।'

मैं बोला, 'मुझे बेवकूफ मत बनाओ, तुमने मेरी विवशता का लाभ उठाया है, वैसे मेरा काम कोई गलत भी नहीं है, नियमानुसार है, मुझसे रिश्वत लेने की क्या जरूरत थी? तुम्हें वेतन नहीं मिलता?'

वह बोला, 'मिलने को तो वेतन के साथ बोनस भी मिलता है, इसका मतलब यह तो नहीं कि मैं इस नए शिष्टाचार शुल्क को त्याग दूं। यह मेरे जीवन का आधार है तथा भौतिकता का मूलाधार है। रही काम करने की बात, मैं इन्कार कब कर रहा हूं, मैंने किसी का काम कराने का ठेका लिया है तो उसे किया जरूर है, मैं काम में हो रहे विलंब के लिए अवश्य दोषी हूं।'

'लेकिन पूरा साल गुजर गया, और तुम अब तक मेरा कार्य नहीं करवा पाए हो।'

वह बोला, 'ऐसा मत सोचो, मैं निश्चित रूप से तुम्हारा कार्य कराने की दिशा में ही सक्रिय हूं।'

मैंने कहा, 'क्या तुम 'पानी-पानी हो जाने' का अर्थ जानते हो?'

'क्यों नहीं?'

'तो बताओ इसका अर्थ?'

'शर्म से डूब जाना।'

'तुममें शर्म-हया बची हो तो मेरा कार्य करवा दो अन्यथा मेरी हाय तुम्हारे बुरे के लिए निकल पड़ेगी।'

वह फिर बेहूदगी से बोला, 'अभी दुराशियों को रहने दो भीतर, मुझे मौका दो, काम तुम्हारा होगा।'

'देखो दोषी मैं भी हूं कि मैंने तुम्हें रिश्वत क्यों दी? लेकिन मैंने कहा न, कि मैं साठ साल का बूढ़ा, निर्बल काया वाला आदमी हूं, चाहता हूं कि सेवानिवृत्ति का पैसा मिल जाए तो छोटी बेटी का विवाह करके अपने दायित्वों से मुक्ति पा लूं,' मैंने कहा।

वह एक क्षण को चुप हो गया और मैंने उसे गौर से देखा- कहीं वह शर्म से पानी-पानी तो नहीं हो गया है? लेकिन वह तटस्थ और इत्मीनान भाव से आकाश को देखकर बगल में खड़े नीम के पेड़ को देखने लगा था।

X पोस्ट

दिल्ली में वर्षों बाद दीपावली पर पटाखे फोड़ सकेंगे। हालांकि सिर्फ ग्रीन क्रैकर्स को कुछ सीमित समय के लिए अनुमति मिली है, लेकिन यह बड़ा फैसला है। जब सरकार बदलती है तो बहुत कुछ बदल जाता है। इसमें दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के प्रयासों की भूमिका रही है।
अशोक श्रीवास्तव@AshokShrivasta6

मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू दादा ने गढ़चिरौली में 60 गुरिल्लाओं के साथ हथियार डाल दिए। नंबाला केशवराव की मौत ऐसा धक्का है, जिससे माओवादी अब तक उबर नहीं पाए। अभी माओवाद बेहद कमजोर स्थिति में है, पर यह पूरी तरह खत्म हो जाएगा, यह कहना थोड़ी जल्दबाजी होगी।
विनय सुल्तान@vinay_sultan

इस बार बिहार विधानसभा चुनाव की चुनौतियां भी अभूतपूर्व हैं। इसका प्रभाव राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ेगा। राहुल गांधी का वोट चोरी का आरोप जनता खारिज करती है या उनसे सहमत है? बीस वर्षों से अजातशत्रु बने रहे नीतीश कुमार के करियर का अंत या प्रशांत किशोर के करियर के आगाज का भी फैसला होगा।
राजेश शुक्ला@astroraj

जागरण जनमत — कल का परिणाम

**गायिका मैथिली ठाकुर के भाजपा से जुड़ने से पार्टी को बिहार चुनाव में लाभ मिलेगा?**

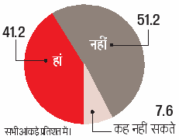


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

**आज का सवाल**

क्या दिल्ली-एनसीआर में दीवाली पर ग्रीन क्रैकर्स को अनुमति देने का फैसला सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बेटा-बेटी को टिकट समधिन को भी राज,
जिसका कट जाए टिकट दिखे वही नाराज।
दिखे वही नाराज बड़ी सांसत में नेता,
राजनीति की नाव बड़ी मुश्किल से खेता।
नहीं रही आसान सियासत वाली खेती,
हैं जी का जंजाल बने सब बेटा-बेटी!!
- ओमप्रकाश तिवारी

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश डायरी

## सीबीएसई से गुणवत्ता का सपना

'हम चाहते तो हैं कि हमारी बेटी भी सीबीएसई से संबद्ध स्कूल से शिक्षा प्राप्त करे मगर, सरकारी स्कूलों में यह संभव नहीं है और निजी स्कूलों की फीस आप जानते ही हैं। सुना है कि सीबीएसई से पूरे देश में एक जैसी पढ़ाई और परीक्षा होती है।' संभवतः हिमाचल प्रदेश के एक ग्रामीण क्षेत्र के पिता की यह आवाज गूंज बनी और हिमाचल प्रदेश सरकार ने इसका हल निकालने की ओर कदम बढ़ाया। हिमाचल प्रदेश में शिक्षा विभाग पहले चरण में 100 स्कूलों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध करने जा रहा है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यह घोषणा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की थी जिस पर काम चल रहा है और हमेशा की तरह इस निर्णय पर चर्चा भी हो रही है। कुछ लोगों को लग रहा है कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड समाप्त हो जाएगा, बच्चे दबाव में आ जाएंगे आदि। इस विषय पर अध्यापक कुछ कहें तो बात समझ भी आती है, यह सुविधा लोकतंत्र में ही होती है कि हर व्यक्ति, हर विषय का विशेषज्ञ बन जाता है।

बहरहाल, सरकार या शिक्षा विभाग की सदिच्छा यह है कि हिमाचल प्रदेश के शहरी ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी वह शिक्षा लें जो अन्यथा अधिक धन खर्च कर मिलेगी। संदर्भ के लिए यह सूचना है कि तमिलनाडु ने कई स्कूलों की संबद्धता राज्य बोर्ड से हटा कर सीबीएसई के साथ कर ली है। महाराष्ट्र सरकार अपना बोर्ड समाप्त नहीं करेगी, किंतु अपने स्कूलों का पाठ्यक्रम सीबीएसई के साथ जोड़ेगी, ऐसा वहां के शिक्षा मंत्री ने कहा है। हिमाचल प्रदेश भी अपना बोर्ड समाप्त नहीं करेगा, किंतु चरणबद्ध ढंग से स्कूलों को सीबीएसई के साथ संबद्ध करेगा। उद्देश्य कुछ स्कूलों को विशेष रूप से उन्नत करना है। जैसे नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय और एकलव्य विद्यालय आदि को केंद्र सरकार कर रही है।

दिल्ली स्थित सीबीएसई कार्यालय। फाइल

वस्तुतः सीबीएसई का लाभ यह है कि वहां विद्यार्थी के पास रोटे यानी रट्टा व्यवस्था के बजाय, समझ को विकसित करने का ढांचा है। सतत एवं समग्र मूल्यांकन है और वार्षिक परीक्षा तो है, किंतु हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की तरह न आनन-फानन तैयार की गई मेरिट सूची है और न वह बार-बार संशोधित होती है। उत्तर पुस्तिका को लेकर भी पूरी पारदर्शिता है। एक उद्देश्य निजी स्कूलों की ओर बढ़ता पलायन रोकना है। यह अकारण नहीं है कि हिमाचल प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा में साक्षात्कार के लिए सामान्य श्रेणी में जो 33 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए, उनमें दो ही हिमाचल प्रदेश के हैं, अन्य दूसरे प्रदेशों के हैं। क्या यह अब तक की प्रणाली पर प्रश्नचिह्न नहीं है कि हिमाचल प्रदेश में अब इंजीनियर बनने वाले पटवारी या चपरासी बनने को तैयार हैं? अपवाद होते हैं, किंतु क्या हिमाचल प्रदेश का शिक्षा बोर्ड ठीक ढंग से परीक्षा बोर्ड भी बन पाया है?

इसी मंशा से 100 स्कूलों की सूची बनी है। उनके प्रधानाचार्य प्रस्तुति दे चुके हैं। वे ढांचागत आवश्यकताएं भी बताएंगे। शिक्षा सचिव राकेश कंवर कहते हैं, 'हमारा उद्देश्य स्पष्ट है। हम गुणात्मक शिक्षा भी देना चाहते हैं और पलायन भी रोकना चाहते हैं। अध्यापकों का कैडर अलग बनाएंगे और प्रयास करेंगे कि उनका स्थानांतरण न हो। इस प्रतियोगी दौर में आगे बढ़ना ही होगा।' हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा में कुछ अच्छी पहल की हैं। स्कूलों के युक्तीकरण की पहल की है। कांप्लेक्स और क्लस्टर सिस्टम लागू किया है, असर की रिपोर्ट भी बताती है कि हिमाचल प्रदेश 21वें से पांचवें स्थान पर आ गया है। प्रदेश अब सर्वाधिक साक्षर है। शिक्षा निदेशालयों के एकीकरण का साहस भी दिखाया है। इसी प्रकार, कुछ स्कूलों की संबद्धता सीबीएसई के साथ करने के लाभ हो सकते हैं। पूरे देश में जो ढांचा है, वही हिमाचल प्रदेश में भी होगा। शिक्षा के माध्यम को लेकर जो संदेह था कि निर्देश केवल अंग्रेजी में होंगे, ऐसा भी नहीं है। हिंदी भी है।

हाल में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष बने डा. राजेश शर्मा कहते हैं, ''हम सरकार के निर्णय के साथ हैं। इससे स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता के साथ हिमाचल बोर्ड के पास यह साबित करने का अवसर होगा कि वही कैसे सर्वश्रेष्ठ है।'' आशा करनी चाहिए कि सीबीएसई वाली परियोजना सिरे चढ़ेगी। महत्वपूर्ण यह है कि इस बहाने ढांचागत सुधार और होंगे, साथ ही अध्यापकों को भी अद्यतन होना होगा। चेक पर गलत अंग्रेजी मिडडे मील प्रभारी ने ही लिखी हो, उसे और प्रधानाचार्य के हस्ताक्षरों को कोई छुपा नहीं सकता, न उपनिदेशक के पत्र को। आशा है, सीबीएसई के बहाने प्रदेश इन जाहिर लक्षणों के मूल कारण तक भी पहुंचेगा। बीते चार दशकों से स्कूल शिक्षा बोर्ड से जुड़े रहे व्यक्ति को यह मंथन करने की आवश्यकता है कि आखिर यह, सुचारु परीक्षा बोर्ड भी क्यों नहीं रह पाया। आखिर क्यों बोर्ड परीक्षाओं के दौरान कतिपय विद्यालयों के सीसीटीवी कैमरे कुछ भी देखना बंद कर देते हैं। क्यों मूल्यांकन ही इतना चाक-चौबंद न हो कि पुनर्मूल्यांकन की जरूरत ही न पड़े। बात निकली है तो इसे अब दूर तलक जाते हुए देखना रोचक होगा।

विश्व खाद्य दिवस

डा. अश्विनी महाजन
पूर्व प्रोफेसर, पीजीडीएवी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

## आहार के उपभोग में संयम

**समूचे विश्व में मांसाहार का चलन अधिक है। भारत में तुलनात्मक रूप से यह बहुत ही कम है। शेष विश्व को भी इसे अपनाना चाहिए। इससे कई प्रकार की समस्याओं का समाधान संभव है**

मानवता की उत्पत्ति के आरंभ से ही मांसाहार और शाकाहार दोनों ही मानव की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते रहे हैं। शायद उस समय शाकाहार और मांसाहार के बीच में अंतर नहीं होता था, लेकिन बाद में मानव ने अंतर करना प्रारंभ किया और आज यह स्थिति है कि प्यू रिसर्च सर्वेक्षण (2021) के अनुसार, भारत में लगभग 39 प्रतिशत लोग मांस के उपयोग से परहेज करते हैं। अधिकांश भारतीय कभी-कभार ही मांस का उपभोग करते हैं। भारत में प्रतिव्यक्ति मांस का उपभोग तीन किलोग्राम प्रतिवर्ष है, जबकि अमेरिका में यह 109 किलोग्राम, यूरोप में 84 किलोग्राम और विश्व में यह 44 किलोग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष है।

देखा जाए तो भारतीय मांसाहारी होने पर भी धार्मिक आस्थाओं के आधार पर कुछ प्रकार के मांस का सेवन नहीं करते। भारत की तुलना में शेष विश्व में शाकाहार का चलन कम है। भारत में दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक शाकाहारी रहते हैं। पिछले कुछ समय से शाकाहार में भी एक अलग प्रकार का चलन बढ़ रहा है, जिसे वीगन अभियान के नाम से जाना जाता है। इसमें मांस के अतिरिक्त अन्य पशु उत्पाद जैसे दूध और दुग्ध उत्पादों के उपयोग से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है। उनका कहना है कि दूध के उत्पादन के लिए पशुओं पर अत्याचार होता है।

**क्यों महत्वपूर्ण है शाकाहार** : आज विश्व पर्यावरण असंतुलन, मौसम परिवर्तन और वैश्विक उष्णता यानी ग्लोबल वार्मिंग के भयंकर संकट से गुजर रहा है। औद्योगिकीकरण से पूर्व की तुलना में दुनिया का तापमान लगभग दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। वैश्विक उष्णता बढ़ाने में औद्योगिकीकरण का योगदान तो है ही, इसके लिए जिम्मेदार ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन विशाल जनसंख्या के उपभोग के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री और अन्य प्रकार के उत्पादनों के कारण भी हो रहा है। जीडीपी बढ़ने के साथ-साथ लोगों की आमदनी भी बढ़ी है। साथ ही, उपभोक्ता वस्तुओं पर फिजूलखर्ची व खाद्य सामग्री की बर्बादी भी बढ़ी है। पूर्व में जहां उपभोक्ता वस्तुओं का जीवन लंबा होता था, यूज एंड थ्रो यानी उपयोग करो और फेंक दो की आदत के कारण दुनिया में कचरा बढ़ा है, बल्कि जरूरत से ज्यादा उत्पादन के कारण ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी अधिक हुआ है।

ऐसे में संयमित उपभोग की जरूरत बढ़ गई है। पूरी दुनिया मात्र 29 प्रतिशत ही भूमि है। इसमें भी केवल 20 प्रतिशत ही रहने योग्य है, जबकि 10 प्रतिशत पर कृषि होती है और इस कृषि योग्य भूमि में केवल 2.4 प्रतिशत पर ही फसलों की खेती होती है। वहीं आठ प्रतिशत भूमि पर पशुपालन के लिए जरूरी खेती होती है। इस 2.4 प्रतिशत भूमि पर होने वाली खेती से मनुष्यों की 83 प्रतिशत कैलोरी आवश्यकता पूर्ण होती है और पशुपालन के लिए जहां आठ प्रतिशत भूमि का उपयोग हो रहा है, उससे मात्र 17 प्रतिशत कैलोरी आवश्यकता की पूर्ति होती है। 63 प्रतिशत प्रोटीन की आवश्यकता भी इसी 2.4 प्रतिशत भूमि से होती है, जबकि 37 प्रतिशत प्रोटीन ही पशुपालन से उत्पन्न उत्पादों से मिलती है।

भारत के पास विश्व की केवल दो प्रतिशत ही भूमि है। जबकि हमारी जनसंख्या दुनिया की लगभग 17.7 प्रतिशत है। दुनिया के 30 प्रतिशत पशु और आठ प्रतिशत जैव संसाधन भारत में पाए जाते हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए खाद्य उत्पादन करने के साथ भारत अपने जैव संसाधनों का संरक्षण करने में भी सफल रहा है। इसका कारण यह है कि भारत में अधिकांश लोग शाकाहारी हैं और जो मांस का उपभोग करते भी हैं, उनमें से अधिकांश कभी-कभार ही मांस का सेवन करते हैं। भारत में होने वाला पशुपालन, दुनिया की मांसाहारी जनसंख्या की जरूरत की पूर्ति करता है।

शाकाहार अपनाने से वैश्विक स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम हो सकता है। फाइल

भारत से प्रतिवर्ष 1.3 करोड़ मीट्रिक टन भैंस के मांस का निर्यात होता है। भारत की शाकाहारी आदतें दुनिया में खाद्य पदार्थों की कमी नहीं होने देती।

यदि देखें तो विश्व की आबादी में शाकाहारी लोगों में से कुल 70 प्रतिशत अकेले भारत में ही रहते हैं। दुनिया में कुल ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में मांसाहार के लिए जरूरी पशुपालन से होने वाला उत्सर्जन 15 प्रतिशत है। एक किलो मांस के उत्पादन के लिए उसके बराबर अनाज या सब्जी के उत्पादन की तुलना में 30 गुणा ज्यादा ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। जहां प्रति किलो मांस उत्पादन में 60 किलो ग्रीनहाउस गैसों (सीओ2ई) का उत्सर्जन होता है, एक लीटर दूध में मात्र 3.2 किलो सीओ2ई का उत्सर्जन होता है।

यदि दुनिया को वैश्विक उष्णता और मौसम परिवर्तन के कष्टों से मुक्ति दिलानी है तो शाकाहार को तेजी से बढ़ाना होगा। इसी के साथ यदि भारत की मितव्ययी आदतों को दुनिया अपनाना शुरू कर दे और यूज एंड थ्रो की मानसिकता से बाहर आ जाए, तो वैश्विक उष्णता के संकट से जल्दी निजात पाया जाएगा।

दुर्भाग्य का विषय यह है कि दुनिया में पर्यावरण सम्मेलनों में पर्यावरण से निपटने के लिए तकनीक और उपकरणों की बात तो होती है, क्योंकि उससे वैश्विक कंपनियों को लाभ कमाना होता है, लेकिन वैश्विक उष्णता के लिए जिम्मेदार मांसाहार और उपभोग में बर्बादी और फिजूलखर्ची पर कोई बात करने के लिए तैयार नहीं।

********

कल्पमेधा

*बुरा व्यक्ति उस समय और भी बुरा हो जाता है, जब वह अच्छा होने का ढोंग रचता है।*
*- फ्रांसिस बेकन*

# मुनाफे का निवेश

अमेरिका की वीजा नीति और ट्रंप शुल्क से कारोबारी रिश्तों में दबाव के बीच गूगल की भारत में निवेश की घोषणा अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बड़ी रणनीतिक सफलता है। विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए गूगल समूह पांच साल में 1.33 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कृत्रिम मेधा के बढ़ते वैश्विक बाजार में यह निवेश इस बात को रेखांकित करता है कि कारोबार सुगमता के लिहाज से भारत वैश्विक स्तर पर पसंदीदा बना हुआ है। भारत के पास विशाल उपयोगकर्ता आधार है। स्पष्ट है कि आर्थिक कूटनीति के लिहाज से यह परियोजना भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूती प्रदान करेगी। तकनीकी ताकत भी बढ़ेगी। इस निवेश की घोषणा के बाद गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया पर जो लिखा, उससे कई सार्थक संकेत मिले हैं। पिचाई के मुताबिक, निवेश से भारत में 1.83 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। विशाखापत्तनम के कृत्रिम मेधा परिसर की शुरुआती क्षमता एक गीगावाट से कई गीगावाट तक जाएगी। यह परिसर गूगल का अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा कृत्रिम मेधा केंद्र बनेगा, जो भारत को वैश्विक तकनीकी के मानचित्र पर और मजबूत करेगा। कई स्तरों पर इसके दूरगामी नतीजे होंगे।

निस्संदेह, जिस तेजी से कृत्रिम मेधा क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और अमेरिका तथा चीन जैसे मुल्क इसमें बढ़त लिए हुए हैं, उसे देखते हुए भारत को ऐसे निवेश और तकनीकी सहयोग की बहुत आवश्यकता है। यह कमी गूगल के निवेश से पूरी हो गई है। गूगल उसी देश की कंपनी है, जहां के राष्ट्रपति ने भारत पर शुल्क लगा कर दबाव बनाने की कोशिश की है। वे खुल कर कह चुके हैं कि वे नहीं चाहते, अमेरिकी कंपनियां भारत में निवेश करें या निर्माण संयंत्र लगाएं। वे धमकी तक दे चुके हैं। एप्पल कंपनी के मुख्य कार्यकारी टिम कुक को दी गई भारी शुल्क लगाने की धमकी की यादें ताजा हैं। लगता नहीं है कि धमकियों के बावजूद एप्पल व अन्य ने भारत से काम समेटा।

दरअसल, आने वाले दिनों में तकनीक के स्तर पर भारत चिप और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका की योजना बना रहा है। इसके लिए मजबूत नीतियां तैयार की गई हैं और बड़ी कंपनियों से वैश्विक स्तर पर गठबंधन किए हैं। दूसरे, भारत की ताकत उसका बड़ा मध्यवर्ग है। अमेरिकी कंपनियां हमेशा की तरह भारत के इस बड़े बाजार को देख रही हैं। हर स्तर पर भारत मुनाफे का बाजार है। तभी एप्पल और गूगल जैसी कंपनियां भारत में अरबों रुपए का निवेश कर रही है। अगर एप्पल के कमाई के आंकड़े को देखें, तो कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 में भारत से 67,100 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष से 36 फीसद अधिक है। कंपनी का मुनाफा बढ़ कर 2746 करोड़ हो गया है। टेस्ला ने भी भारतीय बाजार को देखते हुए यहां कदम रखा है। अब गूगल ने बड़ा निवेश किया है। गूगल के इस निवेश से वैश्विक निवेशकों को यह संदेश अवश्य गया होगा कि भारत इस लिहाज से दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है। वे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत पर भरोसा कर सकते हैं।

# संतुलन और संयम

दिल्ली में हरित पटाखों को मंजूरी देने का निर्णय महत्त्वपूर्ण कदम है। शीर्ष अदालत ने लोगों की भावनाओं का ख्याल रखा है। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में वायु गुणवत्ता लगातार खराब हुई है। दीपावली पर तो वायु प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। पिछले वर्ष पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद स्थिति बिगड़ी और हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई। हर साल वायु प्रदूषण का बेतहाशा बढ़ना चिंता का विषय है। नागरिकों को पटाखों से होने वाले प्रदूषण से सचेत करने के लिए कई बार पहल हुई है। हरित पटाखों पर भी जोर दिया गया। मगर इसकी आड़ में पारंपरिक पटाखे भी खूब बिके। नतीजा यह कि पिछली बार शीर्ष अदालत का सख्त रवैया अख्तियार करना पड़ा। मगर इस बार दिल्ली और केंद्र सरकार के साझा अनुरोध पर उसने पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरित पटाखों पर छूट दी है। सिर्फ इन्हीं पटाखों को बेचने और फोड़ने की इजाजत देकर अदालत ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संतुलित दृष्टिकोण का परिचय दिया है। अब नागरिकों का भी दायित्व है कि वे दिशा-निर्देशों का ईमानदारी से पालन करें ताकि अन्य लोगों को कोई असुविधा न हो और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

पटाखों से वायु प्रदूषण और उससे स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। पटाखों से निकलने वाला खतरनाक धुआं वातावरण में काफी समय तक रहता है। इसका असर लोगों की सेहत पर पड़ता है। फिर भी हर बार इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। दरअसल, दिल्ली में चोरी-छिपे आने वाले पारंपरिक पटाखे अधिक नुकसान पहुंचाते रहे हैं। ऐसे में शीर्ष न्यायालय के सख्त आदेश से उम्मीद कर सकते हैं कि दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लोग निर्धारित समय और तय दिशा-निर्देशों के मुताबिक केवल हरित पटाखे चलाएंगे। यानी ऐसे पटाखे जो अन्य पटाखों की तुलना में कम प्रदूषण करते हैं। नागरिकों को अदालत के इस आदेश को गंभीरता से लेना चाहिए कि पर्यावरण के साथ अब कोई समझौता नहीं होगा। उन्हें पटाखे खरीदने से लेकर फोड़ने तक संयम का परिचय देना होगा।

# वैश्विक दबावों से उबारता घरेलू बाजार

**सरकार ने आर्थिक सुधारों के लिए जो कदम उठाए हैं, उससे यह साफ है कि भारत आत्मनिर्भर बनने की तरफ किस तरह आगे बढ़ रहा है। घरेलू बाजार में खपत बढ़ने से प्रत्यक्ष फायदा देश की अर्थव्यवस्था को होगा।**

**पीएस वोहरा**

अमेरिका की ओर से थोपे गए शुल्क से अब तक अनिश्चितता बनी हुई है। फिर भी बीते कुछ दिनों में देश के घरेलू बाजार में विभिन्न उत्पादों की खपत में हुई बढ़ोतरी से यह बात जरूर साफ हुई है कि भारत घरेलू मोर्चे पर वैश्विक अस्थिरता के दबाव को सहने में सक्षम हो गया है। वर्ष 2017 से चली आ रही जीएसटी की दरों में कमी के कारण यह उम्मीद बनी है कि इससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। इन दरों में कमी की जब घोषणा की गई, तो सभी ने यही समझा कि पहले की दरें वास्तव में अधिक थीं और अब इनमें कमी से आम आदमी को जरूर राहत मिलेगी। दिवाली का त्योहार अधिक से अधिक खरीदारी के लिए जाना जाता है। इस बार भी खरीदारी को लेकर जोश दिख रहा है। जब जीएसटी दरों में सरकार ने कमी की, तो इसे देश की अर्थव्यवस्था के आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलने की बात कही गई। इस पर वैश्विक चर्चा हर भारतीय को संतोष देगी। मगर इसका विश्लेषण कई सवाल भी खड़े करता है। इस बात की भी सुगबुगाहट है कि सरकार आर्थिक नीतियों में सुधार मात्र सतही स्तर पर ही कर रही है। बुनियादी परिवर्तन अभी भी नहीं हुआ है। यह भी विचारणीय है कि आर्थिक नीतियों में सतही सुधारों से अल्पकालीन फायदे ही होने हैं। डेढ़ सौ करोड़ की जनसंख्या वाले देश में, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी गरीब है, क्या यह उसके लिए ठीक है?

संतोष इस बात का भी है कि जब घरेलू बाजार में खपत इतनी बढ़ रही है, तो इसका प्रत्यक्ष फायदा भारत को मिलेगा। इसके अलावा जीएसटी दरों में कमी के बाद से स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी बढ़ाने का लक्ष्य भी प्रमुखता से दिख रहा है। मगर क्या आर्थिक नीतियों में इस बात पर भी जोर है कि स्वदेशी सामानों को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता के साथ घरेलू बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा? अभी तक इस पक्ष पर चुप्पी छाई है। विश्व की एक बड़ी मोबाइल कंपनी का नया उत्पाद बीते दिनों भारतीय बाजार में बड़ी मांग के साथ चर्चा में रहा। यह भी एक परिदृश्य है। लिहाजा इस बात को अब एक नए सिरे से समझने की आवश्यकता है कि अमेरिका के थोपे गए शुल्क से भारतीय निर्यात को तो घाटा हो रहा है, लेकिन विदेशी उत्पादों की घरेलू बाजार में अत्यधिक पकड़ क्या आत्मनिर्भर भारत बनने के संकल्प के लिए एक चुनौती नहीं है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। क्योंकि भारतीय बाजार में विदेशी उत्पाद के दबदबे को कम किए बिना तस्वीर नहीं बदलेगी।

यह सोचना भी गलत होगा कि जीएसटी दरों में हुई कमी से इस समय केवल भारतीय बाजार को ही मुनाफा मिल रहा है। बाजार में तो अरसे से विदेशी उत्पादों की गहरी पकड़ है। इनमें इलेक्ट्रानिक सामान, वाहन और घरेलू साज-सज्जा इत्यादि का वर्चस्व अधिक है। इसलिए यह प्रश्न भी सामने है कि दरों में हुई कटौती से जहां एक तरफ सरकार ने अपने राजस्व में बहुत बड़ी कमी की है, तो इससे क्या आने वाले वित्तीय बजट में पूंजीगत व्यय पर प्रभाव नहीं पड़ेगा?

वैश्विक स्तर पर भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। लगभग चार ट्रिलियन डालर की हैसियत रखते हुए वह अपने कदम आगे की ओर बढ़ा रहा है। इस बात से विकसित देशों को डर है। क्योंकि भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत है, जिसे विश्व के सभी विकसित देश अपनी पहुंच में रखना चाहते हैं। इन सब के बीच अगर भारत आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को स्वदेशी उत्पादों की खपत से मजबूती के साथ आगे ले जाने में सक्षम हो जाता है, तो सभी विकसित देशों के इरादे पर यह एक तीखा प्रहार होगा। सरकार इस उद्देश्य की तरफ बढ़ती दिख भी रही है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम इस बात की पुष्टि भी करते हैं। अप्रैल से जून की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष की पहली तिमाही से एक फीसद से अधिक थी। इसी कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक वृद्धि दर बढ़ा कर 6.8 फीसद कर दी है। स्पष्ट है कि सरकार की आर्थिक नीतियों और केंद्रीय बैंक में बेहतर समन्वय है।

> **भारत की आर्थिक तरक्की में कुछ बाधाएं भी हैं। इनमें सबसे मुख्य निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना है। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बजट में लगातार पूंजी निवेश को अपने स्तर पर बढ़ा कर उन्हें प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास किया है। ऐसी दशा में क्या आर्थिक प्रगति और वार्षिक स्थिरता घरेलू बाजार की खपत के माध्यम से ही निर्देशित करना उचित है? क्या यह समझने की जरूरत नहीं है कि घरेलू बचत को बढ़ाना भी एक मुख्य लक्ष्य होना चाहिए था, जो हाल के दिनों में जीएसटी में कटौती से हुई बचत के बाद त्योहारी खर्च में बदल गई।**

इन सब के बीच भारत की आर्थिक तरक्की में कुछ बाधाएं भी हैं। इनमें सबसे मुख्य निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना है। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बजट में लगातार पूंजी निवेश को अपने स्तर पर बढ़ा कर उन्हें प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास किया है। ऐसी दशा में क्या आर्थिक प्रगति और वार्षिक स्थिरता घरेलू बाजार की खपत के माध्यम से ही निर्देशित करना उचित है? क्या यह समझना नहीं होगा कि घरेलू बचत को बढ़ाना भी एक मुख्य लक्ष्य होना चाहिए था, जो हाल के दिनों में जीएसटी में कटौती से हुई बचत के बाद त्योहारी खर्च में बदल गई। हालांकि इससे मुनाफा अंततः किसी और को ही हो रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्तमान में भारत में शुद्ध घरेलू बचत लगभग पांच फीसद के आसपास ही है। विडंबना यह भी है कि आज भारतीय निवेशक के पास घरेलू बाजार में विकल्प लगातार कम होते जा रहे हैं। बैंक दरों में लगातार कटौती हो रही है। आर्थिक नीतियों का प्रत्यक्ष इशारा घरेलू बचत के लिए पूंजी बाजार के विकल्प की ओर है।

भारतीय पूंजी बाजार ने पिछले एक वर्ष में पांच फीसद के आसपास का ही मुनाफा दिया जैसा कि बीएसई सूचकांक और निफ्टी में बीते वर्ष में दर्ज हुआ है। एक विमर्श यह भी है कि पूंजी बाजार में वित्तीय निवेश भारतीय बैंकों की तुलना में अधिक जोखिम भरा है क्योंकि इससे हमेशा अनिश्चितता रहती है। एक बात और अधिक ताज्जुब करने वाली है कि भारतीय कंपनियों का वित्तीय निवेश विदेश में तेजी से बढ़ रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में कंपनियों का विदेशी निवेश 40 फीसद बढ़ कर 36 अरब डालर तक पहुंच गया।

एक पक्ष यह भी अहम है कि जीएसटी दरों में हुई कमी से उत्पादों के विक्रय मूल्य जरूर कम हुए हैं, लेकिन क्या संबंधित निर्माताओं ने अपने मुनाफे को कम किया है? बहरहाल, एक संतोषजनक बात देखने को मिली है कि भारत के दूसरे सबसे बड़े बैंक एसबीआइ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ एमएसएमई के लिए वित्तीय ऋण को अब डिजिटल माध्यम से शुरू कर दिया है और इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आवेदन करने के 45 मिनट के भीतर ऋण की मंजूरी मिल रही है। बैंक इस संदर्भ में आयकर रिटर्न, जीएसटी रिटर्न और बैंक विवरण जैसे प्रामाणिक आंकड़ों को आनलाइन मंच से ही मूल्यांकन कर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। अगस्त 2025 में एसबीआइ ने ऐसे 2,25000 उद्यमों को वित्तीय सुविधा दी। निश्चित तौर पर इससे इन उद्यमों की वित्तीय तरलता बढ़ेगी और ये भारत के उत्पादन क्षेत्र के लिए अच्छी खुशखबरी भी है।

# पसंद से परे जीवन

## दुनिया मेरे आगे

**मोनिका राज**

मनुष्य का जीवन केवल क्रिया-प्रतिक्रियाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह एक चेतन अवधान का विस्तार है। पर आज के समय में हम देखते हैं कि जीवन के अधिकतर निर्णय पसंद और नापसंद के खांचों में ढाले जाते हैं। लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करूंगा या मुझे वह नापसंद है, इसलिए उससे दूर रहूंगा।' इस अभिव्यक्ति के पीछे जो भाव छिपा है, वह स्वतंत्रता का भ्रम है। पर क्या यह सचमुच स्वतंत्रता है? क्या यह सच में हमारी चेतन प्रवृत्ति का प्रतीक है? नहीं, यह तो कहीं अधिक गहरी मानसिक बेड़ियों की जकड़न है- अदृश्य, किंतु कठोर।

हम यह मान बैठे हैं कि जिसे मैं पसंद करता हूं, वही सही है और जिसे नापसंद करता हूं, वह त्याज्य है। इस द्वैत ने हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में इतनी गहरी पैठ बना ली है कि आज लगभग हर संघर्ष, हर मनमुटाव, हर युद्ध का मूल कारण व्यक्ति विशेष की पसंद-नापसंद ही बन गई है। घर की दीवारों से लेकर राष्ट्र की सीमाओं तक, धर्म की परिधियों से लेकर विचारधाराओं के संघर्षों तक, हर स्थान पर यह द्वंद्व व्याप्त है। विडंबना यह है कि हम इसे स्वाभाविक मान बैठे हैं।

पसंद-नापसंद की यह प्रवृत्ति उस सोच का हिस्सा है, जो सीमित है, पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है और दूसरों की अपेक्षाओं या अपनी आदतों के अधीन चलती है। जब हमारा मस्तिष्क एक सीमित परिधि में बंद होता है, तब हमारी दृष्टि स्पष्ट नहीं रहती। हम वही देखते हैं, जो हमारी इच्छा देखना चाहती है, हम वही सुनते हैं, जो हमारे मानस को भाता है। ऐसे में जो आवश्यक है, वह हमारे ध्यान से ओझल हो जाता है।

अक्सर हम यह कहते हैं कि 'मैं स्वतंत्र हूं, इसलिए मैं अपने मन की करूंगा', तो यह वास्तव में स्वाधीनता नहीं है। मन को हमने इतना अधिक तूल दे दिया है कि अब वह हमारे विवेक का स्थान लेने लगा है। हम किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति को केवल इसलिए स्वीकार करते हैं कि वह हमें अच्छा लगता है, और किसी को नकारते हैं, क्योंकि वह हमारी पसंद के अनुसार नहीं है। मगर चेतना वहां प्रकट होती है, जहां व्यक्ति यह समझ पाता है कि किसी परिस्थिति में 'क्या आवश्यक है', न कि केवल 'क्या मुझे अच्छा लगता है।'

इस मानसिक स्थिति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि हम अपने भीतर एक सतत टकराव की स्थिति में रहने लगते हैं। हमें जीवन से शिकायतें होती हैं, लोग अच्छे नहीं, समाज गिरा हुआ, रिश्ते बेमानी, धर्म बंटे हुए, राजनीति भ्रष्ट, लेकिन हम यह नहीं देख पाते कि इन सबके मूल में हमारी अधूरी चेतना और सीमित सोच ही है। जब हम केवल अपनी पसंद के दायरे में जीते हैं, तो हमारी दृष्टि व्यापक नहीं रह जाती। फिर जो हमारे दायरे में नहीं आता, वह हमें या तो शत्रु प्रतीत होता है या उपेक्षणीय। यहीं से शुरू होता है झगड़ों का सिलसिला- घर में, समाज में, और अंततः अंतरात्मा में।

भारतीय योग परंपरा ने इस भीतर की पराधीनता को बहुत गहराई से देखा है। योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं है, बल्कि चेतना की वह ऊर्ध्व यात्रा है, जो व्यक्ति को अपने भीतर की ग्रंथियों से मुक्त करती है। योग कहता है कि जब तक हम अपनी चेतना के तल पर जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव नहीं कर सकते, क्योंकि जो व्यक्ति भीतरी पराधीनता से मुक्त नहीं है, वह बाहरी आजादी का मूल्य ही नहीं समझ सकता। उसे स्वतंत्रता केवल एक व्यक्तिगत अधिकार लगती है, जबकि सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता वह अवस्था है, जहां व्यक्ति अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर पूर्ण विवेक के साथ निर्णय लेता है। जहां वह परिस्थिति को उसके संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में देख सकता है, न कि केवल अपनी रुचि और अरुचि की झील में डूबते-उतराते हुए।

पसंद और नापसंद की होड़ से बाहर निकलने के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम अब तक अपने ही बनाए हुए मानसिक जाल में उलझे रहे हैं। एक सजग और संवेदनशील व्यक्ति ही यह देख सकता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है, क्या उचित है और क्या अनावश्यक। वह अपनी पसंद को तब भी स्थगित कर सकता है, जब परिस्थिति किसी अन्य दिशा की मांग कर रही हो। जागरूकता वह दृष्टि देती है, जिससे हम न केवल वस्तुओं को, बल्कि अपने मन की गति को भी देख सकते हैं। यह वह दर्पण है, जिसमें हमारी प्रतिक्रियाओं की छाया स्पष्ट होती है। यह वह ध्वनि है, जो हमारे अंतर से कहती है, 'जो पसंद है, वह जरूरी नहीं कि सही हो; और जो नापसंद है, वह अनावश्यक नहीं।'

> **पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है।**

जीवन की गति जब मात्र इच्छाओं की पूर्ति और नापसंद से बचाव में बीत जाती है, तब उसका सौंदर्य लुप्त हो जाता है। मगर जब हम अपनी चेतना को इतना विकसित कर लेते हैं कि हम परिस्थिति को उसके व्यापक स्वरूप में देख सकें, तब जीवन एक कला बन जाता है- विवेक, संतुलन, करुणा और न्याय की।

पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम अपने मन की करें, बल्कि इस बात की है कि हमारा मन इतना परिष्कृत हो, इतना साक्षीभाव से भरा हो कि वह स्वयं यह समझ सके कि किस परिस्थिति में क्या करना उचित है। तभी हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होंगे। वरना हमारी पसंद ही हमारी पराधीनता का दूसरा नाम बन जाती है। स्वतंत्र वह नहीं जो अपनी पसंद का हो, स्वतंत्र वह है जो अपने भीतर से मुक्त हो।

## पूर्वाग्रह की जड़ें

एक तरफ हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ दिन-प्रतिदिन बढ़ रही जातीय उत्पीड़न की घटनाएं मानवता को शर्मसार कर रही हैं। दलित उत्पीड़न की तमाम घटनाएं समानता, समरसता, भाईचारे, सामाजिक एकता और न्याय के प्रयासों के विपरीत हैं। कुछ रोज पहले ही उत्तर प्रदेश में एक दलित की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। हाल ही में हरियाणा में वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के उत्पीड़न और उनके खुदकुशी कर लेने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। जातीय नफरत ने समाज को इतना जकड़ लिया है कि आज पूर्वाग्रहों के बिना सही-गलत, अच्छा-बुरा, न्याय-अन्याय की पहचान बेबस-सी दिखती है। यह गौर करने वाली बात है कि आज जातीय भेदभाव करने वालों के निशाने पर गरीब, अनपढ़ और असहाय ही नहीं, बल्कि अपने संघर्ष से उच्च पदों पर आसीन नौकरीपेशा और समाज के अन्य दलित भी हैं। कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाज के शिक्षित वे लोग ऐसा कर रहे है, जिन्हें सामाजिक बदलाव का सारथी होना चाहिए।

*- मुकेश कुमार, द्वारका, दिल्ली*

## घातक शोर

आजकल शादियों में दिखावा और शोर आम हो गया है। विवाह में महिला संगीत परंपरा में है। मगर वहां भी यही हाल है। यह एक रस्म बन कर रह गया है। दिखावे वाली रस्म दिल पर भारी पड़ रही है। तेज स्पीकर की ध्वनि के कारण दिल के दौरे पड़ने के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। अब विदिशा की परिणीता का मामला सामने है। ऐसे हादसों के लिए हम सभी दोषी हैं। तेज आवाज वाले स्पीकर पर प्रतिबंध है, फिर भी नियमों का पालन नहीं हो रहा। कार्यक्रम के आयोजकों ने ही संगीत के नाम पर डीजे को बढ़ावा दिया है। जबकि असली लोकगीतों की बात ही कुछ और होती है। रिश्तों के ताने-बाने बुनते और संवेदनाओं को समेटे लोकगीत समाज को भी संदेश देते हैं। लोकगीतों में जिस भावना को उकेरा गया है, उसमें एक गरिमा है। इन्हें संजोना होगा। ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले लाउड स्पीकर पर रोक लगाई जानी चाहिए।

*- संजय वर्मा 'दृष्टि' धार, मप्र*

## गठबंधन की राजनीति

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनावी हलचल शुरू हो चुकी है, महागठबंधन और राजग में उम्मीदवारों को लेकर खींचतान भी जारी है। यह इस बात को दर्शाता है कि दोनों ही गठबंधन में घटक दल दबाव की राजनीति कर रहे हैं। मगर इतना जरूर हुआ है कि राजग ने सीट बंटवारे का फार्मूला तय कर लिया। इस प्रकार देखा जाए, तो राजग ने सीट बंटवारे में बाजी मार ली है। महागठबंधन में सीटों के बंटवारा का मुद्दा अभी अटका हुआ है। वीआइपी के नेता ने तो गठबंधन को अस्वस्थ करार दिया है। कांग्रेस असहज दिखाई देती है। वाम दल अलग दावा ठोक रहे हैं। इस प्रकार महागठबंधन में गतिरोध दिखता है। यह अक्सर देखा जाता है कि गठबंधन की राजनीति में हमेशा समस्याएं आती हैं, जबकि राजग में समस्याओं का समाधान जल्दी निकालने की कोशिश होती है और उनके उम्मीवार प्रचार में लग जाते हैं।

*- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली*

## भेदभाव की कसौटी

'दुराग्रहों की सीमा' (संपादकीय, 13 अक्तूबर) पढ़ा। यह वाकई चिंताजनक है, लेकिन समझ में नहीं आता कि आखिर किसको इस दुराग्रह के लिए जिम्मेदार माना जाए। सबसे पहली बात तो यह है कि भारत का अपना संविधान और अपना कानून है। हमारे देश में अफगानी विदेश मंत्री को अपने नियम लागू करने का कोई अधिकार नहीं है। यदि आमिर मुत्ताकी ने अपने संवाददाता सम्मेलन में भारत की महिला पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिया था, तो उनके इस कदम का विरोध किया जाना चाहिए था। वहीं साथी महिला पत्रकारों की उपेक्षा को देखते हुए अन्य पत्रकारों को उस सम्मेलन का बहिष्कार करना चाहिए था। भारत में किसी विदेशी मंत्री द्वारा महिला पत्रकारों की उपेक्षा की शायद यह पहली घटना है, जो निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका विरोध होना ही चाहिए।

## कोना

पोर्टलैंड में एनबीए बास्केटबाल खेल में गोल्डन स्टेट वारियर्स के जैक्सन रोव गेंद को गोल पोस्ट में डालने का प्रयास करते हुए। पर पोर्टलैंड ट्रेल ब्लेजर्स के डोनोवन क्लिंगन (बाएं) गोल का बचाव करते हुए।

## कैलेंडर

### क्रिकेट

***भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीन एकदिवसीय मैच :*** 19, 23, 25 को खेले जाएंगे। यह मुकाबले आस्ट्रेलिया के पर्थ में होंगे। पहला टी20 मैच 29 को मनुका ओवल में खेले जाएंगे।

***दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान*** रावलपिंडी में 20 से 24 तक दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान का टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच पहला टी20 मैच 28 को खेला जाएगा।

***महिला एकदिवसीय विश्व कप :*** 17 अक्तूबर– श्रीलंका बनाम दक्षिण अफ्रीका। 19 – न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान। 20 – श्रीलंका बनाम बांग्लादेश। 21 – दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान। 22– आस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड। 23 – भारत बनाम न्यूजीलैंड। 24 – श्रीलंका बनाम पाकिस्तान। 25 – आस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका। 26 – इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड। दूसरा मैच – भारत बनाम बांग्लादेश। 29 – पहला सेमीफाइनल। 30– दूसरा सेमीफाइनल। दो नवंबर को महिला एकदिवसीय विश्वकप का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

### गोल्फ

***डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप –*** 16 (गुरुवार) : पहला चरण – सुबह 6:35 बजे। 17 (शुक्रवार) दूसरा चरण – सुबह 6:35 बजे। 18 (शनिवार) तीसरा चरण – सुबह 7:00 बजे। 19 (रविवार) चौथा चरण।

### बैडमिंटन

डेनमार्क ओपन– 14–19 अक्तूबर तक।

### टेनिस

कजाकिस्तान – अल्माटी ओपन (13 से 19 अक्तूबर)। बेल्जियम के ब्रुसेल्स में यूरोपियन ओपन (13 – 19 अक्तूबर)। स्वीडन के स्टाकहोम में नार्डिक ओपन (13 – 19 अक्तूबर)। स्विस ओपन – 20 – 26 अक्तूबर। पेरिस मास्टर्स – 27 से 2 नवंबर तक।

### फुटबाल

दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट और सेनेगल ने अफ्रीकी क्वालीफायर से अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबाल विश्व कप का टिकट कटा लिया है।

## बीता पखवाड़ा

### 2 अक्तूबर से 15 अक्तूबर 2025

### क्रिकेट

**भारत बनाम वेस्ट इंडीज टेस्ट मैच :** पहले मुकाबले में भारत ने विंडीज टीम को एक पारी और 140 रनों से हराया। दूसरा मैच दिल्ली में खेला गया, जो पांच दिन तक चला। इस मैच में भारत ने वेस्ट इंडीज को सात विकेट से हराया और शृंखला 2–0 से जीती।

**इरानी कप** – शेष भारत को हरा कर विदर्भ बना विजेता।

**अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश** – दोनों टीमों के बीच दो, तीन और पांच को तीन टी20 मैच खेले गए, जिसमें बांग्लादेश ने शृंखला 3–0 सी जीती। तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 3–0 से हराया। यह मुकाबले आठ, ग्यारह और चौदह अक्तूबर को खेला गया।

### महिला क्रिकेट

**एकदिवसीय विश्व कप :** 2 अक्तूबर – बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया। 3 – इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दस विकेट से हराया। 4 – श्रीलंका बनाम आस्ट्रेलिया का मैच बारिश के कारण रद्द। 5 – भारत ने पाक को 88 रनों से हराया। 6 – दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया। 7 – इंग्लैंड ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया। 8 – आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रनों से हराया। 9 – दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हराया। 10 – न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को सौ रन से हराया। 11 – इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रनों से हराया। 12 – आस्ट्रेलिया ने भारत को तीन विकेट से हराया। 13 – दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को तीन विकेट से हराया। 14 – बारिश के कारण श्रीलंका व न्यूजीलैंड का मैच रद्द।

### निशानेबाजी

आइएसएसएफ विश्व कप में मुकेश नेल्लावल्ली 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, तेजस्विनी सिंह ने रजत पदक जीता।

### विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

बाइस पदक के साथ भारत दसवें स्थान पर रहा। चैंपियनशिप पहली बार भारत में आयोजित की गई थी, जिसमें सौ से अधिक देशों ने भाग लिया था।

### फुटबाल

सिंगापुर के खिलाफ खेले गए एशियाइ विश्व क्वालीफाई मुकाबले में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जिससे भारत 2027 में होने वाले एशिया कप में भाग नहीं ले पाएगा।

### हाकी

सुल्तान जोहार कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला ड्रा रहा।

# गोल्फ का महाकुंभ, दिल्ली में बड़े सितारों की मौजूदगी

हिमांशु अग्निहोत्री

दिल्ली की हरी–भरी वादियों में बसे दिल्ली गोल्फ क्लब (डीजीसी) का लोधी कोर्स हमेशा से इतिहास की गवाही देता आया है। मुगलकालीन खंडहरों की छाया में बिछा यह मैदान न केवल ब्रिटिश राज का साक्षी रहा है, बल्कि भारतीय गोल्फ को वैश्विक पटल पर चमकाने का माध्यम भी है। गुरुवार को 'डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप' का उद्घाटन होने जा रहा है तो यह कोर्स फिर से जीवंत हो उठेगा। चार मिलियन डालर (35 करोड़ साढ़े 23 लाख भारतीय रुपए) के इनामी धन के साथ भारत की सबसे समृद्ध गोल्फ स्पर्धा, है। इसमें रोरी मैकइलराय जैसे सितारे भाग ले रहे हैं। लेकिन इस वैश्विक उत्सव के केंद्र में भारत के अपने नायक – शुभंकर शर्मा, जो बचपन की यादों से प्रेरित होकर घरेलू मैदान पर चमत्कार रचने को बेताब हैं।

## आयोजन

भारत की ओर से चुनौती पेश करने वाले शुभंकर शीर्ष पर हैं। 138 खिलाड़ियों की मजबूत सूची में 26 भारतीय हैं, जिनमें अनुभवी अनिरबान लाहिड़ी, पिछले साल के पीजीटीआइ आर्डर आफ मेरिट विजेता वीर अहलावत और दिग्गज शिव कपूर शामिल हैं। मौजूदा पीजीटीआइ लीडर युवराज संधू की फार्म भी चर्चा का विषय है। यह टूर्नामेंट केवल खेल नहीं, बल्कि भारतीय गोल्फ के पुनरुत्थान का प्रतीक है। डीपी वर्ल्ड टूर का यह नया टूर्नामेंट बैक 9 स्विंग का हिस्सा है। रोरी मैकइलराय हाल ही में मास्टर्स चैंपियन बने और करिअर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले इस क्षेत्र के सिरमौर हैं। उनके साथ दो बार के राइडर कप कैप्टन ल्यूक डोनाल्ड, टामी फ्लीटवुड, विक्टर होवलैंड और शेन लोरी जैसे राइडर कप खिलाड़ी हैं। ये सभी पूर्व वर्ल्ड नंबर वन या करीब रहे हैं। मैकइलराय की मौजूदगी तो जैसे इतिहास रचने वाली है।

> *अहलावत* ने पीजीटीआइ आर्डर आफ मेरिट में शीर्ष स्थान हासिल कर डीपी वर्ल्ड टूर में जगह बनाई। पीजीटीआइ में चार बार विजेता रहे इस खिलाड़ी ने 2024 इंडियन ओपन में भी उपविजेता रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन दर्ज किया था।

शुभंकर के लिए यह सप्ताह खास है। पांच साल बाद गोल्फ वापसी करने के बाद उन्होंने कहा, यहां घर जैसा लगता है। बचपन में हम हर शाम यहां अभ्यास करते थे। पांच होल खेलो, कुछ खाओ, फिर चार और खेलो। 2020 के बाद मैं पहली बार यहा आया हूं, लेकिन लगा जैसे कल ही था। घरेलू फायदा वे साफ महसूस करते हैं। ये होल हमने देखे हैं, जानते हैं क्या हो सकता है। कोर्स में कुछ बदलाव नजर आ रहे हैं – हरी सतह थोड़ी बदली हुई है, कठोरपन ज्यादा है, लेकिन यादें पुरानी हैं। पिछले दो दिन से यहां हलचल तेज है। गुरुवार को दर्शकों की भारी भीड़ आने वाली है, जिसमें बच्चे भी शामिल रहेंगे। यह स्पर्धा भारत को गर्वित महसूस कराने वाली है।

अनिरबान लाहिड़ी की निगाहें भी ऊंची हैं। उन्होंने अठारह खिताब जीते हैं। डीपी वर्ल्ड के इनविटी पर लौटे वे, जबकि लिव गोल्फ में नियमित हैं। रोरी का आना ऐतिहासिक है। फ्यूचर हाल आफ फेमर यहां हमारा इवेंट अपना रहा है। डीजीसी जैसा ऐतिहासिक कोर्स संपूर्ण है। भारतीय गोल्फ के लिए यह मील का पत्थर है। बड़े सितारे आने से अगली पीढ़ी प्रेरित होगी। बच्चे इन्हें आदर्श मानते हैं। यह विजेताओं की नई फसल तैयार करेगा। मैं जहां तक संभव, समर्थन करूंगा। खेलकर या आयोजन में मदद करके। डीपी वर्ल्ड के चीफ आफ कम्युनिकेशन डेनियल वैन ओटरडाइक ने भारतीय प्रशंसकों को खुशखबरी देते हुए कहा कि हम हर साल यह स्पर्धा भारत में कराएंगे। एक दिन निश्चित ही कोई भारतीय चमकदार ट्राफी जीतेगा। यह आश्वासन भारतीय गोल्फ की भविष्य की उम्मीद जगा रहा है। शुभंकर की यह वापसी भावुक भी है। बचपन की वे क्लिनिक की यादें अब पेशेवर महत्त्वाकांक्षा से जुड़ गई हैं।

युवराज संधू जैसे उभरते सितारे अपनी फार्म साबित करेंगे, तो वीर अहलावत और शिव कपूर अनुभव का जादू बिखेरेंगे। अहलावत ने पिछले साल पीजीटीआइ आर्डर आफ मेरिट में शीर्ष स्थान हासिल कर 2025 में डीपी वर्ल्ड टूर में जगह बनाई। पीजीटीआइ में चार बार विजेता रहे इस खिलाड़ी ने 2024 इंडियन ओपन में भी उपविजेता रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन दर्ज किया था। अहलावत ने कहा, मेरा सीजन बहुत अच्छा नहीं रहा है। मुझे लगता है कि यह हफ्ता मेरे लिए प्रभाव डालने का एक शानदार मौका है। मैं इस टूर्नामेंट को यादगार बनाना चाहता हूं क्योंकि मुझे पता है कि यहां शीर्ष 10 में जगह बनाने से मुझे डीपी वर्ल्ड टूर पर अपना कार्ड बचाने में मदद मिलेगी। मैं कहूंगा कि इस हफ्ते से पहले यूरोप में हुए पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस हफ्ते भारतीय गोल्फरों को खास फायदा होने वाला है।

भारतीय खिलाड़ी अच्छे से दिल्ली गोल्फ क्लब से वाकिफ हैं। दो सप्ताह पहले अपनी पहली जीत हासिल करने वाले अर्जुन प्रसाद इस सीजन में अपने 11 शीर्ष–10 अंकों की बदौलत पीजीटीआइ की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। पीजीटीआइ में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अर्जुन डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में अपनी जगह पक्की करने के साथ ही विजेता वर्ग में शामिल होने का मौका मिला है।

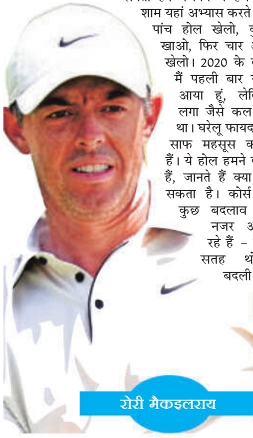

रोरी मैकइलराय

अनिरबान लाहिड़ी

# हार से भारतीय फुटबाल पर सवाल

जनसत्ता खेल

भारतीय फुटबाल के लिए यह एक दुखद मोड़ है। मंगलवार को गोवा के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सिंगापुर के खिलाफ 1–2 की हार ने भारतीय फुटबाल के भविष्य को अंधेरे की तरफ धकेल दिया है। यह हार सिर्फ एक मैच की नहीं, बल्कि 2027 एएफसी एशियाई कप की राह बंद होने की त्रासदी है। लालियानजुआला चांग्ते का शुरुआती गोल उम्मीद जगा गया, मगर सोंग उइयंग के दो गोलों ने उसे चूर कर दिया। महज 2,036 दर्शकों की मौजूदगी और स्टेडियम का सन्नाटा इस हार को और कष्टदायक बनाता है। भारतीय फुटबाल की कमियां रक्षापंक्ति की चूक, मौकों की बर्बादी, क्लब स्तर की अनिश्चितता और प्रशासनिक अराजकता इस हार में साफ झलक रही है। 2019 के बाद पहली बार भारत एशियाई कप से बाहर हुआ, जो 2012 के चैलेंज कप और 2005 के फिजी दौरे की शर्मिंदगी को याद दिलाता है। क्या यह भारतीय फुटबाल का सबसे निचला स्तर है?

मेजबान भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। कोच खालिद जमील की रणनीति साफ थी झ्र तेज दबाव और आक्रामक इरादा। टीम ने गेंद पर कब्जा जमाया और 14वें मिनट में सफलता मिली, जब सिंगापुर के गोलकीपर इजवान महबूद ने डिफेंडर सफुवान बहारुद्दीन को घबराहट भरा पास दिया। लिस्टन कोलाको के दबाव में बहारुद्दीन गेंद क्लियर नहीं कर सके और चांग्ते ने दूर से तेज शाट मारकर गोल दागा। स्टेडियम में जश्न का माहौल था, लेकिन यह ज्यादा देर नहीं टिका। पहले हाफ में भारत ने कई मौके बनाए। 29वें मिनट में चांग्ते ने अनवर अली की थ्रू बाल पर सुनील छेत्री को पास दिया, लेकिन छेत्री गोल नहीं कर सके। कोलाको का शाट बहारुद्दीन ने गोल लाइन से क्लियर कर दिया। सिंगापुर लंबी गेंदों पर निर्भर था, जिसे भारत का डिफेंस आसानी से रोक रहा था, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले, 44वें मिनट में राहुल भेके की गलती ने पूरा मैच ही बदल दिया। इरफान नजीब के क्रास पर भेके का हेडर ग्लेन के पास पहुंचा, जिन्होंने उइयंग को गेंद दी। उइयंग ने बाएं पैर से गोल कर स्कोर 1–1 कर दिया। दूसरे हाफ में सिंगापुर ने पलटवार किया। 58वें मिनट में शवाल अनवार और इखसान फंडी के संयोजन से अनवार ने उइयंग को गेंद दी, जिन्होंने दाएं पैर से गोल कर सिंगापुर को 2–1 की बढ़त दिलाई। भारत ने जवाबी हमले तो किए लेकिन छेत्री, कोलाको, चांग्ते और महेश नाओरेम गोल नहीं कर सके। 2027 एशियाई कप में न पहुंचना भारतीय फुटबाल के इतिहास में एक काला अध्याय है। 2019 में टूर्नामेंट 24 टीमों के होने के बाद पहली बार भारत बाहर हुआ। यह 2012 एएफसी चैलेंज कप से बाहर होने, पाकिस्तान से सीरीज हार और 2005 फिजी दौरे (चार मैच, चार हार) के बराबर है। लेकिन वर्तमान संदर्भ में यह ज्यादा दर्दनाक है। स्टेडियम में महज 2,036 दर्शक थे झ्र माहौल की कमी साफ दिखी। शीर्ष लीग (आइएसएल) पर अनिश्चितता, सुनील छेत्री का भविष्य और सुप्रीम कोर्ट में फुटबाल से जुड़े मुकदमों की बहस ने स्थिति को और बुरा बना दिया। दुनिया में कई बड़े देश क्वालीफिकेशन में नाकाम रहे हैं। इटली ने 2014 के बाद कोई विश्व कप नहीं खेला, इंग्लैंड तीन बार बाहर रहा, अमेरिका (1954 से 1986 और 2018) में नाकाम हुआ और ईरान 1998–2010 के बीच सिर्फ दो विश्व कप खेला।

## खतरा

खालिद जमील

# कुलदीप यादव करिअर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं टेस्ट रैंकिंग पर

भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करिअर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की।

कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई, जबकि वेस्ट इंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमशः दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए।

वेस्ट इंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर 66वें स्थान पर) और जान कैम्पबेल (छह स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को फायदा हुआ है। इन दोनों ने वेस्ट इंडीज की दूसरी पारी में शतक बनाए थे।

इस बीच अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3–0 की शृंखला जीत में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर लौट आए हैं। राशिद ने शृंखला में 11 विकेट लिए, जिससे वह पांच स्थान ऊपर पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अब 710 रेटिंग अंक हो गए हैं जो दूसरे स्थान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज से 30 अंक अधिक हैं।

# हरमनप्रीत का लक्ष्य सेमीफाइनल

चरनपाल सिंह सोबती

किसी भी टूर्नामेंट के बीच में, किसी टीम के प्रदर्शन की चर्चा और विश्लेषण आसान नहीं क्योंकि आगे न मालूम खेल क्या करवट ले? ऐसा इतिहास में पहले भी कई बार हो चुका है। बहरहाल महिला विश्व कप चूंकि भारत में ही खेल रहे हैं और हर उम्मीद हरमनप्रीत कौर की टीम से जुड़ी है, इसलिए इस समय, इस सवाल का जवाब बड़ा खास है कि जीतने की बात तो बाद में करेंगे, क्या विश्व कप का सेमीफाइनल खेलेंगे? मौजूदा स्थिति यह है कि एक आम नजरिए से भारतीय टीम ने निराश किया है।

पहले मैच में निचले क्रम की बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका के विरुद्ध अच्छा स्कोर बना पाए और तभी जीते। पाकिस्तान के विरुद्ध भले ही स्कोरकार्ड के हिसाब से भारत को आसान जीत मिली लेकिन सच यह है कि मुकाबला अनुमान से कहीं ज्यादा करीबी रहा। ऐसा नहीं था कि पाकिस्तान को आसानी से हरा दिया। सबसे ज्यादा निराशा तो विशाखापट्टनम में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध मैच में हुई। शीर्ष भारतीय बल्लेबाज खब्बू गेंदबाज के सामने कमजोर दिखाई दीं और ऋचा घोष एवं स्नेह राणा ने यह सिलसिला रोका और तभी भारत ने 250 को पार किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 140/6 से भारतीय गेंदबाजों को प्रशिक्षण दिया और मैच का रुख बदल दिया।

इसी तरह आस्ट्रेलिया के विरुद्ध भी 330 रन का बड़ा स्कोर तो बना लिया, लेकिन गलती यह कि सिर्फ 330 रन ही बनाए। शीर्ष में से स्मृति मंधाना ने तो रन बनाए पर हरमनप्रीत और जेमिमा अभी भी रन बनाने से दूर हैं। गेंदबाजी कैसी रही, इसका जवाब ये रिकार्ड देगा कि आस्ट्रेलिया ने महिला एकदिवसीय के इतिहास में, दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जीत के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाया। लगातार दो मैच में, एक अच्छे दिख रहे स्कोर के बावजूद दूसरी टीम को जीत का लक्ष्य हासिल करने न रोक पाए। तो अब क्या करें? भारत के लिए सबसे आस हैं अगले दो मैच– 19 अक्तूबर को इंग्लैंड के विरुद्ध इंदौर और 23 अक्तूबर को न्यूजीलैंड के विरुद्ध मुंबई में खेलना है। तो क्या बांग्लादेश के विरुद्ध मुंबई में ही, भारत का आख़िरी लीग मैच आसान समझ लें? भारत पर अक्सर ही ये आरोप लगा है कि भारत में टूर्नामेंट हो तो मैचों का शेड्यूल ऐसे बनाते हैं कि आख़िरी लीग मैच किसी ह्यकमजोरह्ण टीम के विरुद्ध हो ताकि भारत की टीम, अगर संकट हो तो, उसी हिसाब से अपना खेल बदल सके। क्या इसी परंपरा में आख़िरी लीग मैच बांग्लादेश के विरुद्ध रखा? ऐसा किया है तो यह बहुत बड़ी गलती साबित हो सकता है क्योंकि बांग्लादेश टीम आश्चर्यजनक तौर पर इस टूर्नामेंट में अब तक बेहतर क्रिकेट खेली है। वे दो मैच में उलटफेर करते–करते रह गए। बचे तीन मैच में से भारत ने एक भी हारा तो सेमीफाइनल में जगह के लिए जूझना पड़ सकता है। तब नेट रन रेट और दूसरे टीमों की हार–जीत पर बहुत ज्यादा निर्भर रहना होगा।

## विश्व कप

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ, सेमीफाइनल में बची दो जगह के लिए मुकाबला है। इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया दोनों के लिए कड़ा मुकाबला तो रहा पर चैंपियन टीम की तरह वापसी की और जीत रहे हैं। टीम इंडिया के कोच और कप्तान हरमनप्रीत के लिए आस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद के दिन, टीम की क्रिकेट पर सोचने और उसे बदलने के लिए बड़े काम के हैं। निचला मध्य क्रम कब तक हर मैच में बचाएगा?

बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम लगभग नाकाम और खास तौर पर प्रारंभिक बल्लेबाज स्मृति मंधाना के, अपनी प्रतिष्ठा के हिसाब से, रन न बनाने से आगे की बल्लेबाजी दबाव में आ गई। हरमनप्रीत और जेमिमा भी लगभग नाकाम और दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध इस नीति से गेंदबाजी में आई कमजोरी खुल कर सामने आ गई। स्मृति ने बहरहाल आस्टेलिया के विरुद्ध कुछ दिन पहले की एकदिवसीय सीरीज की फार्म फिर से दिखाई। यह साफ है कि स्मृति मंधाना के बल्ले से बड़े योगदान के बिना, टीम इंडिया ज्यादातर शीर्ष टीम के विरुद्ध बैकफुट पर रहेगी।

श्रीलंका के विरुद्ध आठ रन और अगले दो मैच में 23–23 रन। सबसे बड़ा नुकसान यह कि उनके आउट होते ही आगे की बल्लेबाजी बिखरती नजर आती है। इसलिए विश्व कप में, आगे के मैचों में भारत के बेहतर प्रदर्शन का बहुत कुछ दारोमदार स्मृति के बल्ले से बनने वाले रन पर टिका है। इसीलिए आस्ट्रेलिया के विरुद्ध यह तो बाद में पता चला कि जो किया वह काफी नहीं था और 30–40 रन कम बनाए। यहां तक कि सात गेंद खेले बिना छोड़ीं।

स्मृति मंधाना

# भारत और सऊदी अरब ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएएनएस**

भारत और सऊदी अरब ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने, निवेश को बढ़ावा देने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का फैसला लिया। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और 'भारत' सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 41.88 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स का योगदान 10 प्रतिशत यानी लगभग 4.5 अरब डॉलर रहा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग और सऊदी अरब के उद्योग एवं खनिज मंत्रालय के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग की सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने किया। वहीं, सऊदी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग एवं खनिज उप मंत्री खलील बिन इब्राहिम बिन सलामाह ने किया। दोनों पक्षों ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में दोनों देशों की पूरकता को स्वीकार किया, जहां सऊदी अरब पेट्रोकेमिकल्स में एक मजबूत देश है, जबकि भारत की स्थिति स्पेशियलिटी केमिकल्स में मजबूत है।

दोनों पक्षों ने भारत के पेट्रोलियम, केमिकल और पेट्रोकेमिकल इन्वेस्टमेंट रिजन (पीसीपीआईआर) में निवेश और दोनों देशों की प्रमुख कंपनियों के बीच संभावित साझेदारी सहित केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स की वैल्यू चेन में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। इस सेक्टर में रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में सहयोग करने पर भी सहमति हुई।

# डॉ. सारा जॉर्ज को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली**

Muthoot Finance

एक गौरवपूर्ण और यादगार अवसर पर, पॉल जॉर्ज ग्लोबल स्कूल और सेंट जॉर्ज स्कूल की निदेशक डॉ. सारा जॉर्ज को हेल्पिंग गुरुस द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हेल्पिंग गुरुस भारत के K-12 शिक्षा क्षेत्र को रूपांतरित करने वाला अग्रणी संगठन है, जो देशभर में 10,000 से अधिक स्कूलों के नेटवर्क के माध्यम से कार्यरत है। यह सम्मान उन दूरदर्शी शिक्षाविदों को दिया जाता है जो परिवर्तन की प्रेरणा बनते हैं, उत्कृष्टता को पोषित करते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में स्थायी योगदान देते हैं।

यह पुरस्कार भारत और अफ्रीका में विशेष सलाहकार तथा भारत के पूर्व राजनयिक राजदूत दीपक वोहरा द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने डॉ. सारा जॉर्ज की सराहना करते हुए कहा, 'वह एक ऐसी दूरदर्शी शिक्षिका हैं जिनका कार्य करुणा, उद्देश्य और ईमानदारी के साथ युवा मस्तिष्कों को आकार देता है।' एक विशिष्ट शिक्षाविद और संस्थान निर्माता के रूप में, डॉ. सारा जॉर्ज 1982 से शिक्षा के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक प्रकाश बनी हुई हैं। उनके नेतृत्व में सेंट जॉर्ज स्कूल और 2015 से पॉल जॉर्ज ग्लोबल स्कूल समग्र शिक्षा और चरित्र निर्माण के उत्कृष्ट उदाहरणबन चुके हैं। दशकों से, उन्होंने 1 लाख से अधिक छात्रों और 1,000 शिक्षकों के जीवन को अपनी ऊष्मा, ज्ञान और अटूट समर्पण से स्पर्श किया है, और भविष्य के लिए तैयार नागरिकों को गढ़ने में अमूल्य योगदान दिया है। शैक्षणिक उत्कृष्टता से परे, डॉ. जॉर्ज के महिला सशक्तिकरण और वंचित बच्चों के उत्थान के प्रयास उनके सेवा और समावेशिता के जीवनपर्यंत समर्पण को दर्शाते हैं। उनके योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिली है, जिसमें नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्राप्त सम्मान भी शामिल है – जो उनके वैश्विक प्रभाव और प्रेरणा का प्रमाण है। पुरस्कारों और सम्मानों से परे, डॉ. सारा जॉर्ज की सच्ची विरासत उन असंख्य जीवनों में बसती है जिन्हें वे निरंतर प्रेरित करती रही हैं– प्रत्येक विद्यार्थी के मन में प्रेम, विश्वास और उद्देश्य के मूल्य स्थापित करते हुए।

# फोनपे पेमेंट गेटवे, रुपे और जियोहॉटस्टार ने यूपीआई ऑटोपे के साथ सब्सक्रिप्शन पेमेंट को आसान बनाने के लिए मिलाया हाथ

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली**

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ 2025) में, फोनपे पेमेंट गेटवे ने सब्सक्रिप्शन पेमेंट की दुनिया में क्रांति लाते हुए अपने नए फीचर सब्सक्रिप्शन आईक्यूं को रोलआउट करने की घोषणा की। यह सुविधा विशेष रूप से रुपे क्रेडिट कार्ड पर यूपीआई ऑटोपे द्वारा समर्थित है, और इसकी शुरुआत जियोहॉटस्टार के साथ साझेदारी में की गई है।

पेमेंट गेटवे और ऑनलाइन मर्चेंट्स के हेड, अंकित गौर ने कहा कि, इस लॉन्च के साथ, हम यूजर्स को रिकरिंग पेमेंट्स को मैनेज करने का एक आसान और विश्वसनीय तरीका दे रहे हैं। वे एक बार ऑटोपे सेटअप करके, सेवाओं को आसानी से एक्सेस कर सकते हैं, और यदि चाहें तो इसे कभी भी कैंसिल कर सकते हैं। मर्चेंट्स के लिए, यह सुविधा बेहतर पेमेंट विश्वसनीयता और आसान ट्रांजेक्शन सुनिश्चित करती है। रुपे क्रेडिट कार्ड्स को यूपीआई ऑटोपे में लाकर, हम इस इकोसिस्टम को एक ऐसा समाधान प्रदान कर रहे हैं जो यूजर्स के लिए सरल, बिजनेस के लिए विश्वसनीय और ब? पैमाने पर उपयोग के लिए बनाया गया है।

जियोहॉटस्टार के एक प्रवक्ता ने कहा, जियोहॉटस्टार में, हमारी प्राथमिकता हमेशा अपने सब्सक्राइबर्स को बेहतरीन मनोरंजन अनुभव प्रदान करना है। इस साझेदारी से यह सुनिश्चित होता है कि हमारे यू?र्स अपने पसंदीदा शो और फिल्मों का बिना किसी रुकावट के आनंद लें। यह हमारे सब्सक्रिप्शन पेमेंट्स में सुविधा और विश्वसनीयता दोनों लाती है, जिससे ग्राहकों के लिए अपनी पसंदीदा कहानियों से जुड़े रहना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। पहले, यूपीआई ऑटोपे मैंडेट सीधे बैंक अकाउंट्स से लिंक होते थे, जिसका अर्थ था कि अगर डेबिट की तारीख पर अकाउंट बैलेंस कम रहे, तो पेमेंट असफल हो सकता था। रुपे क्रेडिट कार्ड पर यूपीआई ऑटोपे को चालू करके, ग्राहकों के पास अब अपने सब्सक्रिप्शन पेमेंट को क्रेडिट लाइन के माध्यम से रूट करने की सुविधा है, जिससे उन्हें अपर्याप्त राशि के कारण सब्सक्रिप्शन असफल होने की चिंता किए बिना जियोहॉटस्टार जैसी सेवाओं को बिना किसी बाधा के एक्सेस कर सकते हैं।

# डी बियर्स लेकर आया लंदन में हीरों और ग्लैमर की जगमगाहट

**बिज़नेस रेमेडीज**

De Beers
Group of Companies

सूत्रों के अनुसार, लंदन की एक सितारों से सजी यात्रा की तैयारी चल रही है। लेकिन क्यों लंदन? ज्वेलरी और फैशन की दुनिया में अपनी चमकदार पहचान से परे, चर्चा है कि कुछ और भी ज़्यादा जगमगाने वाला होने वाला है – डी बियर्स इस शहर में एक भव्य शोकेस आयोजित करने जा रहा है। इस वर्ष, डी बियर्स ग्रुप Frieze London में अपना शानदार डेब्यू कर रहा है – एक ऐतिहासिक पल, जहाँ प्राकृतिक हीरों की दुनिया कला की दुनिया से मिलती है।

Frieze Masters के सहयोग से, ब्रांड पेश करेगा "Voyage Through the Diamond Realm" – एक ऐसा इमर्सिव अनुभव जो प्राकृतिक हीरों के रहस्य, सौंदर्य और चमक को पहले कभी न देखे गए अंदाज़ में प्रस्तुत करेगा। इस दृष्टि को साकार करने के लिए, डी बियर्स ने भारत के प्रमुख स्टाइल और कला प्रेमियों – ट्विंकल खन्ना, अनन्या पांडे, सारा तेंदुलकर, करण जौहर और कई अन्य हस्तियों – को आमंत्रित किया है। कला और डिज़ाइन के प्रति उनके परिष्कृत स्वाद और गहरी समझ के चलते, ये सभी उस अनुभव के आदर्श प्रतिनिधि हैं जहाँ हर हीरे का हर पहलू समय, दबाव और पूर्णता की एक कहानी कहता है। हालाँकि विवरण अभी गोपनीय हैं, लेकिन ब्रांड से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह अनुभव किसी परिवर्तनकारी क्षण से कम नहीं होगा – जहाँ विज्ञान, कहानी और दुर्लभता मिलकर प्रकृति की सबसे अद्भुत रचनाओं का उत्सव मनाएँगे। एक बात तो तय है – जब डी बियर्स ग्रुप Frieze London से मिलेगा, तो लंदन शहर ज़रूर थोड़ा और चमकेगा – और शायद, वे भी जो उस उड़ान में सवार होंगे।

## बीमा। बैंकिंग। ज्वैलरी

# त्योहारों के दौरान सुरक्षित डिजिटल भुगतान के लिए एनपीसीआई के 5 प्रमुख सुरक्षा टिप्स

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली**

NPCI
भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम
NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA

त्योहार खुशियों, उपहारों और खरीदारी का समय होते हैं। इस दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों पर आकर्षक डिस्काउंट, सीमित अवधि की सेल और कैशबैक ऑफ़र आते हैं, जो लोगों को जल्दी खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे में कई बार लोग 'बहुत बढ़िया सौदा' पाने की जल्दी में जल्दबाज़ी में निर्णय ले लेते हैं। ठग (स्कैमस्टर) इसी प्रवृत्ति का फायदा उठाते हैं और सोशल इंजीनियरिंग के ज़रिए लोगों को धोखा देते हैं। जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, वैसे-वैसे ठगी के तरीके भी बदल रहे हैं। ऐसे में जागरूक रहना और कुछ सरल सावधानियाँ बरतना बेहद ज़रूरी है ताकि आप सुरक्षित और सहज अनुभव का आनंद ले सकें।

**1. केवल आधिकारिक ऐप्स और वेबसाइट पर ही खरीदारी करें :** ठग सेल सीज़न के दौरान नकली वेबसाइट या लिंक बनाते हैं ताकि आपकी व्यक्तिगत या भुगतान संबंधी जानकारी चुरा सकें। हमेशा वेबसाइट का पता खुद टाइप करें या आधिकारिक ऐप का इस्तेमाल करें। ईमेल, एसएमएस या फ़ॉरवर्डेड मैसेज में आए लिंक पर क्लिक न करें। अज्ञात स्रोतों से कोई फ़ाइल डाउनलोड या लिंक पर क्लिक न करें, क्योंकि वे हानिकारक सॉफ़्टवेयर डाल सकते हैं और आपके डिवाइस तक पहुंच सकते हैं।

**2. भुगतान केवल उसी प्लेटफॉर्म पर पूरा करें :** कुछ ठग बाहरी यूपीआई आईडी या लिंक के माध्यम से भुगतान करवाने की कोशिश करते हैं, जिससे सुरक्षा जांच छूट जाती है। हमेशा आधिकारिक चेकआउट पेज पर ही लेनदेन पूरा करें और विक्रेता के विवरण की पुष्टि करें।

**3. फ्री वाउचर और कैशबैक ऑफ़र से सावधान रहें :** कई संदेश इनाम, कैशबैक या त्योहार उपहार देने का वादा करते हैं और बदले में ओटीपी, बैंक विवरण या छोटी 'फ़ीस' मांगते हैं। असली ऑफ़र कभी संवेदनशील जानकारी या अग्रिम भुगतान नहीं मांगते। किसी भी संदेश पर कार्रवाई करने से पहले रुकें और उसकी पुष्टि करें।

**4. अनजान ओटीपी अनुरोध को चेतावनी समझें :** कभी-कभी संदेश में लिखा होता है कि आपका भुगतान असफल हो गया है या अकाउंट ब्लॉक हो गया है, और समस्या 'सुलझाने' के लिए ओटीपी मांगा जाता है। याद रखें, ओटीपी केवल उसी ट्रांज़ैक्शन की पुष्टि के लिए होता है जो आपने खुद शुरू किया हो। बैंक या पेमेंट ऐप कभी फोन या संदेश पर ओटीपी नहीं मांगते।

**5. दबाव में आकर निर्णय न लें :** ठग अक्सर यह कहकर डराते हैं कि ऑफ़र जल्द खत्म हो जाएगा या अकाउंट ब्लॉक हो जाएगा अगर तुरंत कार्रवाई नहीं की। असली प्लेटफॉर्म कभी डर या जल्दबाज़ी का माहौल नहीं बनाते। प्रतिक्रिया देने से पहले एक पल रुकें और जांचें।

**सुरक्षित लेनदेन के लिए 'रुकें, सोचें, करें' सिद्धांत अपनाएँ :** यदि कोई अप्रत्याशित अनुरोध मिले तो सबसे पहले रुकें, फिर सोचें और जानकारी की पुष्टि करें, और अंत में समझदारी से कार्रवाई करें। इससे आप अपने लेनदेन और संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं और त्योहारों का आनंद निश्चिंत होकर उठा सकते हैं।

# बैंक ऑफ इंडिया ने इनोवेशन क्षमता को मज़बूत करते हुए चार प्रमुख लॉन्च किए

**बिज़नेस रेमेडीज/मुंबई**

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India

बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकिंग में सुरक्षा, सुविधा और समावेशिता को बढ़ाने के उद्देश्य से चार महत्वपूर्ण उत्पादों और पहलों को लॉन्च करके डिजिटल नवाचार और ग्राहक-केंद्रित समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया। इन लॉन्च का अनावरण ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 के दौरान किया गया, जहाँ बैंक ने अपने आकर्षक और इंटरैक्टिव बूथ से अपनी गहरी छाप छोड़ी।

बैंक के बूथ का उद्घाटन डॉ. अर्जुन देवरे, भारतीय विदेश सेवा, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी एवं विदेश मंत्रालय शाखा, मुंबई के प्रमुख ने रजनीश कर्नाटक, एमडी एवं सीईओ, और बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। डॉ. देवरे ने डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देने और आज के बदलते वित्तीय परिदृश्य के लिए प्रासंगिक अत्याधुनिक समाधान प्रस्तुत करने में बैंक के नेतृत्व की सराहना की। अतुल कुमार गोयल, रजनीश कर्नाटक, सुब्रत कुमार, राजीव मिश्रा, अशोक पाठक और आनंद बजाज की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस साझेदारी का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी भारत की मेहनती महिलाओं को सशक्त बनाना है, और भारत सरकार के समावेशी और सुलभ बैंकिंग के दृष्टिकोण का समर्थन करना है। प्रमुख लॉन्चों में एक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) समाधान भी शामिल था, जिसे सोशल इंजीनियरिंग या धोखाधड़ी वाली कॉल के ज़रिए धोखेबाजों को मोबाइल बैंकिंग ऐप्लिकेशन पर रजिस्टर करने से रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पीओसी का उद्घाटन आईबीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल कुमार गोयल ने किया, जिन्होंने इस पहल को बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक संभावित क्रांतिकारी कदम बताया, जो इसकी सबसे गंभीर साइबर सुरक्षा चुनौतियों में से एक का समाधान करता है

# 'जीएसटी दर में कटौती से दीपावली पर बिक्री में देखने को मिलेगा ऐतिहासिक उछाल'

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएएनएस**

अर्थशास्त्रियों और उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि जीएसटी 2.0 सुधारों के चलते इस साल दीपावली की खरीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी। क्रय शक्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी और ऐतिहासिक रूप से कम मुद्रास्फीति ने उपभोक्ताओं, विशेष रूप से निम्न और मध्यम वर्ग को अधिक खरीदारी के लिए प्रेरित किया है। इस त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री की उम्मीद है, जिसका लाभ व्यापारियों को भी मिलेगा।

ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हरवंश चावला ने आईएएनएस को बताया, ÷जीएसटी 2.0 के सुधारों ने खुदरा कीमतों में कमी लाई है, जिसका सबसे बड़ा प्रभाव निम्न और मध्यम वर्ग पर पड़ा है। पहले जहां लोग 100 रुपए में एक वस्तु खरीद पाते थे, अब उनकी क्रय शक्ति बढ़ने से वे एक से अधिक वस्तुएं खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह 'ऐतिहासिक दीपावली' होगी, जिसमें बिक्री के नए रिकॉर्ड बनेंगे और व्यापारियों को भारी मुनाफा होगा। चावला ने जीएसटी 2.0 के प्रभाव को पीएम मोदी और उनकी टीम के प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, कि जीएसटी दरों में कमी से आम आदमी की क्रय शक्ति में वृद्धि हुई है। जब क्रय शक्ति बढ़ती है तो खुदरा मुद्रास्फीति स्वतः कम हो जाती है। यह सरकार की ओर से एक बड़ा कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कदम ने न सिर्फ उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाया है, बल्कि आर्थिक माहौल को भी सकारात्मक दिशा दी है।

# एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' और 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का समर्थन किया

**बिज़नेस रेमेडीज/मुंबई**

SBI general
INSURANCE
SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर दो राष्ट्रीय अभियानों – प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के तहत 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' (MPMH) अभियान और 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' (VKSA) – में सक्रिय भागीदारी की घोषणा की है। इन संयुक्त पहलों का उद्देश्य प्रमुख राज्यों – मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक – के किसानों को खरीफ मौसम के दौरान सशक्त और सहयोग प्रदान करना है। इसके ज़रिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का लक्ष्य किसानों में फसल बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना और देशभर में टिकाऊ कृषि विकास को प्रोत्साहित करना है।

'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान, जो 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, का उद्देश्य प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े हर किसान तक सीधे पहुंचना है। इस पहल के तहत किसानों को उनकी फसल बीमा पॉलिसी सीधे उनके घर पर सौंपी जाएगी, ताकि प्रक्रिया सरल और सुलभ बने। पॉलिसी वितरण के अलावा, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस फसल बीमा पाठशालाओं, महिला केंद्रित कार्यशालाओं जैसे व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, जो किसानों को फसल बीमा योजनाओं के लाभों और कवरेज विवरणों के बारे में शिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से किसानों को दावे से संबंधित प्रक्रियाएं, आवश्यक दस्तावेज़ और समयसीमा के बारे में मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे किसी कठिन परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ दावा कर सकें और अधिकतम सहायता प्राप्त कर सकें।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' (VKSA), जो 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारतीय कृषि में परिवर्तन लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान किसानों में आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी बढ़ाने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक तरीकों को आधुनिक नवाचारों से जोड़ती हैं।

सटीक खेती (Precision Farming), स्मार्ट सिंचाई और फसल प्रबंधन पर ध्यान देते हुए यह अभियान किसानों को टिकाऊ समाधानों से परिचित कराएगा, जिससे उनकी उत्पादकता और आय स्थिरता दोनों में वृद्धि हो सके।

इस अवसर पर नवीन चंद्र झा, प्रबंध निदेशक और सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कहा कि पिछले नौ वर्षों से एसबीआई जनरल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का साझेदार होने का गौरव प्राप्त है। हमारा वचन केवल बीमा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर कदम पर किसानों को सुरक्षा और भरोसा प्रदान करना है। किसानों को जागरूकता, पहुँच और आत्मनिर्भरता से सशक्त बनाकर, हम उन्हें अनिश्चितताओं से आत्मविश्वासपूर्वक निपटने में मदद करते हैं। ज़मीनी स्तर पर सीधा संवाद और प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से हम किसानों की आजीविका की रक्षा, उनकी कमजोरियों को दूर करने और ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण की दिशा में ठोस प्रभाव डाल रहे हैं। यह हमारे उस मिशन का हिस्सा है जो किसानों के हितों की रक्षा और सरकार के आत्मनिर्भर एवं मज़बूत कृषि क्षेत्र के विज़न को साकार करने की दिशा में कार्यरत है। अभियान की पहुँच बढ़ाने के लिए, विभिन्न संचार माध्यमों को शामिल किया जाएगा, जैसे सोशल मीडिया से जुड़ाव, और किसान मेला, किसान गोष्ठी आदि जैसे किसान सम्मेलन, जिनका मुख्य उद्देश्य कृषि समुदाय तक नीतिगत शिक्षा पहुँचाना है।

## ट्रेंडिंग वीडियो

1. तालिबान का तांडव, 15 मिनट में पाकिस्तानियों का सरेंडर

2. द बर्निंग बस, जिंदा जले 20 लोग, अब डीएनए बनाएगा मृतक कौन?

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

## न्यूज शॉर्ट्स

### विस्तृत ऑनलाइन आवेदन 18 तक

**अजमेर @ पत्रिका.** राजस्थान लोक सेवा आयोग ने प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तहत अंग्रेजी, हिंदी, गणित,भूगोल एवं संस्कृत विषय की विचारित सूची में शामिल अभ्यर्थियों को विस्तृत ऑनलाइन आवेदन भरने का अवसर दिया है। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि कई अभ्यर्थियों ने विस्तृत ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा नहीं कराया है। अभ्यर्थी 18 अक्टूबर को रात्रि 11.59 बजे तक विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। इसके अभ्यर्थियों को अपात्र मानते हुए परिणाम प्रक्रिया में विचारित नहीं किया जाएगा।

### दो पक्षों में खूनी संघर्ष, पांच घायल

**रायसिंहनगर (श्रीगंगानगर) @ पत्रिका.** सीमावर्ती गांव लखा हाकाम में सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर चल रहा विवाद मंगलवार देर रात खूनी संघर्ष में बदल गया। जिसमें दोनों पक्षों के पांच लोग गंभीर घायल हो गए। झगड़े में एक पक्ष के अजय, पंकज जाट तथा दूसरे पक्ष के दशमेश सिंह, गोविंद, अनोख सिंह घायल हो गए। दोनों पक्षों के बीच गांव के नजदीक पंचायत की आधा मुरब्बा कृषि भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। जमीन के अंदर से जाने को लेकर दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया।

### मंदिर दर्शन को निकला युवक तालाब में डूबा

**लाडनूं (नागौर) @ पत्रिका.** पाबोलाव तालाब में मंगलवार दोपहर एक युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक मंदिर दर्शन के लिए घर से निकला था। पुलिस को सूचना मिलने पर एएसआई इकबाल खां मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से युवक को तालाब से बाहर निकाला और राजकीय चिकित्सालय लाडनूं पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान श्रीकांत शर्मा (36) पुत्र कैलाश शर्मा निवासी गली नंबर 4, जसवंतगढ़ के रूप में हुई। मृतक के चाचा दीनबंधु शर्मा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि श्रीकांत सुबह पाबोलाव मंदिर दर्शन के लिए गया था। मंदिर परिसर में घूमते समय अचानक उसका पैर फिसल गया, जिससे वह तालाब में गिर पड़ा और डूबने से मृत्यु हो गई।

### टांके में गिरने से विवाहिता की मौत

**जायल (नागौर) @पत्रिका.** पुलिस थाना रोल के गोठ गांव में घर के पानी के टांके में गिरने से महिला की मौत हो गई। हादसे के वक्त महिला घर पर अकेली थी। परिवार के लोग खेत पर काम करने गए थे। मृतका कल्पना (22) मूल रूप से रोजा (लाडनूं) गांव की निवासी थी। माता-पिता की मृत्यु के बाद अपने ननिहाल गोठ गांव में रह रही थी। उसका ससुराल साण्डवा (चूरू) बताया गया है।

### अजमेर: एंटोमोलॉजी और एग्रीकल्चर बॉटनी के हुए पेपर

**अजमेर @ पत्रिका.** राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में कृषि विभाग की विषयवार परीक्षा जारी है। बुधवार को एंटोमोलॉजी और एग्रीकल्चर बॉटनी के पेपर हुए। मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि सुबह 10 से 11.50 बजे तक एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर एंटोमोलॉजी का पेपर हुआ। इसमें पंजीकृत 1225 में से 495 अभ्यर्थी उपस्थित और 730 अनुपस्थित रहे। कुल उपस्थिति 40.41 प्रतिशत रही। इसी तरह दोपहर 3 से 4.50 बजे तक एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर एग्रीकल्चर बॉटनी का पेपर हुआ। इसमें पंजीकृत 806 में से 214 अभ्यर्थी उपस्थित और 592 अनुपस्थित रहे। कुल उपस्थिति 26.55 प्रतिशत रही।

---

**एसीबी का ऑपरेशन भूदेव** जयपुर, गंगापुर सिटी, करौली में एक दर्जन ठिकानों पर सर्च

# दीयों की जगमगाहट से पहले उखड़ी भ्रष्टाचार की काली कमाई की परतें

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जयपुर.** दीपावली के दीपक की जगमगाहट से पहले एसीबी प्रदेश में भ्रष्टाचार की काली कमाई की परतें उखेड़ रही है। एसीबी टीम ने बुधवार को चार मामलों में सर्च और ट्रेप की कार्रवाई तो कोई भ्रष्टाचार के दलदल में गहरा धंसा नजर आया तो किसी ने रिश्वत की राशि बाथरूम में छिपा दी।

इन्दिरा गांधी पंचायती राज विकास संस्थान जयपुर में पदस्थापित अधिशाषी अभियंता (हाल एसोसिएट प्रोफेसर) रामावतार मीणा के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति के मामले को लेकर एसीबी टीम ने बुधवार को उनके जयपुर, गंगापुर सिटी, करौली में एक दर्जन ठिकानों पर सर्च किया। एसीबी की कार्यवाहक डीजी स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी वर्ष 1997 में पंचायती राज विभाग में जेईएन पद पर भर्ती हुआ था और उसकी अधिकांश पोस्टिंग करौली व गंगापुर सिटी में रही। आरोपी इंजीनियरिंग एसोसिएशन का प्रदेशाध्यक्ष भी हैं।

### आय से 115 प्रतिशत अधिक संपत्तियां

**रामावतार** मीणा ने राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक करीब 2.77 करोड रुपए की आय से अधिक परिसम्पतियां अर्जित की। जो उसकी वैध आय से करीब 115 प्रतिशत अधिक है। एसीबी को इंदिरा गांधी आवास पर सर्च में 3 लाख रुपए नकद, आठ बैंक खातों व एक बैंक लॉकर की जानकारी मिली। लॉकर को गुरुवार को खोला जाएगा। कुछ जेवर व कई दस्तावेज मिले। उसका बेटा और बेटी उदयपुर से एमबीबीएस कर रहे हैं।

### इन ठिकानों पर सर्च

**जयपुर** इंदिरा गांधी नगर, गंगापुर सिटी स्थित आवास, करौली के खिरखिड़ा, हिण्डौन के सोमला स्थित धंधावली आवास, जयपुर इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान कार्यालय में सर्च किया गया।

**जयपुर.** रामावतार मीना का जयपुर स्थित बंगला, जहां सर्च करती एसीबी की टीम।

### 3 भूखंड पर फार्म हाउस बनाया

**मीणा** ने जयपुर के इंदिरा गांधी नगर में 236-236 वर्गस्क्वॉयर मीटर के 6 भूखण्ड लिए, इनमें तीन भूखण्ड को मिलाकर एक फार्म हाउस बनाया, जबकि एक भूखण्ड पर आलीशान बंगला बनाया है।

### चाकसू सहित कई जगह बेनामी सम्पत्ति

**आरोपी** के आवास पर सर्च में चाकसू में 30 बीघा बेनामी जमीन के दस्तावेज मिले हैं, जो किसी अन्य व्यक्ति के नाम से सांझे में खरीदी हुई है। इसके अलावा भी बेनामी सम्पत्तियों के दस्तावेज मिलना बताया गया है।

### इन सम्पत्तियों की जानकारी मिली

1. इंदिरा गांधी नगर, जयपुर में लाखों रूपये के करीब 6 बड़े भूखण्ड व मकान
2. रोहिणी नगर टीलावाला, जगतपुरा में मुख्य मार्ग महल रोड पर करोड़ों रुपए कीमत की जमीन
3. अचलपुरा (कोटखावदा) जयपुर में लाखों रुपए की कीमत की जमीन
4. गंगापुर सिटी में लाखों रुपए कीमत का दो मंजिला मकान, किराए पर दिया।
5. गंगापुर सिटी में एक रेस्टोरेंट के लिए खरीदी गई जमीन की जानकारी आई
6. गांव खिरखिड़ा जिला करौली में 5 बीघा में बना आलीशान फार्म हाउस, जिसकी चारों तरफ 10 फीट ऊंची दीवार। यहां आरोपी नेतागिरी के लिए जनसुनवाई करता
7. परिवारजनों के आधा दर्जन से अधिक बैंक खातों में लाखों रुपए का लेन देन होना पाया गया

### कोटा: बाथरूम में छिपाई घूस की राशि

**कोटा.** आरोपी प्रधान चौधरी।

**कोटा @ पत्रिका.** एसीबी बुधवार को उप तहसील खातौली के पटवार हल्का कैथुदा में पदस्थ पटवारी प्रधान चौधरी को 45 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। पटवारी ने रिश्वत की रकम बाथरूम में छुपा दी, लेकिन एसीबी टीम ने तत्काल बरामद कर ली। आरोपी जयपुर का निवासी है।

### जयपुर: आयकर के एमटीएस ने ली 10 हजार की रिश्वत

**जयपुर.** आरोपी विष्णु पारीक

**जयपुर @ पत्रिका.** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आयकर विभाग रेंज प्रथम के एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) विष्णु पारीक को बुधवार को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। स्टेच्यू सर्कल स्थित आयकर विभाग की पार्किंग में उसने रिश्वत की राशी ली थी। आरोपी ने परिवादी की फर्म को लेकर अपीलय अधिकरण न्यायपीठ जयपुर की ओर से जारी आदेश की पालना के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत ली थी। सत्यापन के दौरान ही पांच हजार रुपए ले लिए। शेष दस हजार की रिश्वत लेते आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

### अलवर: एएसआई ने ली 1 लाख 30 हजार की रिश्वत

आरोपी एएसआई और दलाल।

**अलवर @ पत्रिका.** एसीबी ने कोतवाली थाने में एएसआई और उसके दलाल को एक लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। परिवादी अजय साहू ने शिकायत दी कि उसके खिलाफ थाने में दर्ज प्रॉपर्टी संबंधी धोखाधड़ी के मामले में एफआर लगाने के लिए एएसआई कन्हैयालाल और उसके दलाल मजलिस ने डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांगी। एसीबी ने बुधवार शाम कोतवाली थाने में एएसआई कन्हैयालाल जाटव निवासी ग्राम हरसौली, गोविन्दगढ़ और उसके दलाल मजलिस खान निवासी ग्राम छिलोड़ी, रैणी को एक लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

---

**जैसलमेर बस अग्निकांड:** 5 सदस्यों की मौत

## नया आशियाना आबाद होने से पहले ही उजड़ गया परिवार

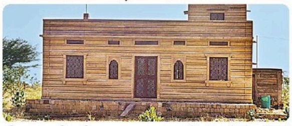

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**सेतरावा/जोधपुर.** नया आशियाना तैयार हो गया, लेकिन उसमें खुशियों की गूंज कभी नहीं बजेगी। महेन्द्र मेघवाल और उनका परिवार, जिन्होंने अपनी मेहनत और उम्मीदों से गांव में नया आशियाना तैयार किया था, लेकिन जिंदगी की बेरहमी के आगे कुछ पल भी वहां बिता नहीं पाए। यह घर, जिसे वे अपनी वृद्ध माता और बड़े भाई के परिवार के साथ रहने की कल्पना में संजो चुके थे, अब केवल सन्नाटे और शोक का गवाह बनेगा। दीपावली की खुशियों और परिवार के संग बिताए जाने वाले क्षणों की उम्मीदें अचानक मातम में बदल गई।

जैसलमेर में हुए भयानक बस अग्निकांड ने महेन्द्र, उनकी पत्नी और तीन बच्चों खुशूब (8), दीक्षा (6) और शौर्य (4) की जान ले ली और उनकी नई शुरूआत को अधूरी छोड़ दिया। कस्बे के निकटवर्ती लवारन गांव में बुधवार को शोक का सन्नाटा पसरा रहा। हर चेहरा उदास और गम में डूबा नजर आया। ढाणी में महिलाओं के करुण विलाप और चीत्कार ने सन्नाटे को चीर दिया। आसपास के लोग भी शोक में डूबे हुए थे। महेन्द्र मेघवाल जैसलमेर के गोला बारूद डिपो में जवान के रूप में तैनात थे। उनका परिवार ज्यादातर समय जैसलमेर के इंद्रा कॉलोनी में रहता था, लेकिन छुट्टियों में वे लवारन लौटकर माता गवरीदेवी और बड़े भाई के परिवार के साथ समय बिताना चाहते थे। कुछ वर्ष पूर्व ही महेन्द्र ने अपनी पुरानी ढाणी से थोड़ी दूरी पर नया आशियाना बनाया था, जिसे वे अभी तक नहीं बस पाए थे। अब यह घर परिवार के बिना सूना रह जाएगा। हादसे की जानकारी फैलते ही गांव में मातम छा गया। मृतकों के शवों को डीएनए जांच के लिए जोधपुर भेजा गया है, और जांच के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। लवारन पूर्व सरपंच मोमता राम मेघवाल ने बताया कि मृतकों के डीएनए जांच रिपोर्ट आने के बाद गुरुवार को पैतृक गांव लवारन में अंतिम संस्कार किया जाएगा। मृतक परिवार के साथ जुड़े ग्रामीणों और रिश्तेदारों का कहना था कि महेन्द्र मेहनती, जिम्मेदार और परिवार के प्रति समर्पित थे। उनका जाना गांव और परिवार दोनों के लिए अपूरणीय क्षति है।

## ट्रेलर ने तोड़ी रेलिंग, चाय की थड़ी में घुसा

**केलवा (राजसमंद) @ पत्रिका.** थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे उदयपुर की ओर जा रहा रफ्तार ट्रेलर हाईवे पर बेरिकेड्स के कारण बेकाबू हो गया और किनारे लगी रैलिंग तोड़ दी और सर्विस लेन में एक चाय की थड़ी में जा घुसा। हादसे में एक युवक के पैर और ट्रेलर चालक के सिर में हल्की चोट आई। समय रहते लोग चाय की थड़ी से भाग छूटे। गौरतलब है कि यात्रियों का हर समय आवागमन रहता है, वहीं छुट्टियों की वजह से स्कूल जाने वाले विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद नहीं थे अन्यथा उनके चपेट में आने की आशंका रहती। ट्रेलर से बाल-बाल बचे राधेश्याम ने बताया कि उन्हें जैसे ही खतरे का आभास हुआ वे सर्विस लेन से दूसरी तरफ कूद गए। पूरी घटना एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना पर केलवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेलर को साइड में करवाया।

## दीपक कहां है? परिवार की आंखों में इंतजार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जैसलमेर.** बस हादसे में 21 लोगों ने जान गंवा दी है। ऐसे में एक युवक ऐसा भी है, जो अब तक लापता बताया जा रहा है। जैसलमेर की गांधी कॉलोनी में रहने वाले सुभाष और शारदा हरिजन का 17 वर्षीय पुत्र दीपक जोधपुर जाने वाली बस में रवाना हुआ था। यह बस थोड़ी देर में आग त्रासदी का शिकार हो गई। जैसे ही यह सूचना दीपक के परिवार तक पहुंची, वे बदहवास हो गए। उन्होंने जवाहिर चिकित्सालय में पता किया लेकिन वह वहां लाए गए घायलों में शामिल नहीं था। दीपक के मामा भगवानराम ने बताया कि दीपक को किसी काम के लिए जोधपुर भेजा था। हादसा घटित होने के बाद दीपक की मां ने डीएनए जांच के लिए सेम्पल दिया, लेकिन वह जोधपुर में रखे किसी शव से मैच नहीं हुआ। भगवानराम ने बताया कि पूरा परिवार जोधपुर आया हुआ है। यहां दीपक के छोटे भाई गोपाल का सेम्पल भी चिकित्सकों ने लिया है। भगवानराम ने बताया कि उनका पूरा परिवार अभी तक असमंजस में है। पता नहीं चल पा रहा है कि, दीपक कहां है?

---

**सबक** नया सत्र अप्रेल से शुरू करने की कवायद का भी माना जा रहा है हिस्सा

# निशुल्क पाठ्यपुस्तक: नए सत्र के लिए अभी मांग लिए प्रस्ताव

### पिछले सत्र में दो महीने देरी से पहुंची थी किताबें

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**सीकर.** सरकारी स्कूलों में इस बार निशुल्क पाठ्य पुस्तक पहुंचाने में हुई करीब दो महीने की देरी से पाठ्यपुस्तक मंडल ने सबक ले लिया हैं। विभाग ने नए सत्र के लिए इस बार अक्टूबर महीने में ही सभी जिलों से पाठ्यपुस्तकों के प्रस्ताव मांग लिए हैं। जिन्हें ब्लॉक, कक्षा, पीईईओ व विषयवार बुधवार तक ही भेजने को कहा गया था। ऐसे में उम्मीद है कि नए सत्र में विद्यार्थियों को किताबों की समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा।

### देरी को लेकर हुआ था विवाद

**पाठ्यपुस्तक** की मांग जिलों से इस बार चार महीने पहले ही मांग ली गई है। अमूमन ये मांग जनवरी के अंतिम या फरवरी महीने में मांगी जाती रही है। लेकिन, इस सत्र में पाठ्यपुस्तकों में देरी को लेकर हुए विवाद के बाद शिक्षा मंत्री की 29 सितंबर को हुई बैठक में नए सत्र की पाठ्यपुस्तकें स्कूलों में जल्दी पहुंचाने पर चर्चा हुई थी।

### नए सत्र के हिसाब से तैयारी

**पाठ्यपुस्तकों** की संख्यात्मक सूचना जल्दी मांगने को इस बार किताबे पहुंचने में हुई देरी के सबक के अलावा सत्र में संशोधन की तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है। क्योंकि जुलाई की बजाय सरकार इस बार नया सत्र एक अप्रेल से शुरू करने की कवायद कर रही है। ऐसे में स्कूलों में पुस्तकों की जरूरत भी जल्दी पड़ेगी।

### जिले में आएंगी 16 लाख किताबें

**जिले** में नए सत्र में करीब पौने दो लाख विद्यार्थियों के हिसाब से पाठ्यपुस्तकों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। कक्षा व विषयवार पुस्तकों की ये संख्या करीब 16 लाख होगी।

सरकारी विद्यालयों में नए सत्र से पहले निशुल्क पाठ्यपुस्तकें पहुंचाने के लिए विभाग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत जिले में भी पुस्तकों के ब्लॉक, पीईईओ, कक्षा व विषयवार मांग के प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं। नए सत्र में विद्यालयों में पुस्तकों से संबंधित कोई समस्या नहीं रहेगी।
**मुकेश जैमन,** मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, सीकर

---

**पोलमपोल** भायो

बस बळगी काळस बची, झुळस्यो दीखै तन्त्र।
कस्या दूत यम राज का, जपै मौत को मन्त्र।।

**स्थापना दिवस व साहित्योत्सव**

## संस्कृत को जीना सीखें, यह विश्व निर्माण का मानचित्र: कोठारी

*पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी का विशिष्ट सम्मान*

पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी का सम्मान करते नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, केंद्रीय संस्कृत विद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी एवं प्रो. मदनमोहन झा।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जयपुर.** पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने कहा कि, संस्कृत को डिग्री का माध्यम नहीं बनाएं। संस्कृत सीखने का उद्देश्य सिर्फ नौकरी करना या आचार्य बनना नहीं है। इसे जीना सीखें, क्योंकि संस्कृत विश्व के निर्माण का मानचित्र है। अगर संस्कृत को समझ जाएंगे तो सृष्टि का निर्माण समझ जाएंगे। कोठारी बुधवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के 55वें स्थापना दिवस व साहित्योत्सव के मंथन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

कोठारी समारोह में सारस्वत अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के त्रिवेणी नगर में स्थित परिसर में किया गया। समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से कोठारी ने कहा कि कोई भी शास्त्र हो, उसे अपने जीवन में कैसे लागू करें, इस बारे में सोचने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालयों में अलग से वेद-विज्ञान का विभाग होना चाहिए, ताकि समझाया जा सके कि श्लोक और मंत्र जीवन में किस तरह काम आते हैं। इससे पहले उद्घाटन सत्र के दौरान समारोह में कोठारी का विशिष्ट सम्मान और अभिनंदन भी किया गया।

### गीता की वैज्ञानिकता को विश्व पटल पर नहीं रख पाए

**कोठारी** ने कहा कि हम आज तक गीता की वैज्ञानिकता को विश्व पटल पर नहीं रख पाए हैं। देश में इतने विश्वविद्यालय होने के बाद भी एक भी विज्ञान भाव का शोध भारतीय मनीषा से नहीं निकला, जिसने वैज्ञानिकों को चुनौती दी हो, जबकि गीता के सारे श्लोक विज्ञान भाव में लिखे गए हैं।

### जीव को मां ही इंसान बनाती है

**कोठारी** ने कहा कि, मां जानती है कि उसके गर्भ में आया जीव पिछला कौन सा शरीर छोड़कर आया है, कौन से संस्कार लेकर आया है। वह उसे मानवता के संस्कार देती है।

### अक्षर सृष्टि ही संस्कृत का स्वरूप

**कोठारी** ने कहा कि आज हम सौ साल भी जीते हैं, तो आत्मा की बात नहीं करते। शरीर में जड़ है, चेतना नहीं है। लक्ष्मी में भी चेतना नहीं है। पृथ्वी, प्रकृति को लक्ष्मी कहते हैं, लेकिन चेतना सरस्वती से आती है। उन्होंने कहा कि अक्षर सृष्टि ही संस्कृत का स्वरूप है।

**24 अक्टूबर तक रंगरोगन पूरा करने के निर्देश**

## गांवों के स्कूलों को सुधारने की जिम्मेदारी जिला परिषद को

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**बीकानेर.** दीपावली से पहले सरकारी स्कूलों की सूरत निखारने के लिए अब जिम्मेदारी जिला परिषदों को दी गई है। शिक्षा विभाग ने पहले यह काम विद्यार्थी कल्याण कोष से कराने के आदेश जारी किए थे, लेकिन कई स्कूलों में यह कोष उपलब्ध नहीं होने के कारण अब यह दायित्व जिला परिषद के कंधों पर आ गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगाराम ने प्रदेश के सभी जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को आदेश भेजे हैं। इसमें कहा गया है कि पंचायती राज संस्थाओं के अधीन आने वाले राजकीय विद्यालयों में कक्षा कक्षों का निर्माण, रखरखाव और उन्नयन कार्य परिषदों की जिम्मेदारी है, जिसके तहत रंगरोगन भी कराया जा सकता है। निर्देशों के अनुसार, मध्यावधि अवकाश के दौरान सभी विद्यालय भवनों का रंगरोगन 24 अक्टूबर तक कराना आवश्यक है इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) से पंचायत संस्थाओं के अधीन विद्यालयों की सूची प्राप्त की जाएगी, ताकि ग्राम पंचायतों को पता चल सके कि किन स्कूलों में रंगरोगन की जरूरत है।

### एक लाख तक का खर्च स्वीकृत

**प्रत्येक** विद्यालय पर रंगरोगन कार्य के लिए अधिकतम एक लाख रुपए तक का खर्च स्वीकृत किया है। आदेश में कहा है कि इस कार्य में उच्च गुणवत्ता वाले, पर्यावरण-अनुकूल और दीर्घकालीन टिकाऊ पेंट का उपयोग किया जाए, ताकि बरसात में रंग खराब न हो। प्रत्येक विद्यालय के रंगरोगन से पूर्व और बाद के दो फोटो जिला परिषद कार्यालय को भेजने होंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय भवनों का रंग निर्धारित कलर कोड के अनुरूप ही हो।

## ज्वलनशील फाइबर शीटें, रैग्जीन व पर्दों से अनियंत्रित हुई थी आग

**जोधपुर.** जेनम कोच यार्ड में कार्रवाई करते आरटीओ का दस्ता।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

**जोधपुर.** जैसलमेर में मौत का गोला बनी बस में सुरक्षा मानकों का अभाव था। बस की बॉडी बनाने में कई तरह की खामियां थी। बॉडी में ज्वलनशील फाइबर शीटों का उपयोग किया गया था। बस के अंदर स्लीपर और छत बनाने में फाइबर शीटें लगाई गई थी। एसी और बस की वायरिंग में भी खामियां थी। ऐसे में शॉर्ट सर्किट होने पर वायरिंग से फैली आग की लपटें जब फाइबर शीट तक पहुंची तो पूरी बस गोला बन गई थी। बस के आगे व पीछे वाला हिस्सा तो फाइबर का बना ही हुआ था। अंदर स्लीपर के भाग और अन्य जगहों पर भी फाइबर शीटें ही लगाई गई थी। जैसलमेर में स्लीपर बस में आग लगने से उसमें लगी फाइबर शीटें पिघल गई थी और उससे आग फैल गई थी। आरटीओ की ओर से बुधवार को जेनम कोच यार्ड पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान, विभागीय टीम ने वहां बन रही 64 बसों के चेसिस नम्बर लिए, वैधता देखी, इम्प्रेशन लेकर सभी 64 बसों को कब्जे में लेकर सीज किया।

### दावा: बस में दो इमरजेंसी गेट थे...

जिस बस में आग लगी थी वह केके ट्रैवल्स की है। उसमें सुरक्षा के सभी बंदोबस्त थे। दो इमरजेंसी दरवाजे थे। अग्निशमन रोधी यंत्र भी लगा था, लेकिन इतनी भीषण आग के आगे वह काफी छोटा था। - **मनीष जैन,** संचालक, जैनम कोच क्राफ्टर्स, जोधपुर

**एक और बड़ा ऐलान : योगी सरकार का उपहार, यूपी में 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक प्रोत्साहन अवधि**

# चालकों व परिचालकों को मिलेंगे 5850 रुपए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**लखनऊ.** यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दीपावली, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों पर प्रदेशवासियों की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश में 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक प्रोत्साहन अवधि घोषित की गई है। साथ ही अधिकारियों को अधिकतम बस संचालन और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

### अनफिट बसें नहीं चलाई जाएंगी

दयाशंकर सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रोत्साहन अवधि में सभी निगम बसें शत-प्रतिशत ऑनरोड रहें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में अनफिट बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। इस दौरान बसों की असेम्बली, स्पेयर पार्ट्स और जरूरी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए गए हैं।

### 450 रुपए प्रतिदिन की दर से 5850 रुपए प्रोत्साहन राशि

**उन्होंने** कहा कि प्रोत्साहन अवधि में कार्यरत चालकों, परिचालकों और कर्मचारियों के लिए सरकार ने आर्थिक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने कहा कि जो चालक-परिचालक 12 दिन ड्यूटी करते हुए औसतन 300 किमी प्रतिदिन का संचालन करेंगे, उन्हें 400 रुपए प्रतिदिन की दर से 4800 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं, अगर कोई कार्मिक 13 दिन लगातार ड्यूटी करता है और तय मानक पूरा करता है तो उसे 450 रुपए प्रतिदिन की दर से 5850 रुपए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसके अलावा अनुबंधित चालकों-परिचालकों को मानक से अधिक किलोमीटर अर्जित करने पर 0.55 रुपये प्रति किमी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा।

### बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी: दयाशंकर सिंह

**परिवहन राज्यमंत्री** (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा, ''पर्वों पर यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, कानपुर आदि मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा के लिए बस बढ़ाई जाएगी। छठ पर्व के दौरान पूर्वांचल के घर वापसी सफर बिना असुविधा के पूरा हो, यह प्राथमिकता है।''

### 13 दिन लगातार ड्यूटी करने पर 2500 रुपए

**कार्यशाला** कर्मचारियों को 13 दिन लगातार ड्यूटी करने पर 2500 रुपए और 12 दिन पर 2100 रुपए एकमुश्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी। उत्कृष्ट कार्य के लिए क्षेत्रीय प्रबंधकों को 10,000 रुपए, सेवा प्रबंधकों को 5,000 रुपए और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को बसों के आधार पर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

**इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश**

## संभल में मस्जिद और 80 मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई पर रोक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**प्रयागराज.** उत्तर प्रदेश के संभल में तालाब की जमीन पर बनी मस्जिद और 80 मकानों को नोटिस दिए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक लगा दी। अब संभल में तालाब की जमीन पर बनी संरचना पर कार्रवाई नहीं होगी। संभल के थाना रायसत्ती क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में स्थित आठ बीघा जमीन पर अवैध निर्माण के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। तहसीलदार के नोटिस को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसके बाद महमूद आलम और 18 अन्य लोगों की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया है।

संभल प्रशासन ने तालाब की भूमि पर अवैध निर्माण का नोटिस देकर सभी के मकानों पर लाल निशान लगाए थे। तालाब की जमीन पर बने होने से मकान अवैध करार देकर नोटिस जारी किया था।

### सभी मकानों पर लाल निशाल, दिया था नोटिस

**इससे** पहले प्रशासन ने सभी मकानों पर लाल निशान लगाकर नोटिस दिया था और 15 दिन के अंदर जवाब मांगा था। साथ ही अवैध निर्माण हटाने का भी निर्देश दिया था। इस दौरान प्रशासन ने करीब 40 मकानों को अवैध चिह्नित किया था।

**अन्य राज्यों के करीब 500 कलाकार लेंगे भाग**

## अवधी और भोजपुरी भजनों की धुनों पर झूमेगी अयोध्या नगरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**अयोध्या.** अयोध्या में दीपोत्सव 2025 को लेकर जबरदस्त उत्साह है। दीपोत्सव में 2000 से अधिक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इनमें उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के करीब 500 कलाकार भी प्रतिभाग करेंगे।

अयोध्या के 300 कलाकार भी इस भव्य आयोजन में शामिल होंगे। अयोध्या अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के सलाहकार और विशेष कार्याधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि अयोध्या में इस बार एक वृहद मंच, तीन मध्यम मंच और सात छोटे मंच बनाए जा रहे हैं। इन मंचों पर देशभर से आए कलाकार अवधी और भोजपुरी भजन व लोक संगीत की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

### श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित होंगे नाट्य मंचन

**अयोध्या** अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के सलाहकार और विशेष कार्याधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि राम कथा पार्क में वृहद मंच और मध्यम मंच तुलसी उद्यान, बड़ी देवकाली, और गुप्तार घाट पर स्थापित किए जा रहे हैं। इन मंचों पर भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित भव्य नाट्य मंचन होंगे।

दीपोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं को रामकथा सुनने और प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात छोटे मंच भी बनाए जा रहे हैं। यहां अयोध्या और आसपास के जिलों के कलाकार पारंपरिक लोकगीत, नृत्य और नाट्य प्रदर्शन करेंगे।

**परिवार-राजनीतिक दलों ने लगाए थे आरोप**

## मूसन क्षेत्र : फर्जी एनकाउंटर मामले में एसएचओ और इंस्पेक्टर सस्पेंड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**हाथरस.** हाथरस जिले के एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने फर्जी एनकाउंटर के आरोपों के चलते 2 पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। 9 अक्टूबर को मूसन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के मामले में परिवार और राजनीतिक दलों की ओर से फर्जी मुठभेड़ के आरोप लगे थे। मंगलवार को अधिकारियों का निलंबन किया गया।

मूसन क्षेत्र में व्यापारी के घर लूट के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। एक व्यक्ति को पैर में गोली लगी थी।

**निष्पक्ष जांच की मांग:** घायल व्यक्ति के परिवार और कई राजनीतिक दलों ने इस मुठभेड़ को फर्जी करार देते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा का कहना है कि मामले की जांच हाथरस गेट थाना प्रभारी के नेतृत्व में की जाएगी।

### घायल के परिजनों से एसपी ने की मुलाकात

**जिसके** बाद इस मामले में, मंगलवार को एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने घायल के परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद सख्त कदम उठाते हुए तत्कालीन एसएचओ मूसन थाना ममता सिंह और एंटी-थेफ्ट टीम के प्रभारी इंस्पेक्टर मुकेश कुमार को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया। इससे पहले, विवाद बढ़ने पर ममता सिंह को उनके पद से हटाकर फैमिली काउंसलिंग सेंटर में स्थानांतरित किया गया था।

**मिलावटखारों पर एक्शन : सीएम योगी ने दिए निर्देश**

# अब तक 2993 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त

### 17 अक्टूबर तक चलेगा दीपावली विशेष अभियान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**लखनऊ.** उत्तर प्रदेश में दीपावली के त्योहार को सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश सरकार के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दीपावली विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत अब तक प्रदेश भर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीमों ने 4621 निरीक्षण, 2085 छापे और 2853 नमूनों की जांच की। अब तक कुल 2993 क्विंटल मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 3.88 करोड़ रुपए है। मानव उपभोग के योग्य नहीं होने पर 1155 क्विंटल सामग्री नष्ट की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1.75 करोड़ रुपए है। उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत तीन प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं।

सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि त्योहारों को सुरक्षित, स्वच्छ और आनंददायक बनाने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश में मिलावटखोरी और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह खाद्य सामग्री के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। त्योहारों के अवसर पर आम नागरिकों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

हापुड़ में 6000 लीटर रिफाइंड सोयाबीन तेल जब्त किया गया। कानपुर देहात में 500 लीटर दूध, 400 किलो खोया, 2200 किलो बर्फी, 250 किलो पेड़ा और 358 किलो स्वीट केक नष्ट किए गए।

### उपभोक्ताओं की सुरक्षा हो सके सुनिश्चित

**उन्होंने** बताया कि शीघ्र नष्ट होने वाली सामग्री जब्त और विनष्ट की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अभियान में प्रमुख कार्रवाइयों में उन्नाव में 215 किलो खोया जब्त कर नष्ट किया गया और नमूने संग्रहित कर एक एफआईआर दर्ज की गई। मथुरा में 400 किलो मिलावटी पनीर नष्ट किया गया। लखनऊ में 802 किलो खोया नष्ट किया गया। झांसी में 1200 किलो खोया, हाथरस में 790 किलो मिलावटी आचार जब्त कर 3000 किलो खराब आचार नष्ट किया गया। बुलंदशहर में 3000 किलो मिलावटी रसगुल्ला व गुलाबजामुन, मीरजापुर में 1478 किलो मिलावटी खोया, सहारनपुर में 1100 किलो खोया नष्ट किया गया।

### लाखों मूल्य की मिलावटी सामग्री नष्ट

**आगरा,** अलीगढ़, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर में भी लाखों मूल्य की मिलावटी सामग्री नष्ट की गई। टोल प्लाजा और हाईवे पर भी अभियान की कार्रवाई में बड़ी जब्तियां शामिल हैं। साहिबाबाद टोल पर 750 किलो पनीर, हापुड़ छिजारसी टोल पर 1500 किलो पनीर, एनएच 34 जीटी रोड कानपुर से 4040 किलो खोया, बाराबंकी टोल से 910 कार्टन मिठाई, और कानपुर पनकी रोड से 2450 किलो खोया नष्ट किया गया।

## एनकाउंटर के नाम पर जनता को डराया जा रहा है : अखिलेश

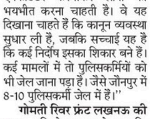

**लखनऊ @ पत्रिका.** समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार केवल एनकाउंटर की राजनीति कर रही है ताकि लोगों को डराया जा सके, लेकिन राज्य की कानून-व्यवस्था सुधारने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। अखिलेश ने कहा, ''यह सरकार एनकाउंटर करवाकर लोगों को भयभीत करना चाहती है। वे यह दिखाना चाहते हैं कि कानून व्यवस्था सुधार ली है, जबकि सच्चाई यह है कि कई निर्दोष इसका शिकार बने हैं। कई मामलों में तो पुलिसकर्मियों को भी जेल जाना पड़ा है। जैसे जौनपुर में 8-10 पुलिसकर्मी जेल में हैं।''

**गोमती रिवर फ्रंट लखनऊ की शान:** अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोरखपुर और लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट पर कवि केदारनाथ सिंह की प्रतिमा लगाई जाएगी। उन्होंने कहा, ''गोमती रिवर फ्रंट लखनऊ की शान है, हम वहां केदारनाथ सिंह को सम्मानित करेंगे।''

उन्होंने कहा कि सरकार सफेद टेबल पर बैठकर काले झूठ बोलती है। गोमती नदी की सफाई की योजना सिर्फ कागजों में है। जो सीवर का पानी गिर रहा है, उसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

**विभिन्न दलों में सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी**

## एनडीए में सबकुछ ठीक,छोटी-मोटी बातों को सुलझा लेंगे : मंत्री धर्मवीर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**लखनऊ.** उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के विभिन्न दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी के सवाल पर स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई बात नहीं है। यदि कोई छोटी-मोटी समस्या होगी, तो हमारे शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकर इसका समाधान कर लिया जाएगा। यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि एनडीए में सबकुछ ठीक हैं, किसी तरह से कोई परेशानी नहीं है।

ओम प्रकाश राजभर द्वारा बिहार चुनाव अकेले लड़ने के ऐलान पर प्रजापति ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर उत्तर प्रदेश में हमारे गठबंधन सहयोगी हैं। उत्तर प्रदेश में हमारा गठबंधन है और हम इसे निभा रहे हैं। बिहार में हमारा गठबंधन नहीं है।

### प. बंगाल में सख्ती नहीं

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर रेप मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रजापति ने कहा कि ममता बनर्जी का बयान पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना और निंदनीय है। वे एक महिला मुख्यमंत्री हैं, फिर भी ऐसी बात कह रही हैं।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा की गारंटी लेते हैं। यदि पश्चिम बंगाल में सख्ती होती, तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। यदि वहां सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

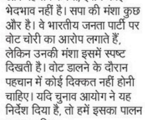

मंत्री धर्मवीर प्रजापति

### सपा की मंशा कुछ और

समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बुर्का पहनने वाली महिलाओं की जांच को भेदभावपूर्ण बताए जाने पर उन्होंने कहा कि इसमें भेदभाव कहां है? हमारी महिला अधिकारी जांच करेंगी और पहचान करेंगी, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। सपा की मंशा कुछ और है। वे भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी का आरोप लगाते हैं, लेकिन उनकी मंशा इसमें स्पष्ट दिखती है। वोट डालने के दौरान पहचान में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यदि चुनाव आयोग ने यह निर्देश दिया है, तो हमें इसका पालन करना चाहिए।

**सीट शेयरिंग का फॉर्मूला नहीं निकल पाया :** गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरण में कराए जाएंगे। 14 नवंबर को परिणाम घोषित किया जाएगा। भाजपा और जदयू ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। लेकिन, अभी तक महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला नहीं निकल पाया है। दावा किया जा रहा है कि जल्द घोषणा होगी।

**मेरठ मेले में जलवा** | **जोरावर बुल ने जीता पहला इनाम**

# उम्र 4 साल, वजन 16 क्विंटल...कमाई 4 लाख महीना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**मेरठ.** मेरठ के सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में मेले में तरह-तरह के एक से बढ़कर एक पशु आए हैं। यहां जोरावर नाम के बुल ने पहला ईनाम जीता। ईनाम जीतते ही जोरावर की चर्चा होने लगी। चर्चा हो भी क्यों न जोरावर है ही कमाल। जोरावर की उम्र लगभग 4 साल है और उसका वजन 16 क्विंटल है। जोरावर अपने मालिक को महीने की 4 लाख रुपए की इनकम करवाता है।

**जोरावर की डाइट:** नसीब बताते हैं जोरावर को भी अन्य पशुओं की तरह हरा चारा, भूसा, खल, बिनौला, चना, सोयाबीन समेत कैल्शियम के लिए दूध भी पीता है। हर दिन इम्युनिटी बरकरार रखने के लिए गुड़ दिया जाता है. प्रोटीन समेत और भी बहुत सी चीजें नियमित खिलाई जाती हैं, जिससे उसकी सेहत बरकरार रहे।

**जोरावर बिक्री के लिए नहीं :** नसीब का कहना है कि जोरावर को बिक्री के लिए नहीं लाए हैं। जोरावर फैमिली मेंबर की तरह है। वह चाहते हैं कि पूरे देश में अच्छी नस्ल के बुल तैयार हों।

### थोक-फुटकर अलग-अलग

**नसीब** ने बताया कि जोरावर के सीमन से हर महीने लगभग 4 लाख की कमाई हो जाती है। महीने में जोरावर का 8 बार वीर्य लिया जाता है। एक बार के वीर्य से 500 से 600 सीमन तैयार हो जाते हैं। थोक और फुटकर के लिए रेट अलग-अलग रखे गए हैं। अगर कोई फुटकर सीमन लेने आता है तो उसके लिए एक सीमन की कीमत 100 रुपए रखी गई है।

'जोरावर' के साथ उत्साह में पशुपालक।

### शंकर नस्ल के वर्ल्ड वाइड 'सीमन' से तैयार

**हरियाणा** के कुरूक्षेत्र में स्थित सुनरिया गांव से मेरठ कृषि मेले में आए पशुपालक नसीब ने बताया कि 'जोरावर' शंकर नस्ल के वर्ल्ड वाइड 'सीमन' से तैयार गाय का बछड़ा है। यह होल्स्टीन फ्रीजियन ( Cross Breed) शंकर नस्ल का सांड है. नसीब बताते हैं, कि 'जोरावर' की मां का भी रिकॉर्ड है। वह प्रतिदिन 67 लीटर दूध देती है। नसीब ने आगे बताया कि वह मेले में कई बार आए हैं लेकिन जोरावर के साथ पहली बार पहुंचे हैं। पहली बार में ही जोरावर मेले का चैंपियन बना है।



**अभियान में बरामद 157 में से 58 हथियार पुलिस से लूटे थे**

# नक्सल और साइबर अपराध नियंत्रण में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**रांची.** झारखंड पुलिस ने वर्ष 2025 के जनवरी से सितंबर माह तक नक्सल विरोधी अभियानों और साइबर अपराध नियंत्रण में जबरदस्त सफलता हासिल की है। आइजी अभियान माइकल राज एस ने पुलिस मुख्यालय में संवाददाताओं को बताया कि नक्सल विरोधी अभियान में कुल 157 हथियार बरामद हुए हैं। इनमें 58 हथियार पुलिस से लूटे थे।

जनवरी से सितंबर तक नक्सलियों के कब्जे से 11,950 गोलियां, 18,884 डेटोनेटर, 394.5 किलोग्राम विस्फोटक और 39.53 लाख रुपए की लेवी राशि जब्त की गई है। नक्सलियों के लगाए गए 228 आईईडी विस्फोटकों को नष्ट किया गया और 37 नक्सली बंकर ध्वस्त किए गए। इस अभियान में कुल 266 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ों में 32 नक्सली मारे गए, जिनमें दो सेंट्रल कमेटी के बड़े सदस्य विवेक उर्फ प्रयाग मांझी और अनुज उर्फ सहदेव सोरेन शामिल हैं। इन पर एक करोड़ रुपये का इनाम भी था। साथ ही 10 लाख के इनामी जोनल कमांडर साहेब राम मांझी उर्फ राहुल भी मुठभेड़ में मारा गया।

### मोबाइल, सिम, एटीएम कार्ड, वाहन, हथियार, गोलियां जब्त

आइजी माइकल राज एस

**उन्होंने** बताया अगस्त और सितंबर के बीच साइबर अपराध के 128 मामलों में 105 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 139 मोबाइल फोन, 166 सिम कार्ड, 60 एटीएम कार्ड और 2.81 लाख रुपए नकद बरामद हुए। माइकल ने बताया कि साल 2025 के पहले नौ महीनों में कुल 12,651 वारंट निष्पादित किए गए और 4,186 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 413 वाहनों, 136 हथियारों और 1221 गोलियों को भी जब्त किया गया। अमन साहू गिरोह के सक्रिय अपराधी सुनिल कुमार उर्फ मयंक सिंह को अजरबैजान से भारत प्रत्यर्पित कर लाया गया।

### कट्टरपंथी और डकैतों को दबोचा

**रांची** में कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े व्यक्ति को गिरफ्तार कर हथियार व रसायन जब्त किए गए। रामगढ़ डकैती मामले में चार आरोपियों को चार अवैध हथियारों के साथ पकड़ा गया। खूंटी में 838.33 किलोग्राम डोडा जब्त किया गया। वहीं, रांची में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 3.25 लाख रुपए के जाली नोट बरामद किए गए।

## पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम की जयंती पर सीएम ने दी श्रद्धांजलि

**पटना @ पत्रिका.** भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए डॉ कलाम के जीवन और योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लिखा है कि, ' भारत रत्न और देश के सर्वप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें सादर नमन। उनका जीवन राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका योगदान और युवाओं को प्रेरित करने वाला उनका व्यक्तित्व हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

**सरना धर्मावलंबी व आदिवासी लेंगे हिस्सा**

## कुडमी एसटी मांग के विरोध में रांची में आदिवासी समाज की हुंकार रैली कल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**रांची.** झारखंड के आदिवासी संगठनों ने कुडमी समाज की एसटी दर्जा मांग के खिलाफ 17 अक्टूबर को रांची के धुर्वा प्रभात तारा मैदान में आदिवासी हुंकार रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस रैली में राज्यभर से हजारों की संख्या में सरना धर्मावलंबी और आदिवासी समाज के लोग हिस्सा लेंगे।

देशावली सरना स्थल में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के दौरान संजय पाहन ने कहा कि यह आंदोलन आदिवासी समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आदिवासी समाज धरती के सच्चे मूल निवासी हैं और इतिहास में उन्हें आदिवासी के रूप में औपचारिक दर्जा प्राप्त है। वहीं कुडमी समाज मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है और उनमें आदिम जनजातीय लक्षण नहीं पाए जाते।

इस दौरान संजय पाहन ने कुडमी समाज की एसटी दर्जा मांग को राजनीतिक लाभ के लिए उठाया मामला बताया।

### आंदोलन की एकजुटता को दर्शाया जाएगा

**पाहन** ने उल्लेख किया कि आदिवासी महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली लाल पाड़ साड़ी अब संघर्ष और पहचान का प्रतीक बन चुकी है। यह साड़ी हर आदिवासी घर में मौजूद है, रैली के दौरान इसके माध्यम से आंदोलन की एकजुटता दर्शाई जाएगी।

## नीतीश कुमार कल से चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करेंगे : संजय झा

**पटना @ पत्रिका.** जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार से चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करेंगे । झा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पहले चरण के चुनाव के लिए जदयू उम्मीदवारों की सूची जल्द जारी की जाएगी। दूसरे चरण के चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची एक-दो दिन में घोषित कर दी जाएगी।

**बिहार की हाईप्रोफाइल सीट है मोकामा**

## दो वर्तमान महिला विधायकों की जगह उनके पति लड़ेंगे चुनाव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**पटना.** बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और जदयू की ओर से अबतक जारी गयी सूची के अनुसार दो वर्तमान महिला विधायकों की जगह उनके पति चुनाव लड़ेंगे।

मोकामा से राजद की विधायक नीलम देवी की जगह उनके पति बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह और गौड़ाबौराम की भाजपा की विधायक स्वर्णा सिंह की जगह उनके पति सुजीत कुमार सिंह चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बिहार की हाईप्रोफाइल सीट मोकामा से अनंत सिंह छठी बार चुनावी संग्राम में जोर आजमा रहे हैं। 'छोटे सरकार' के नाम से चर्चित अनंत सिंह फरवरी 2005 में मोकामा विधानसभा सीट से पहली बार चुनाव जीते थे। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर 2005,वर्ष 2010,वर्ष 2015,वर्ष 2020 में भी उन्होंने चुनाव जीता। हालांकि 15 जुलाई 2022 को एके-47 केस में सजा सुनाए जाने के बाद अनंत सिंह की विधानसभा की सदस्यता चली गई। उसके बाद रिक्त हुयी मोकामा विधानसभा सीट पर नवंबर 2022 में हुये उपचुनाव में राजद के टिकट पर उनकी पत्नी नीलम देवी विधायक बनी। इसी तरह वर्ष 2020 में गौड़ाबौराम सीट पर राजग के घटक दल विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) के टिकट पर स्वर्णा सिंह ने जीत हासिल की थी। हालांकि बाद में वह भाजपा में शामिल हो गयी। इस सीट पर स्वर्णा सिंह की जगह उनके पति और पूर्व भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) अधिकारी सुजीत कुमार सिंह इस बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। सिंह हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं।

### जदयू ने चार विधायकों को किया बेटिकट , दो पर पुत्र लड़ेंगे चुनाव

**पटना @ पत्रिका.** राजग के घटक जदयू ने पहली सूची में चार विधायकों को बेटिकट कर दिया है, वहीं दो सीटों पर उनके पुत्रों को चुनावी समर में उतारा गया है। जदयू ने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। इसके अनुसार पार्टी ने कुशेश्वरस्थान से अमन हजारी को, सकरा से अशोक कुमार चौधरी, वारिसनगर से अशोक कुमार और बरबीघा से सुदर्शन कुमार को बेटिकट कर दिया है। पार्टी ने कुशेश्वरस्थान से पूर्व मंत्री डा. अशोक राम के पुत्र अतिरेक कुमार को टिकट दिया है। राम हाल ही में कांग्रेस छोड़कर अपने पुत्र के साथ जदयू में शामिल हुये थे। वहीं सकरा से विधायक अशोक कुमार चौधरी की जगह उनके पुत्र आदित्य कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह वारिसनगर से अशोक कुमार की जगह उनके पुत्र मांजरीक मृणाल को उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने बरबीघा से सुदर्शन कुमार की जगह पूर्व विधायक प्रो. आरपी शर्मा के पुत्र कुमार पुष्पंजय को उम्मीदवार बनाया है।

## कालाधन और नशा इस्तेमाल पर लगाम, 33.97 करोड़ की जब्ती

**पटना @ पत्रिका.** बिहार विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की दिशा में चुनाव आयोग ने धनबल, मुफ्त उपहार, नशे, मादक पदार्थों और शराब के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए सभी संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश जारी किये हैं। खर्च की निगरानी के लिये व्यय पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति कर दी गई है।

चुनाव आयोग ने राज्य पुलिस विभाग, उत्पाद विभाग, आयकर विभाग, वित्तीय खुफिया इकाई, भारतीय रिज़र्व बैंक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्व खुफिया निदेशालय, सीजीएसटी, एसजीएसटी, सीमा शुल्क, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल, हवाई अड्डा प्राधिकरण, डाक विभाग, वन विभाग और सहकारिता विभाग सहित अन्य एजेंसियों को सक्रिय कर दिया हैं। चुनाव आयोग ने इलेक्शन सिज़र मैनेजमेंट सिस्टम को भी सक्रिय किया है, जिसके माध्यम से फ्लाइंग स्क्वाड और प्रवर्तन एजेंसियां जब्ती की घटनाओं की रिपोर्टिंग वास्तविक समय में कर सकेंगी। चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक विभिन्न एजेंसियों की ओर से कुल 33.97 करोड़ मूल्य की नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त वस्तुओं की जब्ती की जा चुकी है।

**हेमंत सरकार और पुलिस प्रशासन पर साधे निशाने**

## झारखंड में अपराधियों का तांडव, पुलिस बनी है मूकदर्शक : बाबूलाल मरांडी

**रांची @ पत्रिका.** झारखंड में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में लगातार बढ़ते आपराधिक घटनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजधानी रांची के कटहल मोड़ पर दिनदहाड़े सीमेंट कारोबारी राधेश्याम साहू पर हुई गोलीबारी ने यह साबित कर दिया है कि राज्य में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं बची है। अपराधी खुलेआम तांडव मचा रहे हैं, जानलेवा हमले और गोलीबारी कर व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं लेकिन हमारा पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। मरांडी ने कहा कि लगातार कारोबारियों पर हो रहे हमलों से व्यावसायिक समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल गहराता जा रहा है। हालात इतने वीभत्स हो गए हैं कि झारखंड में अब कारोबार करना खतरे से खाली नहीं रहा। जब राजधानी ही असुरक्षित है, तो प्रदेश के बाकी हिस्सों की स्थिति का अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है। धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, जमशेदपुर जैसे शहरों में अपराधी भयादोहन करने लिये फायरिंग कर आतंक पैदा किये हुंए हैं। व्यवसायी से लेकर डाक्टर तक भयादोहन के शिकार बनाये जा रहे हैं। ऐसा लगता है इस धंधें का हिस्सेदार भी पुलिस और सत्ता में बैठे लोग हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार जनता को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। कानून व्यवस्था संभालने के बजाय पुलिस वसूली में व्यस्त है। अपराधियों को अपराध करने की खुली छूट मिली हुई है, जिससे आम जनता और व्यापारी वर्ग भयभीत हैं।

## धौलखेड़ा से दयाल बाबा की पदयात्रा रवाना

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, मण्डावर।** यहां तहसील क्षेत्र के धौलखेड़ा गांव से बुधवार को जांगिड़ समाज के तत्वाधान में दयाल बाबा की पदयात्रा गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। जांगिड़ समाज के अध्यक्ष सतीश जांगिड़ ने बताया कि बुधवार को जांगिड़ समाज के तत्वाधान में अलीपुर स्थित दयाल बाबा की पद यात्रा गाजे बाजे के साथ विधिवत पूजा अर्चना के बाद रवाना हुई। यात्रा को भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह धौलखेड़ा ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

अध्यक्ष ने बताया कि यात्रा टुड़ियाना, बालाहेड़ा होते हुए अलीपुर दयाल बाबा के पहुंचेगी। इस दौरान देवेंद्र जांगिड़, हरिओम जांगिड़, कुंजबिहारी जांगिड़ सहित अनेक समाज के लोग मौजूद रहे।

### महुवा में आत्मनिर्भर भारत 2025 विधानसभा सम्मेलन संपन्न

## आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की नई आर्थिक नीति की आत्मा

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, महुवा।** आत्मनिर्भर भारत 2025 विधानसभा सम्मेलन का आयोजन बुधवार को सायं 4 बजे अवध मैरिज होम, महुवा में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष व मुख्य अतिथि पंकज गुप्ता, महुवा विधायक राजेंद्र मीणा तथा दौसा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला, जिला महामंत्री रवि पालीवाल, अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और युवा शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर

प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की नई आर्थिक नीति की आत्मा है। हर कार्यकर्ता को गांव-गांव तक इस संदेश को पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थानीय संसाधनों के उपयोग, स्वरोजगार और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है।

जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना अधूरी है। महिला शक्ति को सशक्त बनाना ही असली विकास है। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार रखे। अंत में राष्ट्रगीत के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। इस दौरान शहर मंडल अध्यक्ष भगवान सहाय तिवारी, पूर्व अध्यक्ष विनीत बंसल, पूर्व प्रधान वह कार्यक्रम संयोजक मिश्री देवी मीणा, विमल जैन, दिनेश बंसल, पूर्व सरपंच अमरचंद मीणा, रामचरण गुप्ता, श्याम सुंदर सारवान, राम किशोर ठेकड़ा, हेमेंद्र तिवारी, देव प्रकाश ठेकेदार, मंजू लता जाटव सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष एसडी शर्मा का किया स्वागत

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, दौसा।** राजस्थान ब्राह्मण महासभा सिकराय के प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण फेडरेशन के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष एसडी शर्मा व राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम जैमिनी का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। राजस्थान ब्राह्मण महासभा सिकराय के प्रतिनिधिमंडल में रामस्वरूप चतुर्वेदी, रतन जोशी (मानपुर), सतीश उपाध्याय (भोजपुरा), महेश शर्मा (भण्डारी), दिनेश कुमार चतुर्वेदी (जगसहायपुरा), बाबूलाल शर्मा (रायपुरा), चिरंजी लाल पाखरिया (मानपुर), दिनेश भौमिया (सिकन्दरा), पुरूषोत्तम भारद्वाज (जयपुर), गोविंद सहाय शर्मा (सिकराय) शामिल थे। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष एसडी शर्मा एवं राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष आरएस जैमिनी ने दौसा जिले को राजस्थान की राजधानी जयपुर का नजदीकी जिला होने के कारण जिले मे राजस्थान ब्राह्मण महासभा संगठन को मजबूत बनाने तथा 16 नवंबर को जयपुर मे होने वाले युवक- युवती परिचय सम्मेलन मे अधिक से अधिक रजिस्टेशन कराकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया । इस अवसर पर उपस्थित राजस्थान ब्राह्मण सभा के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष आरडी शर्मा व राजस्थान ब्राह्मण सभा के कार्यालय प्रभारी साण्डिल का भी माला व साफा पहनाकर सम्मान किया।

सिकराय के प्रतिनिधिमंडल से अनेक महत्वपूर्ण बिन्दूओ पर विचार विमर्श कर अखिल भारतीय ब्राह्मण फेडरेशन और राजस्थान ब्राह्मण महासभा के इतिहास, संघर्ष के साथ साथ राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर संचालित कार्यक्रमो, गतिविधियों की जानकारी दी। दौसा जिले के ब्राह्मण जब कभी आवश्यकता महसूस करेंगे उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े मिलने का भरोसा दिलाया।

यह जानकारी स्वागत सम्मान कर लौटे प्रतिनिधिमंडल की ओर से रामस्वरूप चतुर्वेदी ने दी।

## शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा की बैठक में महिला सम्मेलन पर चर्चा

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, रामगढ़ पचवारा।** राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा रामगढ़ पचवारा की मासिक बैठक बुधवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रामगढ़ पचवारा में सभाध्यक्ष मुन्नालाल मीना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शिक्षकों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई । उपशाखा मंत्री भरतलाल मीणा ने बताया कि 16 नवंबर 2025 को होने वाले महिला सम्मेलन पर चर्चा की गई। जिसमें ब्लॉक से सभी महिला शिक्षकों की सहभागिता पर जोर दिया। इसके लिए सभी महिला शिक्षकों की सूची तैयार करना, प्रांतीय शिक्षक सम्मेलन में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करना , ब्लॉक में संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करना , प्रत्येक पीईईओ के अधीन सभी सरकारी विद्यालयों में संगठन से जुड़े व नहीं जुड़े उन विद्यालयों की सूची तैयार करने आदि बिंदुओं के अतिरिक्त विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर संगठन के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुरेन्द्र जांगिड़ ने कहा कि संगठन के सभी कार्यक्रम संगठन की रीति नीति के अनुसार तथा सभी कार्यकारिणी सदस्यों,एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की सहमति , सहभागिता से आयोजित किए जाएं जिससे संगठन अधिक मजबूत हो सके। इस अवसर पर उपशाखा कोषाध्यक्ष लालू राम बैरवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद मीना , पं.स.शि प्रतिनिधि हरिशंकर सोनी, हीरालाल खटीक , बनवारी लाल शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार सोनी, पूर्व मंत्री हरिनारायण मीना , विकास गौतम,कपिल भारद्वाज आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## संत दुर्बलनाथ पर पैनोरमा निर्माण की संभावना टटोलने आए ओंकार सिंह लखावत

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांदीकुई।** ब्रह्मलीन खटीक समाज के अनंत संत दुर्बलनाथ महाराज पर पैनोरमा बनाने की विधायक भागचंद टाकड़ा की ओर से उठाई गई मांग को राज्य सरकार गंभीरता से ले रही है। जिसके चलते पैनोरमा निर्माण की संभावनाओं को तलाशने के लिए बुधवार धरोहर संरक्षण प्राधिकरण,राजस्थान सरकार एवं पूर्व सांसद ओंकार सिंह लखावत ने अपनी टीम के साथ शहर के भांडेड़ा रोड स्थित संत दुर्बलनाथ मंदिर एवं समाधि स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विधायक भागचंद टाकड़ा के साथ संत दुर्बलनाथ महाराज की प्रतिमा के आगे माथा टेककर संत का साहित्य का अध्ययन भी किया। संत दुर्बलनाथ का भारतीय जीवन मूल्यों और संस्कृति को लेकर पर्याप्त साहित्य है। उन्होंने निर्गुण और सगुण का समन्वय,सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा दिया और अंधविश्वास,आडंबर का विरोध,जीवों से प्रेम और योग साधना और सनातन धर्म को आगे बढ़ाने का कार्य किया। श्री दुर्बलनाथ गोरखनाथ परंपरा के संत है। लखावत ने पैनोरमा की प्रक्रिया,आवश्यकता पर अपने विचार रखे। उन्होंने बहुत ही सकारात्मक एवं बारीकी से सभी संभावनाओं को देखा। विधायक टांकडा ने अध्यात्म त्रिकोण में बांदीकुई के महत्व को बताया और साथ ही श्री दुर्बलनाथ के कार्यक्रमों में देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या की अधिकता के कारण बड़े स्तर पर पैनोरमा की योजना बनाए जाने पर विचार व्यक्त किए। स्थानीय संत मंगलनाथ ने सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एसडीएम बांदीकुई व अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान श्री दुर्बलनाथ प्रचार समिति एवं खटीक समाज व शहर मंडल अध्यक्ष, महामंत्री इन्द्र कुमार शाहरा, पूर्व अध्यक्ष मनोज टोडवाल, जिला मंत्री, मीडिया प्रभारी गौरीशंकर सैनी, प्रमोद व्यास, नरसिंह सैनी, अजीत भदौरिया, विकास जैन मेव समेत अनेक कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे।

## पुलिस ने फरार स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, महुवा।** यहां बुधवार को महुवा थाना पुलिस ने सात वर्ष से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना अधिकारी राजेन्द्र मीना ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महुवा न्यायालय से जारी स्थायी वारंट खान आयरन बनाम लक्ष्मन (सीआर नं. 336/2018) धारा 138 एनआई एक्ट के मामले में आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था, जिस पर न्यायालय ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था। थाना महुवा पर गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए 7 साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी लक्ष्मन बैरवा पुत्र रघुनाथ बैरवा निवासी बैरवा मोहल्ला, रामगढ़ थाना महुआ, जिला दौसा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

## बंजारा ढाणी उदयपुरा प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, मेहंदीपुर बालाजी** मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के गांव उदयपुरा की बंजारा ढाणी में क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इस दौरान उद्घाटन कार्यक्रम में आए अतिथियों ने फीता काटकर वह क्रिकेट खेलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। बंजारा ढाणी उदयपुरा प्रीमियर लीग सीजन 3 क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारी कमेटी द्वारा पिछले कई महीनों से की जा रही थी। बुधवार को उद्घाटन समारोह में अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। प्रतियोगिता के सारे मैच टेनिस बॉल से खेले जाएंगे। उदयपुरा, मेहंदीपुर बालाजी सहित दर्जनों गांव की कुल 64 टीम में प्रतियोगिता में भाग लेंगी। पहले दिन उद्घाटन मैच पिलोड़ी व पदमपुरा की टीमों के बीच हुआ। जिसमें पीलोड़ी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। वहीं उद्घाटन मैच में पदमपुरा की टीम 5 विकेट से विजयी रही। बता दें कि प्रतियोगिता की विजेता टीम को 71000 और उपविजेता को 35000 रुपए की राशि और शील्ड कमेटी द्वारा दी जाएगी। उद्घाटन के दौरान अतिथियों ने खिलाड़ियों से पूरी मेहनत और लगन से खेल खेलने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से गांव और समाज में आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता का समावेश होता है। इस दौरान उदयपुरा सरपंच प्रतिनिधि अशोक बैरवा, उप सरपंच अशोक सिंह, वार्ड मेंबर कमोद सिंह, पूर्व सरपंच शिवचरण मीणा, लाल खां सहित कमेटी के सदस्य और सैंकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

## कुत्तों ने बालिका पर हमला कर किया घायल

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, बसवा।** कस्बे के नगरपालिका कार्यालय के बाहर सोमवार को आवारा कुत्तों ने एक मासूम बालिका पर हमला कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, बसवा निवासी कृपा सोडिया, पुत्री सिताराम सोडिया, अपने पिता के साथ नगर पालिका परिसर में सरकार द्वारा आयोजित शिविर में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने आई थी। इस दौरान जैसे ही वह कार्यालय के बाहर निकली, आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। कुत्तों ने बालिका के चेहरे और मुंह पर कई जगह काट लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए बड़ी मुश्किल से बालिका को स्वान (कुत्तों) से छुड़ाया और बसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी परन्तु पिता के द्वारा बच्ची की हालत गंभीर चोटों के कारण उसे दौसा जिला अस्पताल दिखाने गये। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कस्बे में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। लेकिन नगरपालिका प्रशासन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। नागरिकों ने मांग की है कि नगर पालिका क्षेत्र में शीघ्र कुत्ता पकड़ो अभियान चलाया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

### विधायक रामबिलास मीना के प्रयासों से हुआ संभव

## लालसोट में 9 करोड़ की लागत से बनेगी 11 सड़कें, स्वीकृति जारी

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, लालसोट।** राज्य सरकार द्वारा लालसोट विधानसभा क्षेत्र में 11 सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण के लिए 9 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। लालसोट विधायक रामबिलास मीना ने बताया कि बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए भी प्रस्ताव सरकार को भेजे गए हैं। जिन सड़कों के लिए स्वीकृति मिल चुकी है, वहां वहां शीघ्र ही काम शुरू कराया जाएगा। बाकी सड़कों के लिए भी अलग-अलग मदों से बजट स्वीकृत करवाकर नवीनीकरण और मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। जिन सड़कों की स्वीकृति जारी की गई है उनमें शाहजहांनपुरा से खलकाई माता वाया लाहड़ीकाबास रोड के लिए 1.04 करोड़ रुपए, भांवता से चक्काली मोड़ तक 65 लाख रुपए, राहुवास से पालुंदा वाया मूंजपुरिया तक 1.30 करोड़ रुपये और टोरड़ा से खारीवाड़ा तक 1.04 करोड़ रुपए शामिल हैं। इसके अलावा पपलाज माता रोड से रणवा तक 26 लाख रुपए, खटवा खेड़ली रोड से यज्ञशाला तक 70.20 लाख रुपए, स्टेट हाईवे 24 से बाढ़ बड़वा वाया राजपुरा तक 1.04 करोड़ रुपए, बुटोलिया ढाणी तक 52 लाख रुपए, छावा से लिवाली रोड तक 1.04 करोड़ रुपए और बिलौना कलां से श्यामपुरा खुर्द वाया रामभोला बालाजी तक 52 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। विधायक रामबिलास मीना द्वारा सड़कों की स्वीकृति जारी कराए जाने पर ग्रामीणों ने उनका आभार जताया।

## छप्परपोश में आग लगने से लाखों का नुकसान

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, सिकराय।** सिकंदरा थाना अंतर्गत क्षेत्र के जौध्या गांव में रविवार देर रात अचानक लगी आग से अफरा-तफरी मच गई। बिजली के शॉर्ट सर्किट से मानसिंह, राजेश और हरकेश के पाटोलपोश व छप्परपोश में भीषण आग लग गई। आग लगते ही घरों में रखे पशुओं का चारा, अनाज, कपड़े व घरेलू सामान देखते ही देखते जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा छप्पर धू-धू कर जलने लगा। हालांकि, रसोई में रखा गैस सिलेंडर ग्रामीणों की सूझबूझ से समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। सूचना मिलते ही सरपंच प्रतिनिधि मन्नालाल मीना मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी तथा सरकारी स्तर पर सहायता दिलवाने का आश्वासन दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और एकजुट होकर आग बुझाने के कार्य में जुट गए। ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक लाखों रुपये का नुकसान हो चुका था।

## 205 विद्यालयों की 4 करोड़ से अधिक की राशि से होगी मरमत

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांदीकुई।** विधानसभा बांदीकुई में भारी बरसात के कारण विद्यालय भवनों के क्षतिग्रस्त होने पर 205 विद्यालय भवनों की मरम्मत के लिए राज्य सरकार 4.10 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें ब्लॉक बांदीकुई में 101 विद्यालयों के लिए 2.02 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसी प्रकार ब्लॉक बसवा में 70 विद्यालयों के लिए 1.40 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

## डिडवाना में राजकीय आवास का रास्ता बंद, पीएचईडी ने पंचायत समिति से की कार्रवाई की मांग

**लालसोट।** जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग लालसोट के सहायक अभियंता जालंधर मीना ने पंचायत समिति लालसोट के विकास अधिकारी को पत्र लिखकर ग्राम डिडवाना में विभागीय राजकीय आवास तक जाने वाले रास्ते को खुलवाने की मांग की है। सहायक अभियंता मीना द्वारा जारी पत्र में बताया गया कि ग्राम डिडवाना में घाटा बालाजी के पास विभाग का पुराना कार्यालय भवन व राजकीय आवास स्थित है। ग्राम पंचायत डिडवाना द्वारा उक्त आवास तक टाइल रोड का निर्माण कराया गया था। लेकिन 12 अक्टूबर को गांव के केदार प्रसाद साहू, मुकेश और विशाल द्वारा उक्त टाइल रोड पर लोहे का गेट लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया। इस संबंध में जानकारी ग्राम विकास अधिकारी रोशनलाल मीना को उसी दिन दे दी गई थी, परंतु पंचायत स्तर पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सहायक अभियंता ने विकास अधिकारी से अनुरोध किया है कि ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित टाइल रोड से लोहे का गेट हटवाया जाए, ताकि विभागीय कार्यालय और आवास तक आवागमन सुचारू रूप से बहाल हो सके।

## कार्यवाहक जिला जज ने श्यालावास जेल में कैदियों के काम की सराहना की

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, दौसा।** कार्यवाहक जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दौसा रविकांत सोनी ने विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल में अनुशासन, मानवीय व्यवहार और पुनर्वास पर दिए जा रहे विशेष ध्यान की सराहना की। न्यायाधीश ने बंदियों द्वारा किए जा रहे कालीन, कंबल, धातु बक्से और लकड़ी के फर्नीचर के निर्माण कार्य को प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए बंदियों में गरिमा और कौशल विकास को प्रोत्साहित करना एक सराहनीय पहल है। जिला जज के श्यालावास कारागृह में पहुँचने पर जेल अधीक्षक पारस जांगिड ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। जिला जज ने कारागृह में बंदी रसोई, बैरक, जेल डिस्पेंसरी, उद्योगशाला, ड्रामा हॉल, निर्माणाधीन टी-एचसीबीएस आदि का अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों से बात करते हुए उनकी समस्याएं जानी तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंगलवार से ही अच्छे आचरण के बंदियों द्वारा गाय के गोबर के दीपक बनाने का कार्य शुरू किया गया है। सजायाफ्ता बंदी अर्जुन और लालचंद ने स्वनिर्मित दीपक जिला जज को भेंट किए। जेलर विकास बागोरिया, डिप्टी जेलर दिलावर खान, आरएसी प्लाटून कमांडर मनेश कुमार, मुख्य प्रहरी ओम प्रकाश शर्मा ने जिला जज को जेल विजिट करवाने में सहयोग किया।

### कार्यालय नगर पालिका मण्डल बांदीकुई (दौसा)

क्रमांकः न.पा.बा/भूमी/ 2025/ 3105 दिनांक :- 13.10.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदकों द्वारा ऑनलाईन माध्यम से नगर पालिका में आवेदकों द्वारा कृषि भूमि नियमन 69.क एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि इस कार्य से किसी आम व खास को कोई उज्र / आपत्ति हो तो पालिका में सात दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

| क्रम सं. | ऑनलाईन आवेदन संख्या | आवेदक का नाम/ पिता/ पत्नी का नाम | पता (जिस स्थान के लिये आवेदन किया गया है) | खसरा संख्या | आवासीय/ व्यावसायिक/ संस्थानकि (क्षे. वर्गमीटर) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | LD/ BNKI/2025-26/269145 | श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री चन्द्रकान्त शर्मा | वार्ड नं. 11 सिकन्दरा रोड बांदीकुई | खसरा नम्बर 302/ 304/ श्यालावास खुर्द | आवासीय 79.69 वर्गमीटर |

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका बांदीकुई

DNJ- 372244

### कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, दौसा - बांदीकुई

क्रमांकः LU2012/BAN/2025-26/100006 दिनांकः 13/10/2025

लोक सूचना

श्री RAGHUVIR SINGH पुत्र श्री SHRIYARAM GURJAR जाति GURJAR निवासी VILLAGE MUHI TEHSIL BASWA श्री PRABHU DAYAL GURJAR पुत्र श्री REWAD RAM GURJAR जाति GURJAR निवासी PEELA KHANA KI DHANI MUHI TEHSIL BASWA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

| क्र. सं. | ग्राम तहसील व जिले का नाम | खातेदार का नाम | खसरा सं. | क्षेत्रफल (वर्ग मीटर) | क्षेत्रफल (हैक्टे.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | कुण्डल, कुंडल () | PRABHU DAYAL | 183 | 2650 | 0.265 |
| 2. | कुण्डल, कुंडल () | RAGHUVIR SINGH | 183 | 2650 | 0.265 |
| 3. | कुण्डल, कुंडल () | PRABHU DAYAL | 183/2238 | 800 | 0.08 |
| 4. | कुण्डल, कुंडल () | RAGHUVIR SINGH | 183/2238 | 800 | 0.08 |
| | | | | कुल | 0.69 |

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90 - A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 13.10.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास न्यास, दौसा - बांदीकुई

DNJ- 372252

# डाकघरों में अब 755 रुपए में 15 लाख का दुर्घटना बीमा

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, दौसा।** भारतीय डाक विभाग में अब 755 रुपए में 15 लाख तक का बीमा डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में बीमा करवा सकते हैं। वहीं 10 लाख तक का बीमा 555 रुपए में करा सकेंगे। इस बीमा में इलाज खर्च के साथ साथ इलाज खर्च का कवर भी शामिल हैं। हालांकि यह कैशलेश प्लान नहीं है। पर इलाज करवाने के बाद भी बिल सबमिट करने पर इलाज में खर्च हुए रुपए को बीमित को अदा करवाने का प्रावधान किया है। खास बात यह भी है कि पालिसी के तहत बच्चों की शिक्षा व शादी के लिए पचास हजार व एक लाख रुपए और प्रसूता के लिए डेली कैश लाभ का प्रावधान किया गया है। हाल ही में डाक विभाग ने 755 रुपए सालाना प्रीमियम पर 15 लाख तक का दुर्घटना बीमा का प्लान शुरू किया गया है। इस प्लान के तहत हड्डी टूटने या जलने की स्थिति में व मृत्यु होने पर बच्चों की शिक्षा व शादी के लिए 1 लाख तक की राशि देय होगी। इस प्लान में हेल्थ जांच सुविधा भी शामिल हैं और इलाज दवा पर खर्च राशि वापस ली जाती है। इस प्लान का लाभ लेने इच्छुक व्यक्ति को जिला मुख्यालय स्थित डाकघर के इन्डिया पोस्ट पेमेंट बैंक में जाना होगा। उक्त बैंक में एक सैविग खाता खुलवाने के साथ ही उक्त प्लान ले सकेंगा।

**गांवों में 258 शाखा डाकघरों में भी सुविधा-** महंगे प्रीमियम पर बीमा करवाने में असमर्थ लोगों के लिए डाक विभाग ने यह प्लान लागू किया है। इसके लिए विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने कुछ इन्श्योरेन्स कम्पनीयो से अनुबंध किया है। इसके तहत हेल्थ प्लस और हेल्थ एक्सप्रेस प्लान एक्सीडेंट इन्श्योरेन्स पोलिसी लांच की गई है। इसके लिए मात्र 755 के प्लान में 15 लाख तक का एक्सीडेंट कवरेज दिया जाएगा। बीमित व्यक्ति चाहे तो वह टेली परामर्श के माध्यम से डाक्टर से असीमित बार प्रिस्क्रिप्शन ले सकता है। पहले से मौजूद रोगों के लिए भी कोई प्रतिबंध नहीं है। वर्ष में एक बार हेल्थ चेकअप की भी सुविधा है। जिसमें कई प्रकार की जांच भी हो सकेगी इस प्लान का लाभ जिले के 258 शाखा डाकघरों व 32 उपडाकघरों से लिया जा सकता है

**इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक अकाउंट होना जरूरी- जयपुर** देहात मण्डल के डाक अधीक्षक भूपेंद्र पाराशर ने बताया भारत सरकार ने यह स्कीम लागू की है। उन्होंने बताया की इस योजना की शुरुआत 399 रुपए से की गई है। डाक अधीक्षक ने बताया की भारत सरकार की यह यह स्कीम लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। जहां मामूली सी कीमत पर बड़ा बीमा सरकार द्वारा दिया जा रहा है। एक साल खत्म होने के बाद इस स्कीम को दोबारा रिन्यू करवाना होगा।

बता दें कि इस योजना का लाभ लेने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में खाता होना जरूरी है। पालिसी तीन अलग-अलग प्रकार की केटेगरी में उपलब्ध है। जिसमें 5 लाख तक का बीमा 355 रुपए सालाना प्रीमियम पर, 10 लाख तक का बीमा 555 रुपए सालाना प्रीमियम पर , 15 तक का बीमा 755 रुपए सालाना प्रीमियम पर मिलेगा।

# अब्दुल कलाम की जयंती मनाई

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, महुवा।** यहां बुधवार को तालचिड़ी के महाविद्यालय में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक एवं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ. कलाम का जीवन युवाओं और छात्रों को प्रेरित करने में समर्पित रहा। इस अवसर पर वैदिक मंगलाचरण के साथ डॉ. गीत प्रकाश गुलपाडिया सहायक आचार्य संस्कृत ने कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जांगिड़ तथा ताराचंद ने भी अपने विचार रखते हुए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। अजय कुमार मीणा सहायक आचार्य ने भी छात्र-छात्राओं को डॉ. कलाम के विचारों से अवगत करवाया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में सौरभ स्नातक प्रथम वर्ष, लखन बाई मीना स्नातक द्वितीय वर्ष एवं अन्य विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखते हुए उनके जीवन के विभिन्न प्रेरक प्रसंग से अवगत करवाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेंद्र कुमार जांगिड़ ने किया।

# हस्ताक्षर अभियान चलाया

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, दौसा।** श्री संत सुन्दरदास राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर, द्वारा निर्देशित कार्यक्रम नई किरण नशा मुक्ति केंद्र के तहत नशे से मुक्ति के लिए एक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ ललिता वर्मा ने सर्वप्रथम हस्ताक्षर कर इस अभियान का शुभारंभ किया। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों के साथ छात्राओं ने भी हस्ताक्षर किये।

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र के प्रमुख मेंटर राकेश कुमार शर्मा ने नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया और संयोजक डॉ. स्वर्णलता सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

# आज लालसोट तृतीय फीडर में 6 घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, लालसोट।** दीपावली पर्व के मद्देनजर बिजली व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए गुरुवार को 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता रामनरेश मीणा ने बताया कि यह कटौती गुरुवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक की जाएगी। यह शटडाउन लालसोट सब-स्टेशन से जुड़े सिटी तृतीय फीडर के क्षेत्रों में रहेगा। प्रभावित इलाकों में गौरव पथ, कैमला ढाणी, गणपति नगर, दुर्गा नगर, कबीर कॉलोनी, कुलदीप नगर, बापू नगर, सेडुलाई, गोविंद विहार, हाडा ढाणी और लोग्यां ढाणी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दीपावली के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मरम्मत व रखरखाव कार्य किए जाएंगे। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से असुविधा के लिए खेद जताते हुए सहयोग की अपील की है।

# आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान और दीपावली स्नेह मिलन सम्मेलन आज

**बांदीकुई।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान,वोकल फोर लोकल अभियान व दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम गुरुवार को भाजपा कार्यालय बांदीकुई पर दोपहर 3 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिसकी मुख्य अतिथि संतोष अहलावत प्रदेश महामंत्री होंगी । कार्यक्रम की अध्यक्षता भागचंद टांकडा विधायक बांदीकुई करेंगे। मुख्य वक्ता लक्ष्मी रैला ज़िलाध्यक्ष होंगी । विशिष्ट अतिथि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के जिला संयोजक डॉ रतन तिवाड़ी,वोकल फॉर लोकल अभियान के जिला संयोजक सुमेश विजय व सहकारिता सदस्यता अभियान के जिला संयोजक प्रमोद व्यास होंगे।

## गोला फेंक में नितिन शर्मा अव्वल रहे

# शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल जरूरी : प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, लालसोट।** राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय लालसोट में 13 से 17 अक्टूबर तक चल रही खेलकूद गतिविधियों के तहत गुरूवार को गोला फैंक एवं तश्तरी फैंक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें गोला फैंक प्रतियोगिता में नितिन कुमार शर्मा ने प्रथम स्थान आर्यन स्वामी एवं सोमदेव ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान एवं प्रियांशु शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं तश्तरी फैंक प्रतियोगिता में मनराज सैनी ने प्रथम स्थान, आर्यन स्वामी ने द्वितीय स्थान एवं मनीष सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.सुभाष पहाड़िया ने शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने हेतु खेलों के महत्व के बारे में सभी प्रतिभागियों को बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के हनुमान प्रसाद मीना, डॉ.एच के सिंह, डॉ.जितेंद्र कुमार बैरवा, राकेश कुमार मीना, लोकेश कुमार मीना, साक्षी मीना, कांता मीना, भारती चतुर्वेदी, डॉ.नेहा राघव, गायत्री पांडिया, देवेन्द्र सिंह राजावत, राजेश चौहान, प्रिया मीना,हरकेश मीना, विष्णु सैनी, इमरान खान, राजेंद्र मालिया, शिवनारायण मीना, राकेश पहाड़िया, राजेश बैरवा, शेरसिंह आदि अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# रामगढ़ पचवारा में पोषण मेला: गर्भवती महिलाओं की कराई गोद भराई

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, रामगढ़ पचवारा।** महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वधान में बुधवार को पंचायत समिति सभा भवन में आठवें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत पोषण मेले का आयोजन किया गया। जिसमें गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व 6 माह पूर्व बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। महिलाओं को पोषण संबंधित जानकारी दी। जानकारी देती हुई सुपरवाइजर उषा राजोरा ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम मे विकास अधिकारी योगेश मीना व बाल विकास परियोजना अधिकारी रवीना मीना, अतिरिक्त विकास अधिकारी बच्चूसिंह मीणा ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करवाई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने पोषाहार से निर्मित विभिन्न रेसिपियां बनाकर प्रदर्शित की गई। प्रदर्शित की गई रेसिपियों में से सर्वश्रेष्ठ रेसिपी वाली कार्यकर्ताओं को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। पोषण मेले मे योगश कुमार मीना विकास अधिकारी पंचायत समिति रामगढ पचवारा, बाल विकास परियोजना अधिकारी रवीना मीना, कनिष्ठ लेखाकार नूतन मीना, वरिष्ठ सहायक सत्यप्रकाश मीना, ब्लॉक समन्वयक सुनील जागा, महिला पर्यवेक्षक कोमल शर्मा, उषा राजौरा, रीना मीना, कमला व मिशन बुनियाद की ओर से गौरव उपस्थित रहे।

# आज लगेंगे ग्रामीण सेवा शिविर

**दौसा।** राज्य सरकार की ओर से आम जन को एक ही स्थान पर सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने और जनसमस्याओं का निस्तारण करने के लिए चलाए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर अभियान के तहत गुरूवार को विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं नगर निकाय मुख्यालयों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के 16 अक्टूबर को रलावता (दौसा), बड़ियाल कलां एवं रलावता (बांदीकुई), पीपलकी, जयसिंहपुरा एवं गण्डरावा (सिकराय), कमालपुर एवं गगवाना (महवा), बिलौनाकलां एवं डिगो (लालसोट), कालोता (सैंथल) में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

# आध्यात्मिक आदर्श रामलीला समिति के अध्यक्ष बने गंगावत

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, दौसा।** आध्यात्मिक आदर्श रामलीला समिति की सामूहिक गोठ एवं वार्षिक मीटिंग का आयोजन बैद्जनाथ महादेव मंदिर किला सागर में किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता कजोड़मल शर्मा ने की। इसमें समिति के चुनाव संपन्न कराए गए। सर्वसम्मति से संरक्षक सुभाष घोसी एवं एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा को चुना गया। अध्यक्ष पद पर वापस धर्माचार्य डॉक्टर परमेश्वर गंगावत को चुना गया। उपाध्यक्ष अमरेश जाकड़, प्रदीप नागर, महेश आचार्य, सचिव पार्षद आचार्य आशीष शर्मा, कोषाध्यक्ष उमाशंकर गुढा कटला, डायरेक्टर राकेश शर्मा, संयोजक एवं स्टोर कीपर अशोक सिंघा, मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा, प्रचार मंत्री श्याम बिहारी शर्मा एवं राजाबाबू आकड़ को चुना गया। अध्यक्ष के परामर्श पर मार्गदर्शक मंडल का गठन किया गया। इसमें वैद्य महेश चंद्र मिश्र, वैद्य मोहनलाल गौतम, पंडित रूपेश शास्त्री, कजोड़ मल शर्मा एवं मुकेश पाराशर को शामिल किया गया। नवनियुक्त कार्यकारणी का समिति के सभी कलाकारों, सदस्यों एवं पूर्व पदाधिकारियों ने माला पहनाकर स्वागत किया। आगामी रामलीला को और भी भव्य तरीके से मंचित करने का संकल्प दोहराया।

# 11 सूत्री मांगों को लेकर कलक्ट्रेट पर धरना

**दौसा।** अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में महासंघ के 11 सूत्री मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर चेतावनी धरना प्रदर्शन किया गया। 9 अक्टूबर को सरकार द्वारा किए गए आदेशों की होली जलाई गई। धरने के बाद मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिला मंत्री मुकेश चन्द मीना ऐंचेडी ने महासंघ के 11 सूत्री मांग पत्र के बारे में बताया। इस दौरान रामरूप खटाना जिला उपाध्यक्ष, जगदीश, दुर्गेश ज़िला अध्यक्ष ग्राम विकास अधिकारी संघ, राधा किशन मीना सांख्यिकी जिला अध्यक्ष, कजोड़मल मीना शिक्षक संघ शेखावत, लोकेश कुमार गुर्जर, लक्ष्मी नारायण मौर्य ज़िला अध्यक्ष आयुर्वेद परिचारक संघ, सहायक कर्मचारी संघ दिलीप सिंह राजावत, सुरेश सैनी, कुसुम लता सैन, शांति देवी, मोइनुद्दीन, वार्ड बॉय संघ कल्याण सहाय मीणा, रमन लाल मीणा, कृषि संघ से रामधन मीणा, कानूनगो संघ जिला अध्यक्ष प्रकाश चन्द मीना, रामकिशोर गुप्ता, विजय सिंह जाटव, बच्चू राम मीना, लखन लाल मीना पटवार संघ, लोकेश कुमार गुर्जर, मोहन लाल सैनी,अजीम खान, चंद्रमोहन महावर, मनोज बैरवा, कमल मीणा, घनश्याम मीना, दीपक शर्मा, उमंग शर्मा, सुमन जांगिड़, निशा शर्मा, रीता शर्मा, अभिषेक मीना, पप्पू लाल सांवरिया, किरण शर्मा, मनमोहित मीना, हरिराम मीणा, हेतराम मीणा, राजेश प्रजापत, विष्णु शर्मा, मोहित सैनी, सागर गोरला, देवेंद्र, ओमप्रकाश मीणा, नोरत राम सैनी, पंकज सैनी, सुभाष यादव, कमलेश मीणा, सुरेश कुमार, भागचंद बैरवा, प्रीतम वर्मा,इंदर लाल, दयाराम सैनी, विजय सिंह रावत, कुलदीप सिंह, अमजद खान, रामधन बना, विजय जांगिड़, हेमलता शर्मा, विवेक चौधरी, महेंद्र कुमार, सरदार सिंह गुर्जर, विकास कुमार वर्मा, रमेश चंद योगी, राहुल महावर, असलम शेर खान, रामोतार गुर्जर, विष्णु कुमार गुर्जर, हनुमान सिंह गुर्जर, अवधेश गुर्जर, भोपाल मीणा, हिमांशु कुशवाह, अजय कुमार, धारा सिंह बैरवा, महेंद्र सिंह, भीम सिंह, कपिल रावत, भगवान स्वरूप जैमिनी, छोटेलाल बैरवा, दिनेश खंडेलवाल सहित सैकड़ों कर्मचारी धरने में शामिल रहे।

# सरकार ने महासंघ की मांग नहीं मानी तो 20 अक्टूबर को काली दीपावली मनाएंगे : चतुर्वेदी

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांदीकुई।** विभिन्न मांगों के समर्थन में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत ने प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के आवहान पर एक दिवसीय धरना देकर जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार को ज्ञापन दिया। धरने के दरम्यान वक्ताओं ने सरकार पर कर्मचारियों की लंबित मांगों एवं बजट घोषणा 2025-26 के क्रियान्वयन में दिखाई जा रही घोर उदासीनता का आरोप लगाया। जिला अध्यक्ष तेज प्रकाश चतुर्वेदी एवं जिला महामंत्री हरि सिंह गुर्जर के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन के बाद दिए गए ज्ञापन में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को अंतिम चेतावनी दी है। जिलाध्यक्ष तेज प्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि लगभग 3 सप्ताह बीत जाने के बावजूद भी न तो कोई आदेश जारी हुआ, न ही मांग पत्र पर वार्ता हेतु कोई सकारात्मक पहल की गई। सरकार की वादा खिलाफी एवं घोर उपेक्षा असहनीय है। सरकार ने सकारात्मक मांग नहीं मानी तो मजबूर होकर 20 अक्टूबर को काली दीपावली मनाएंगे। धरना प्रदर्शन में गोपाल लाल शर्मा, सुरेंद्र कुमार मीणा, सूर्य प्रकाश शर्मा, ओम प्रकाश कुमावत, रामकरण महावर, भगवान सहाय महावर, पूरणमल बुनकर, ललित कुमार, रूपनारायण शर्मा, दिलीप सिंह राजपूत, रामप्रसाद सैनी, मोतीलाल गुर्जर, महावीर, अजीत, भागचंद महावर, सुरेश सैनी, कैलाश सैनी, प्रसाद लाल सैनी, ओमप्रकाश डिटवाल, कालूराम कुमार, हरि सिंह गुर्जर, ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

# सहकार सदस्यता अभियान का समापन 19 हजार 556 नए सदस्य बनाये

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, दौसा।** राज्य सरकार द्वारा जिले में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान के तहत पैक्स द्वारा कुल 19556 नये सहकारी सदस्य तथा प्राथमिक डेयरी समितियों द्वारा 2880 नये सहकारी सदस्य बनाये गये हैं। अभियान के अन्तिम दिन जिले की सहकारी समितियों के उप रजिस्ट्रार रामस्वरूप सिंधु द्वारा भाण्डारेज ग्राम सेवा सहकारी समिति में अभियान की समीक्षा की। शिविर के दौरान 102 नये सदस्य बनाये गये जिसमें 65 महिलाओं को सहकारी समिति की सदस्यता ग्रहण करवाई गई। इस अवसर पर बैंक के अतिरिक्त अधिशाषी अधिकारी अशोक मीना द्वारा बताया कि अभियान के दौरान जिले में कुल 210 शिविर आयोजित किये गये। जिले में लक्ष्य से अधिक नवीन सहकारी सदस्य बनाये गये। मीना ने बताया की अपने क्षेत्र की सहकारी समिति की सदस्यता हेतु आनलाईन आवेदन भी सम्भव है। कोई भी ग्रामीण/ कृषक राज्य सरकार के सिंगल साइन आन पोर्टल पर अपनी आई.डी. द्वारा राजसहकार एप्लीकेशन के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत जानकारियां साझा कर आवेदन कर सकता है। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में नई पैक्स के गठन के सम्बन्ध में 31 ग्राम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। 28 पैक्स द्वारा निशुल्क भूमि आवंटन हेतु भूमि चिन्हित कर आवेदन कर दिया गया है। 368 किसानों की आधार सीडिंग एवं 240 कृषकों की ई-केवाईसी का कार्य किया गया है। शिविर के दौरान प्राथमिक भूमि विकास बैंक के सचिव अनिल बैरवा द्वारा उपस्थित युवाओं एवं महिलाओं को सहकारी समिति का सदस्य बनने के लाभों से अवगत करवाया गया तथा सहकारिता कानून की जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान 15 हजार से अधिक ग्रामीणों एवं कृषकों को सहकारिता कानून की जानकारी प्रदान की गई।

# ढाणियों की समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, बसवा।** अनेक समस्याओं को लेकर जैसया की ढाणी बस स्टैंड पर राष्ट्रीय किसान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल मीणा के नेतृत्व में सर्व समाज के लोगों की एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की जानकारी दी। जैसया की ढाणी बस स्टैंड से जाने गुलाना को जाने वाले सड़क मार्ग पर रोड लाइट लगाने की मांग की व डामर सड़क का चौड़ाईकरण करने की मांग व अगवाली बस स्टैंड से न्यायालय तक अलवर सिकंदरा मेगा हाईवे पर रोड लाइट लगाने की मांग की गई। जिससे प्रतिदिन होने वाले सड़क हादसों में कमी होगी। जबकि जमवा रामगढ़ विधानसभा में आंधी सड़क मार्ग पर सैकड़ों की संख्या में लाइट लग रही है इसी प्रकार अलवर सिकंदरा मेगा हाईवे पर भी मुख्य बस स्टैंड ऊपर रोशनी के लिए लाइट लगाया जाना जरूरी है। इस संबंध में राष्ट्रीय किसान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल मीणा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर समस्याओं के समाधान की मांग की है। यदि इन समस्याओं का समाधान जल्दी नहीं किया गया तो शीघ्र ही प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा। मीटिंग में पुनाराम मीणा, किशन लाल मीणा, युवा नेता रवि सैनी, खेमराजमीणा, श्री मीणा, नेमीचंद सैनी, बीरबल सैनी, चेतराम मीणा, हरिराम मीणा, रामप्रसाद मीणा, नरेंद्र मीणा आदि लोग मौजूद रहे।

# 51 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का भूमि पूजन

**सिकराय।** सिकराय कस्बे में पंचमुखी हनुमान जी के मंदिर के पास 51 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ के लिए भूमि पूजन का आयोजन किया गया। आयोजकों के द्वारा बताया गया कि 7 नवंबर को मंगल कलश यात्रा हिंगलाज माता मंदिर से निकल जाएगी एवं आठ को सामूहिक जाप होगा। बुधवार को गायत्री यज्ञ को लेकर सामूहिक हवन पूजन कर भूमि पूजन का आयोजन भी किया गया। विधि विधान के साथ में यह पूजा अर्चना की गई और आयोजकों ने बताया कि यज्ञ का बड़े धूमधाम के साथ में आयोजन किया जाएगा। भूमि पूजन के दौरान ओम प्रकाश अग्रवाल, माणीशंकर चौधरी, अनीता गुप्ता, विजेंद्र, रूपनारायण, रमेश लाटा, रमाकांत, सुरेश त्रिवेदी, गिरधर वैध, कल्याण साहय , ओमप्रकाश, सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

# ई-मित्र केंद्र पर चला आईटी विभाग का डंडा

## अनऑथराइज्ड आधार मशीन मिलने पर संयुक्त निदेशक ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, लालसोट।** सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम ने मंगलवार को लालसोट ब्लॉक में ई-मित्र केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जमात चौराहा स्थित पंचौली ई-मित्र एंड रोजगार सेंटर (कियोस्क कोड K109233284) पर अनियमितताएं सामने आईं। टीम को मौके पर केंद्र का बैनर फटा हुआ मिला और विभाग की गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा था। साथ ही केंद्र पर अनऑथराइज्ड आधार मशीन से संचालन किया जा रहा था। पूछताछ के दौरान संचालक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और जांच टीम को गुमराह करने का प्रयास किया। संयुक्त निदेशक राधेश्याम बैरवा ने तत्काल संबंधित कियोस्क धारक के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए। निरीक्षण दल में प्रोग्रामर हेमंत शर्मा (DOIT लालसोट), प्रोग्रामर अंजू बाला (रामगढ़ पचवारा) और सूचना सहायक सुरेशचंद मीना शामिल रहे।

# आज से होगा खेल शिक्षा सांस्कृतिक मेले का आयोजन

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, घूमना।** ग्राम विकास समिति घूमणा द्वारा खेल, शिक्षा व सांस्कृतिक मेला का आयोजन 16 से 18 अक्टूबर तक लाइब्रेरी भवन के पास, सामुड़ा ढाणी घूमणा में किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आज अतिथियों के द्वारा किया जाएगा। समिति के सदस्यों ने बताया कि तीन दिवसीय मेले में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों के लिए खेल प्रतियोगिताएं कबड्डी, खो-खो, दौड़, साइकिल रेस आदि शैक्षिक गतिविधियां निबंध, चित्रकला, वाद-विवाद, तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम लोकगीत, नृत्य, नाटक आयोजित होंगे। साथ ही कैरियर काउंसलिंग, कृषि संगोष्ठी, योग सत्र, प्रदर्शनी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह भी रखा गया है।

वही गांव के लोगों के द्वारा कन्हैया दंगल, सुड्डा दंगल,महिलाओं के द्वारा मटकी दौड़ भी आयोजित की जाएगी। वहीं प्रतिदिन प्रात 8 बजे से यह आयोजन शुरू हो जाएंगे। इसका आयोजन आज दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा के द्वारा किया जाएगा। वहीं इस कार्यक्रम में कल विधायक विक्रम बंशीवाल भी शिरकत करेंगे।

# करनावर सावलीया धाम से गुढा कटला तक क्षतिग्रस्त सड़क बनाने की मांग

**न्यूज सर्विस/नवज्योति, बसवा।** उपखंड के सांवलिया जी धाम करनावर के गेट के पास से गुडा कटला दोसा को जाने वाला सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। इस सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग दौसा व जयपुर के लिए जाते हैं लेकिन सड़क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं जिससे आने जाने वाले लोगों को बड़ी समस्या हो रही है। रेवासा के पास में सड़क पूरी तरह खराब हो गई है। आसन व रामबास के पास भी सड़क पूरी तरह खराब हो गई है लेकिन प्रशासन का बिल्कुल भी ध्यान नहीं है ना किसी जनप्रतिनिधि का ध्यान है। प्रतिदिन लोगों को आने-जाने में समस्या हो रही है। लोग दौसा के लिए इसी सड़क मार्ग से ज्यादा जाते हैं।